खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 16 मई, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-133

भोजशाला भी मंदिर

हाईकोर्ट में हिन्दू पक्ष की ऐतिहासिक जीत

इंदौर, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मध्य प्रदेश में हाईकोर्ट की इंदौर बेंच ने शुक्रवार को धार भोजशाला मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया। मामला एक प्राचीन ऐतिहासिक-धार्मिक स्थल भोजशाला से जुड़ा था, जिसके दावेदार हिंदू-मुस्लिम दोनों पक्ष थे। यह मामला जिस तरह से अयोध्या राम मंदिर जैसी स्थितियों वाला था, इसका फैसला भी वैसा ही आया है। कोर्ट ने धार जिले में मौजूद इस भोजशाला परिसर को मंदिर करार दिया है, साथ ही अपनी टिप्पणी में मुस्लिम पक्ष के लिए कहा कि वह अपने लिए सरकार से जमीन की मांग कर सकते हैं।

हाईकोर्ट में भोजशाला को मंदिर मानने के पीछे जो तर्क दिए, उनमें एएसआई की दलीलें सबसे प्रमुख हैं। जहां परिसर में मिली मूर्तियों, हवन कुंड और खंभे पर खुदे श्लोकों के आधार पर इसे मंदिर परिसर माना। लेकिन, भोजशाला पर हाईकोर्ट के फैसले के संदर्भ में जो आदेश आया है, उसमें एक शीर्षक अनायास ही अपनी ओर ध्यान खींचता है। इस पूरे फैसले को समझने के लिए इस आदेश में शामिल हिस्टोरिकल लिटरेचर, आर्कियोलाजिकल फिचर्स, और उन पर परिचर्चा शीर्षक वाले भाग को गंभीरता से देखना-समझना बेहद जरूरी बन जाता है।

जैन ग्रंथ में ऐतिहासिक विरासत का जिक्र

जैन ग्रंथ प्रबंध चिंतामणि में जिक्र आता है कि, प्रसिद्ध परमार शासक राजा भोज ने 1034 ईस्वी में मध्यप्रदेश के धार में देवी सरस्वती की पूजा के लिए भोजशाला मंदिर बनवाया। यह मंदिर हिंदू दर्शन और संस्कृत भाषा का प्रमुख केंद्र था। इसके साथ ही यह एक बड़ा और प्रसिद्ध आवासीय विश्वविद्यालय भी था। यहां लगभग 1400 महान विद्वान, कवि और धर्मशास्त्री, जैसे माघ, बाणभट्ट, कालिदास, भवभूति, मानतुंग, भास्कर भट्ट और धनपाल आदि राजा भोज के संरक्षण में रहे। भोजशाला में अवनी कूर्मशतम, सरस्वती कंठा भरण, राजमार्तंड और तिथि सारणिका जैसे अनेक विश्व प्रसिद्ध ग्रंथ रचे गए। धार ज़िला गज़ेटियर के अनुसार भोजशाला उस समय लगभग सभी प्रचलित भारतीय आस्थाओं और विद्याओं के अध्ययन का महान केंद्र थी। खुद राजा भोज 72 प्रकार की कलाओं और 36 प्रकार की सैनिक विद्याओं में निपुण थे। उन्होंने ज्योतिष, आयुर्वेद, व्याकरण, राजनीति, मूर्तिशास्त्र, दर्शन, रसायन, वास्तु आदि विविध विषयों पर 84 ग्रंथों की रचना की थी।

हिंदू संस्कृति के वाहक रहे हैं राजा भोज

केके मुंशी ने राजा भोज के हिंदू सांस्कृतिक योगदान का महत्व इन शब्दों में रेखांकित किया है कि 'उनके शासनकाल में मालवा की सभ्यता एक अद्वितीय उत्कर्ष पर पहुंच गई थी। वे लिखते हैं कि शृंगारमंजरीकथा में राजा भोज ने जिस युग-चित्र को उकेरा है वह मध्यकालीन भारतीय इतिहास के सबसे अधिक गौरवशाली काल की सजीव और विश्वसनीय झलक है। यह समझने पर कि राजा भोज किस-किस प्रकार हिंदू संस्कृति की सभी महान उपलब्धियों के समर्थक और संवाहक रहे, उनके प्रति सम्मान और भी बढ़ जाता है। 1903 में धार रियासत के शिक्षा अधीक्षक केके. लेले ने भवन की दीवारों में से अर्जुनवर्मन (लगभग 1210-15 ई.) के समय का संस्कृत-प्राकृत अभिलेख खोजा। यह अभिलेख आज भी प्रवेश द्वार के भीतर प्रदर्शित है। इसमें विजयश्रीनाटक नाम के एक नाटक के अंश हैं, जिसे राजा के आचार्य मदन, जिन्हें 'बालसरस्वती' भी कहा गया, ने रचा था।

क्यों पड़ा परिसर का नाम भोजशाला?

लेले ने अन्य शिलालेखों का भी उल्लेख किया, एक बड़े शिलापट्ट पर भगवान विष्णु के कूर्म अवतार की स्तुति में रचित कूर्मशतक के श्लोक अंकित हैं। एक सर्पाकार अभिलेख संस्कृत व्याकरण के नियमों को दर्शाता है। खासकर यह व्याकरणिक अभिलेख ही वह कारण बना, जिसकी वजह से लेले ने इस भवन को राजा भोज के नाम पर भोजशाला या हाल आफ भोजा कहा, क्योंकि राजा भोज (लगभग 1000-1055 ई.) अलंकारशास्त्र और व्याकरण पर सरस्वती कंठाभरण जैसे अनेक ग्रंथों के लेखक थे। भोजशाला शब्द का पहला प्रकाशित उल्लेख सीई. लुअर्ड ने 1908 में किया। इंडिया इंपीरियल गज़ेटियर 1908, खंड दख, के पेज 295 पर जिक्र है कि राजा भोज की पाठशाला चौदहवीं-पंद्रहवीं सदी में हिंदू अवशेषों से निर्मित एक और मस्जिद है। इसका वर्तमान नाम उन असंख्य शिलाफलकाओं से निकला है ▶8 पर

एएसआई पर भड़के ओवैसी

नयी दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन औवेसी ने मध्य प्रदेश के धार स्थित भोजशाला परिसर विवाद को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के उस फैसले का विरोध किया, जिसमें विवादित क्षेत्र को मंदिर माना गया है। ओवैसी ने केंद्र सरकार और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) पर भी गंभीर आरोप लगाए।

ओवैसी ने छह प्रमुख बिंदुओं के आधार पर अदालत के फैसले को गलत बताया। उन्होंने कहा कि संबंधित मस्जिद पिछले लगभग 700 वर्षों से मौजूद है और वहां नियमित रूप से नमाज अदा की जाती रही है। उनके अनुसार यह एक वक्फ संपत्ति है, जिसे पूर्व धार रियासत द्वारा मुसलमानों को प्रदान किया गया था उन्होंने वर्ष 1935 के धार रियासत गजट का उल्लेख करते हुए कहा कि उसमें स्पष्ट रूप से इस स्थल को मस्जिद बताया गया है।

पूजा स्थल अधिनियम की अनदेखी का आरोप

ओवैसी ने कहा कि वर्ष 1985 के वक्फ गजट तथा पूजा स्थल अधिनियम 1991 के तहत इस स्थल के धार्मिक स्वरूप की रक्षा की जानी चाहिए थी, जैसा कि वह 15 अगस्त 1947 को था। उन्होंने यह भी दावा किया कि वर्ष 1951 और 1952 में एएसआई द्वारा जारी आदेशों में भी इस स्थल को मस्जिद के रूप में स्वीकार किया गया था तथा भोज उत्सव से जुड़ी याचिकाओं को खारिज कर दिया गया था।

ओवैसी ने अदालत के फैसले को त्रुटिपूर्ण बताते हुए आरोप लगाया कि इसमें 1935 के गजट, वक्फ पंजीकरण और पूजा स्थल अधिनियम जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेजों और प्रावधानों को नजरअंदाज किया गया है।

सरकार और एएसआई पर पक्षपात का आरोप

एआईएमआईएम प्रमुख ने आरोप लगाया कि केंद्र की भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और सरकार याचिकाकर्ताओं के साथ मिली हुई हैं, जो संविधान के अनुच्छेद 14 और 12 की भावना के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह फैसला ऐतिहासिक अभिलेखों, वक्फ कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों की अनदेखी कर दिया गया है।

ओवैसी की यह प्रतिक्रिया मध्य प्रदेश हाई कोर्ट द्वारा शुक्रवार, 15 मई 2026 को भोजशाला परिसर पर फैसला सुनाए जाने के तुरंत बाद आई। यह विवाद धार जिले स्थित भोजशाला परिसर से जुड़ा है, जहां एक हिस्से में मस्जिद होने का दावा किया जाता है और वहां मुसलमान नमाज अदा करते हैं। ओवैसी ने कहा कि वर्ष 1995 में कुछ प्रभावशाली मुस्लिम नेताओं ने हर मंगलवार और बसंत पंचमी पर पूजा की अनुमति देकर गलती की थी, लेकिन इससे मस्जिद का मूल स्वरूप नहीं बदल सकता।

उन्होंने अदालत पर यह आरोप भी लगाया कि उसने 1935 की अधिसूचना को केवल प्रशासनिक व्यवस्था बताकर खारिज कर दिया, जिसे उन्होंने बेतुका करार दिया। साथ ही उन्होंने संबंधित जनहित याचिका को भी दोषपूर्ण बताया।ओवैसी के बयानों के बाद भोजशाला विवाद एक बार फिर राष्ट्रीय राजनीतिक बहस का केंद्र बन गया है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि आने वाले दिनों में यह मामला कानूनी और राजनीतिक दोनों स्तरों पर और अधिक चर्चा में रह सकता है।

पीएम मोदी की यूएई यात्रा

5 अरब डॉलर निवेश तेल-गैस की बड़ी डील

अबू धाबी/नयी दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को संयुक्त अरब अमीरात की आधिकारिक यात्रा पर पहुंचे तो उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरे की अहमियत इतनी थी कि खुद यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने हवाई अड्डे पर पीएम मोदी का औपचारिक स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं के बीच रणनीतिक बातचीत हुई। इस वार्ता के बाद संयुक्त अरब अमीरात में तेल, गैस से लेकर रक्षा के कई समझौते हुए। साथ ही संयुक्त अरब अमीरात ने भारत में 5 अरब डॉलर का निवेश करने की भी घोषणा कर दी।

पीएम मोदी की यूएई यात्रा में ऊर्जा सुरक्षा मुख्य एजेंडा का प्रमुख हिस्सा रही। दोनों पक्षों ने इंडियन स्ट्रेटेजिक पेट्रोलियम रिजर्व्स लिमिटेड और अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएए-नओसी) के बीच एक रणनीतिक सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत यूएई भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाकर 30 मिलियन बैरल करेगा। दोनों देशों ने भारत में रणनीतिक गैस भंडार स्थापित करने के लिए मिलकर काम करने पर भी सहमति व्यक्त की। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओ-सीएल) और एडीएनओसी के बीच एलपीजी की दीर्घकालिक आपूर्ति के लिए एक अलग समझौते को भी औपचारिक रूप दिया गया। दोनों नेताओं ने कच्चे तेल, एलएनजी और एलपीजी की आपूर्ति सहित भारत की ऊर्जा सुरक्षा में यूएई को एक महत्वपूर्ण और स्थायी ▶8 पर

नीट पेपर लीक : सरकार का बड़ा एक्शन

21 जून को री-एग्जाम, अगले साल से ऑनलाइन परीक्षा

नयी दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

नीट परीक्षा रद्द होने के बाद नई डेट घोषित की गई। नीट री-एग्जाम 21 जून को आयोजित की जाएगी। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने बड़ा फैसला लिया है। नीट यूजी परीक्षा अगले साल से ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। वहीं इस साल पेपर के लिए 15 मिनट अतिरिक्त समय दिया जाएगा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के जरिए इस पर डिटेल में जानकारी दी है। उनका कहना है कि छात्रों के हितों को ध्यान में रखते हुए नीट पेपर कैंसिल करने का कड़ा फैसला लेना पड़ा।

नीट पेपर लीक को लेकर सरकार चिंतित है। छात्रों के प्रति सरकार की पूरी संवेदनाएं हैं। नीट पेपर लीक और गड़बड़ी के माफिया के खिलाफ अभियान जारी है। हमारी अप्रोच वही जीरो टॉलरेंस की होगी। हमारी लड़ाई परीक्षा माफिया के साथ उसी तरह से रहेगी। विभिन्न तरह के सोशल मीडिया हैंडल से भ्रामक तथ्यों को रखकर गुमराह करने की कोशिश की जाती है। इन सभी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने तुरंत सीबीआई को इसका जिम्मा सौंप दिया है। सीबीआई इस बार मामले की तह तक जाएगी। हम इस बार परीक्षा में किसी तरह की गड़बड़ी नहीं होने देंगे। जो भी लोग पेपर को लेकर फिर से कुछ गलत करने की सोच रहे हैं, वो आने वाली परीक्षा से दूर रहें, वरना उनके दंड भुगतना होगा। सरकार से छात्रों की अपील है, ▶8 पर

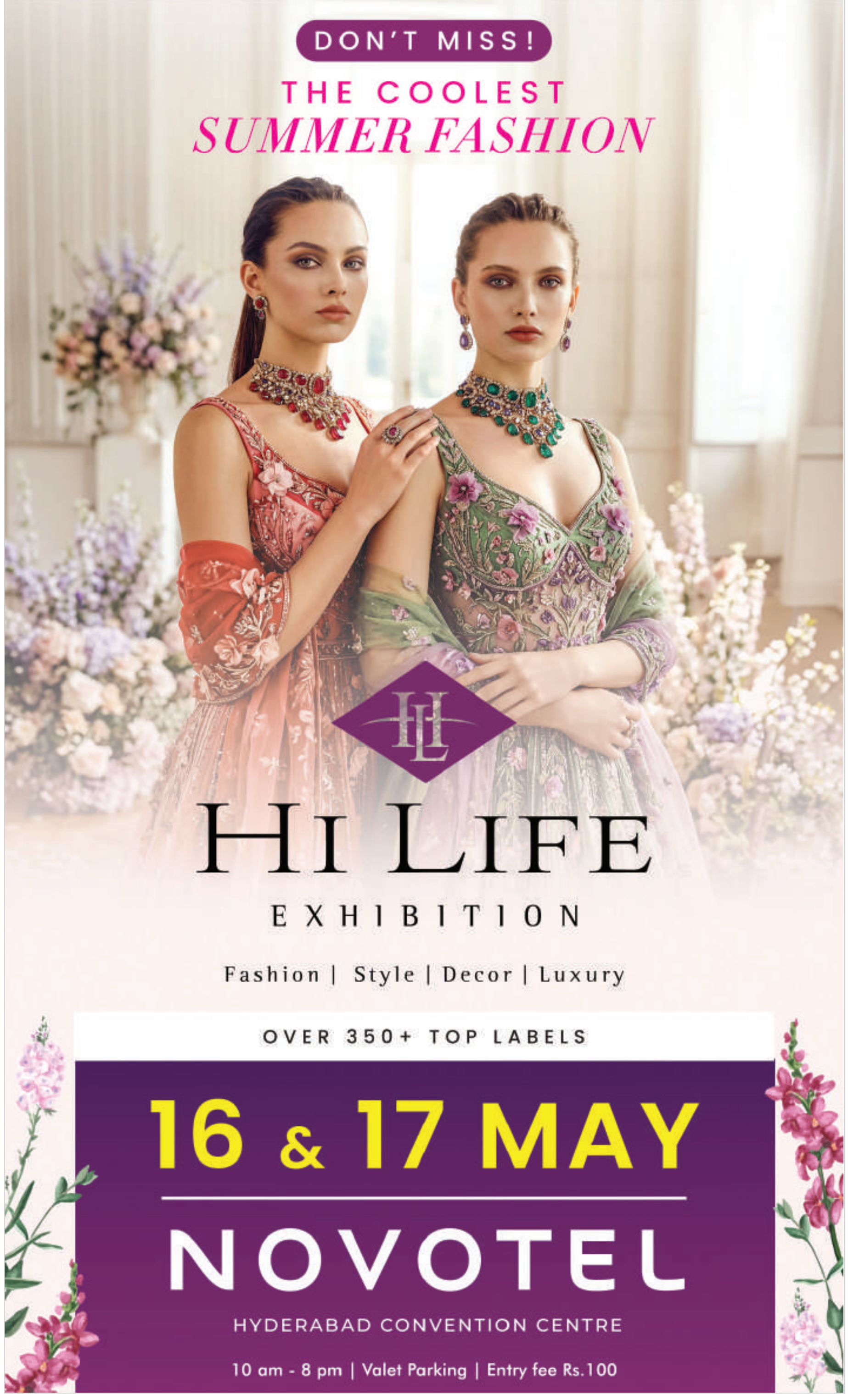

कार्टून कॉर्नर

महँगाई डायन

नयी दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

देश में बीते 48 घंटे में एक के बाद एक कई चीजें महंगी हो गई हैं और देश की जनता पर महंगाई का चौतरफा अटैक हुआ है। पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद जहां सरकार ने सोना-चांदी पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ाई और अचानक सोने-चाँदी के दाम में तेजी आ गई। सिर्फ सोना ही नहीं, इसके बाद देश में दूध के दाम बढ़े, सीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी की गई और अब पेट्रोल-

अब पेट्रोल-डीजल कीमती

डीजल पर महंगाई का बम फूट गया है। शुक्रवार 15 मई से देश में पेट्रोल -डीजल कीमतों में उछाल देखने को मिला और ये 3 रुपये प्रति लीटर तक महंगे हो गए हैं। पिछले रविवार को पहली बार पीएम मोदी ने विदेशी मुद्रा बचाने के लिए लोगों से एक साल तक सोना न खरीदने की अपील की थी और इसे 24 घंटे में ही दो बार दोहराया था। इसके बाद सरकार की ओर से अचानक सोने पर इंपोर्ट ड्यूटी बढ़ा दी गई और फिर एमसीएक्स से लेकर घरेलू मार्केट तक में सोना-चांदी का ▶8 पर

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नेपाल में संविधान संशोधन पर बैठक का, जेन जी नेताओं ने किया बहिष्कार

काठमांडू

नेपाल के जेनजी आन्दोलन के नेताओं ने सरकार द्वारा आहूत संविधान संशोधन संबंधी चर्चा का बहिष्कार करने की घोषणा की है। उनका आरोप है कि सरकार उनके साथ पहले हुए समझौते को लागू करने की बजाए एकतरफा एवं अपारदर्शी तरीके से आगे बढ़ रही है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अंतर्गत संविधान संशोधन बहसपत्र तैयार करने वाली कार्यदल ने बृहस्पतिवार को जेन जी अगुवा को पत्र भेजकर उन्हें संविधान संशोधन विषय पर शुक्रवार को होने वाली चर्चा में आमंत्रित किया था। शुक्रवार को यहां एक संयुक्त वक्तव्य में जारी कर 25 आंदोलनकारियों और अधिकारवादियों ने स्पष्ट किया कि वे उक्त चर्चा में भाग नहीं लेंगे।

आंदोलनकारियों ने सरकार की कार्यशैली पर गंभीर असंतोष व्यक्त करते हुए चर्चा का बहिष्कार करने के कई कारण बताए। वक्तव्य में कहा गया, आंदोलन में शामिल होने के कारण आज भी सैकड़ों साथी झूठे मुकदमों का सामना कर रहे हैं, जबकि शहीद परिवार और घायल लोग न्याय की प्रतीक्षा में हैं।

विज्ञप्ति में कहा गया कि नेपाल सरकार के साथ 10 दिसंबर 2025 को हुआ 10 सूत्रीय समझौता अब तक लागू नहीं किया गया है। जेनजी आंदोलन की जांच के लिए गठित गौरीबहादुर कार्की आयोग की रिपोर्ट भी औपचारिक रूप से सार्वजनिक और लागू नहीं की गई है।

आंदोलनकारियों का आरोप है कि समझौते की धारा 5 में संविधान संशोधन सुझाव आयोग गठन करने का प्रावधान होने के बावजूद सरकार ने उसे नजरअंदाज करते हुए एकतरफा ढंग से बहसपत्र कार्यदल बना दिया।

उन्होंने यह भी कहा कि लिखित समझौता लागू न करना, लेकिन केवल तीन मिनट सुझाव देने के लिए आमंत्रित करना महज औपचारिकता पूरी करने जैसा है।

वक्तव्य में यह भी कहा गया कि चर्चा में प्रतिभागियों के चयन की प्रक्रिया अपारदर्शी रही और आंदोलन में सक्रिय विभिन्न पृष्ठभूमि के लोगों को आमंत्रित नहीं किया गया।

जेनजी आंदोलनकारियों ने सरकार के सामने छह सूत्रीय मांगें भी रखी हैं—

- 25 दिसंबर 2025 को हुए जेनजी जनआंदोलन के समझौते को अक्षरशः लागू किया जाए।
- 8 और 9 सितंबर 2025 के आंदोलन में गिरफ्तार लोगों को तत्काल रिहा कर झूठे मुकदमे वापस लिए जाएं।
- शहीद परिवारों और घायल आंदोलनकारियों को न्याय दिया जाए।
- सितंबर 2025 के जेनजी आंदोलन सहित 1990 के प्रथम जनांदोलन, 2006 के दूसरे जनांदोलन, 2015 में हुए मधेश और थरुहट आंदोलनों से संबंधित जांच आयोगों की रिपोर्ट सार्वजनिक और लागू की जाए।
- भूमिहीन, दलित और अव्यवस्थित वासियों पर राज्य द्वारा किए जा रहे दमन को तुरंत रोका जाए और न्यायसंगत व्यवस्थापन किया जाए।
- समझौते की धारा 5 के अनुसार संविधान संशोधन सुझाव आयोग का गठन कर महिला, दलित, मधेशी, आदिवासी जनजाति तथा अन्य सभी हाशिए पर रहे समुदायों से स्थानीय से लेकर संघीय स्तर तक व्यापक परामर्श के बाद ही संशोधन प्रक्रिया आगे बढ़ाई जाए।

जेन जी नेताओं ने कहा कि यदि सरकार के तरफ से इन विषयों पर उपयुक्त परिस्थितियां बनाई जाती हैं, तो वे संविधान संशोधन संबंधी अपने सुझाव देने के लिए सदैव प्रतिबद्ध रहेंगे। जारी संयुक्त वक्तव्य पर मिराज ढुंगाना, तनुजा पांडे, भावना राउत, अमृता वन, रक्षा बम, रुक्शना कपाली, विप्लवी न्यौपाने सहित 25 लोगों ने हस्ताक्षर किए हैं।

न्यूज ब्रीफ

पाकिस्तान में सेना के कैंप पर आत्मघाती हमला, 15 सैनिकों की मौत, टीटीपी ने ली हमले की जिम्मेदारी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत स्थित बाजौर में सेना के एक कैंप पर बड़ा आत्मघाती हमला हुआ है। शुरुआती रिपोर्टों के अनुसार, इस हमले में कम से कम 15 पाकिस्तानी सैनिकों की जान चली गई है। आतंकियों ने इस हमले को एक सोची-समझी साजिश के तहत अंजाम दिया। घटनाक्रम के मुताबिक, हमलावरों ने सबसे पहले सेना परिसर के एक हिस्से में जोरदार धमाका किया। इस विस्फोट से मची अफरा-तफरी का लाभ उठाकर भारी हथियारों से लैस आतंकवादी कैंप के भीतर घुस गए। इसके बाद सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच काफी देर तक भीषण मुठभेड़ जारी रही। आतंकी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने इस आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली है। संगठन ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि यह हमला उनकी स्पेशल इस्तशहादी फोर्सेज द्वारा किया गया है। अक्टूबर 2025 में क्वेटा में हुए हमले के बाद यह पहली बार है जब टीटीपी ने आधिकारिक तौर पर किसी आत्मघाती बम धमाके की जिम्मेदारी स्वीकार की है। गौरतलब है कि खैबर पख्तूनख्वा प्रांत लंबे समय से उग्रवाद और आतंकवाद से प्रभावित रहा है और इस ताजा हमले के बाद पूरे इलाके में सुरक्षा व्यवस्था को बेहद कड़ा कर दिया गया है। हैरानी की बात यह है कि खैबर पख्तूनख्वा में एक सप्ताह के भीतर यह दूसरा आत्मघाती हमला है।

अनोखी घटनाः मां के गर्भ से दो बार जन्मा एक ही बच्चा

लंदन। चिकित्सा विज्ञान ने ऐसा चमत्कार कर दिखाया है जिसने सभी को हैरान कर दिया। यह अनोखी घटना मेडिकल जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है। यह हैरान करने वाली घटना है एक नवजात शिशु का अपनी जिंदगी बचाने के लिए मां के गर्भ से दो बार जन्म लेना। बच्चे का नाम कैसियन जौबर्ट है, जिसकी जिंदगी बचाने के लिए डाक्टरों ने बेहद जोखिम भरी और दुर्लभ सर्जरी का सहारा लिया। इस पूरे मामले को चिकित्सा विज्ञान की बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। कैसियन की मां के एशर और पिता ग्रेग जौबर्ट को जनवरी 2025 में पता चला था कि उनके घर दूसरा बच्चा आने वाला है। परिवार इस खबर से बेहद खुश था, लेकिन गर्भावस्था के 19वें सप्ताह में डाक्टरों ने एक गंभीर बीमारी का पता लगाया। जांच में सामने आया कि गर्भ में पल रहे बच्चे को कैओस नाम की बेहद दुर्लभ बीमारी है। इस बीमारी में बच्चे की सांस की नली एक मोटी झिल्ली से बंद हो जाती है, जिससे फेफड़ों में तरल पदार्थ भरने लगता है और अधिकांश मामलों में बच्चे की जान नहीं बच पाती। डाक्टरों ने पहले गर्भ के भीतर लेजर तकनीक से ब्लाकेज हटाने की कोशिश की, लेकिन यह प्रयास सफल नहीं हो सका। इसके बाद डाक्टरों की टीम ने एक बेहद कठिन और जोखिम भरा फैसला लिया।

प्यार में धोखा और ब्रेकअप का दर्द डिजिटल एक्स से बात कर रहे युवा

बीजिंग। चीन के कई युवा अपने पूर्व पार्टनर की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई आधारित डिजिटल

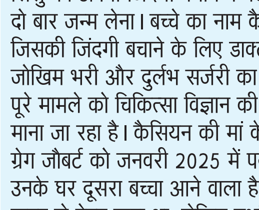

कापी तैयार कर रहे हैं ताकि वे उनसे बातचीत कर सकें और अपने टूटे रिश्ते के दर्द को कम कर सकें। एक रिपोर्ट के अनुसार, यह अनोखा ट्रेंड सोशल मीडिया और तकनीक की दुनिया में तेजी से चर्चा का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक इस पूरी प्रक्रिया में यूजर अपने पूर्व साथी के पुराने चैट, सोशल मीडिया पोस्ट, तस्वीरें और वायस नोट्स को एआई प्लेटफार्म पर अपलोड करते हैं। इसके बाद एआई इन जानकारियों का विश्लेषण कर उस व्यक्ति के बोलने के अंदाज, भाषा की शैली और व्यवहार की नकल तैयार करता है। कई लोग अपने पुराने रिश्ते से जुड़ी यादें, जैसे डिनर डेट, सालगिरह और झगड़ों की बातें भी एआई के साथ साझा करते हैं ताकि तैयार की गई डिजिटल कापी बिल्कुल असली व्यक्ति जैसी प्रतिक्रिया दे सके। युवाओं का कहना है कि अचानक हुए ब्रेकअप के बाद जो पछतावा और अधूरी बातें मन में रह जाती हैं, उन्हें इस तकनीक के जरिए व्यक्त करना आसान हो जाता है। लोग अपने डिजिटल एक्स से वे बातें कह पाते हैं जो वास्तविक जीवन में नहीं कह सके थे। कई यूजर्स का मानना है कि एआई से बातचीत करने पर उन्हें ऐसा महसूस होता है जैसे उन्हें अपने पुराने साथी से माफी मिल गई हो या रिश्ते को लेकर मन में चल रही उलझन कम हो गई हो।

दुनिया भर में बढ रहा कोरियन ओप्पा कल्चर

सिओल

पिछले कुछ वर्षों में कोरियन ड्रामा और के-पाप का क्रेज दुनियाभर में तेजी से बढ़ा है। इसी क्रम में कोरियन लड़कों का स्टाइल, व्यवहार और व्यक्तित्व भी लड़कियों के बीच खासा लोकप्रिय हो गया है। आपने सोशल मीडिया, के-ड्रामा या नेटफ्लिक्स की दुनिया ओप्पा शब्द जरूर सुना होगा। कोरियाई भाषा में ओप्पा का अर्थ होता है बड़ा भाई। यह शब्द लड़कियां अपने से बड़े किसी करीबी लड़के के लिए इस्तेमाल करती हैं।

हालांकि समय के साथ इसका मतलब बदल गया और अब यह शब्द प्यार, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक बन चुका है। आज कई लड़कियां अपने बायफ्रेंड या पसंदीदा लड़के को भी प्यार से ओप्पा कहकर बुलाती हैं। कोरियन लड़कों की लोकप्रियता के पीछे सबसे बड़ा कारण उनका व्यवहार माना जा रहा है। जहां कई समाजों में मर्दानगी को सख्त और भावनाहीन व्यक्तित्व से जोड़कर देखा जाता है, वहीं कोरियन संस्कृति में साफ्ट मस्कुलिनिटी को महत्व दिया जाता है। कोरियन लड़के अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने में संकोच नहीं करते। वे अपनी पार्टनर के प्रति केयरिंग, भावुक और संवेदनशील नजर आते हैं। यही चीज लड़कियों को सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। इसके अलावा उनकी ग्रूमिंग और पर्सनैलिटी भी लोगों का ध्यान खींचती है। कोरियन लड़के अपनी स्किन, हेयरस्टाइल और ड्रेसिंग सेंस का खास ख्याल रखते हैं। साफ-सुथरा रहना, अच्छी खुशबू इस्तेमाल करना और खुद को प्रेजेंटेबल रखना वहां की लाइफस्टाइल का हिस्सा माना जाता है।

यह आदत लड़कियों को प्रभावित करती है क्योंकि इससे आत्मविश्वास और परिपक्वता झलकती है। कोरियाई संस्कृति में शिष्टाचार और सम्मान को भी काफी महत्व दिया जाता है। के-ड्रामों में अक्सर दिखाए जाने वाले छोटे-छोटे रोमांटिक जेस्चर जैसे बारिश में छाता पकड़ना, सड़क पार कराना या पार्टनर का ख्याल रखना, लोगों को बेहद पसंद आता है। ये बातें रिश्तों में अपनापन और सम्मान का एहसास कराती हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि ओप्पा कल्चर सिर्फ एक ट्रेंड नहीं, बल्कि बदलती सोच का संकेत है। आज की लड़कियां ऐसे पार्टनर चाहती हैं जो सिर्फ मजबूत ही नहीं, बल्कि भावनात्मक रूप से समझदार और सम्मान देने वाला भी हो।

चीन में मार्को रूबियो के आने पर लगा है बैन, नाम बदलकर बीजिंग बुलाया

बीजिंग। चीन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की यात्रा के बीच एक दिलचस्प कूटनीतिक कहानी सामने आई है। अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर चीन ने बैन लगा रखा था, लेकिन ट्रंप के साथ वह बुधवार को पहली बार चीन की धरती पर उतरे। सवाल यह है कि आखिर ये कैसे मुमकिन हुआ चीन नहीं चाहता था कि रूबियो के ऊपर से प्रतिबंध हटाए जाएं, लेकिन वह यह भी नहीं चाहता था कि अमेरिकी विदेश मंत्री को देश में आने से रोककर एक डिप्लोमैटिक विवाद खड़ा किया जाए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने इन सब से निपटने के लिए चाल चल। चीन ने मार्को रूबियो का नाम ही बदल दिया। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो पर चीन ने 2020 में प्रतिबंध लगाया था। इसमें चीन में एंट्री से जुड़ा बैन भी था। दरअसल रूबियो तब सिर्फ सीनेटर थे। वह चीन के शिनजियांग में उइगर मुसलमानों पर अत्याचार और हांगकांग की मानवाधिकार स्थिति को लेकर लगातार कड़ी आलोचना करते थे। इससे नाराज चीन ने मार्को रूबियो समेत कई अन्य नेताओं पर प्रतिबंध लगा दिया, लेकिन अब तस्वीर बदल गई। ट्रंप ने उन्हें विदेश मंत्री बना दिया, जिस कारण चीन को मजबूरी में अपना रुख बदलना पड़ा। चीन ने साफ कहा कि रूबियो पर लगा प्रतिबंध उनके सीनेटर रहने के दौरान दिए गए बयानों के कारण है, न कि उनके मौजूदा काम के आधार पर। चीन ने अपनी भाषा में मार्को रुबियो के नाम में छोटा सा बदलाव कर दिया, जिस कारण रूबियो के लिए चीन के दरवाजे खुल गए। चीन ने रूबियो के नाम का चीनी ट्रांसलिटरेशन बदल दिया यानी उनके नाम को चीनी भाषा में लिखने का तरीका बदल दिया। इससे तकनीकी तौर पर पुराने प्रतिबंध लागू नहीं होते और रुबियो की एंट्री का रास्ता साफ हो गया। रूबियो का स्टैंडर्ड चीनी नाम माक लूबि आओ था। इसका उच्चारण थोड़ा अलग है। दिलचस्प बात यह है कि पश्चिमी नेताओं के नाम का चीनी अनुवाद हमेशा तय नहीं होता। एक ही व्यक्ति के कई चीनी नाम हो सकते हैं। खुद डोनाल्ड ट्रंप के भी दो नाम प्रचलित हैं। एक तेलांगपु और दूसरा चुआनपु। चीन की सरकार आमतौर पर पहला नाम इस्तेमाल करती है।

धरती के बेहद करीब से गुजरेगा एस्टेरायड, वैज्ञानिकों ने दिया सुरक्षा का भरोसा

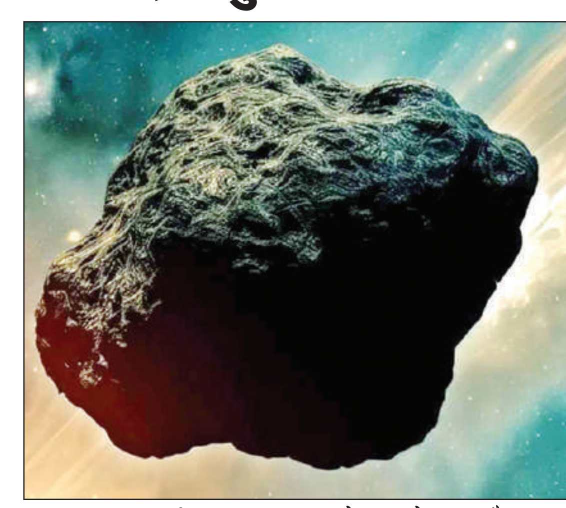

न्यूयार्क

अगले हफ्ते एक एस्टेरायड, जिसका नाम 2026 जेएच2 है, हमारी पृथ्वी के बहुत करीब से गुजरने वाला है। नासा के वैज्ञानिकों ने पुष्टि की है कि यह खगोलीय पिंड चंद्रमा की तुलना में काफी कम दूरी से निकलेगा, लेकिन अच्छी खबर है कि धरती से इसके टकराने की कोई आशंका नहीं है।

यह एस्टेरायड करीब 90,917 किलोमीटर की दूरी से गुजरेगा, जो चंद्रमा और पृथ्वी के बीच की दूरी का करीब एक चौथाई है। खगोलविदों के लिए इतनी नजदीकी से गुजरना एक दुर्लभ घटना है, फिर भी उन्होंने इसके गुजरने को पूरी तरह सुरक्षित बताया है। अमेरिका के कैनसास और एरिजोना की स्पेस आब्जरवेटरी के वैज्ञानिकों ने हाल ही में एस्टेरायड की खोज की है। इस अपोलो क्लास के एस्टेरायड के रूप में वर्गीकृत किया है, जिसका अर्थ है कि इसकी कक्षा पृथ्वी की कक्षा को पार करती है।

वैज्ञानिक अभी तक इस एस्टेरायड को 24 बार ट्रैक कर चुके हैं और इसके आकार, गति तथा रास्ते को बेहतर ढंग से समझने का प्रयास कर रहे हैं। अनुमान है कि यह 50 से 100 फीट मोटा हो सकता है, जो एक छोटे भवन के बराबर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि इस आकार का कोई पिंड धरती से टकराता है, तब वह एक पूरे शहर को नष्ट करने की क्षमता रखता है।

हालांकि, इस मामले में चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि वैज्ञानिकों ने इसके टकराने की संभावना को पूरी तरह खारिज कर दिया है। नासा की जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी सहित दुनिया भर की खगोलीय वेधशालाएं इस एस्टेरायड की लगातार निगरानी कर रही हैं। कंप्यूटर सिमुलेशन और गणनाओं से पता चला है कि अगले सौ सालों तक 2026 का धरती से टकराने का कोई खतरा नहीं है। एस्ट्रोनामर मार्क नारिस जैसे विशेषज्ञ भी 90,000 किलोमीटर की दूरी को पर्याप्त रूप से सुरक्षित मानते हैं।

अमेरिका में सोना रखना था अपराध, जनता से जबरन छीना था गोल्ड

वाशिंगटन। आज के दौर में सोना सुरक्षित निवेश और संपन्नता का सबसे बड़ा प्रतीक माना जाता है, लेकिन इतिहास के पन्नों में एक ऐसा अध्याय भी दर्ज है जब दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, अमेरिका में सोना रखना एक गंभीर कानूनी अपराध बन गया था। यह घटना साल 1933 की है, जब अमेरिका ग्रेट डिप्रेशन यानी महामंदी की भीषण मार झेल रहा था। उस समय बैंकिंग व्यवस्था चरमरा गई थी और लोगों का वित्तीय संस्थानों से भरोसा पूरी तरह टूट चुका था। उस दौर में दुनिया गोल्ड स्टैंडर्ड प्रणाली पर आधारित थी, जिसका अर्थ था कि सरकार केवल उतना ही कैश छाप सकती थी जितना उसके पास सोने का भंडार सुरक्षित हो। आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में घबराए हुए लोगों ने बैंकों से अपना पैसा निकालकर उसे सोने के सिक्कों और बिस्कुटों में बदलकर घरों में जमा करना शुरू कर दिया। इससे बाजार में सोने की भारी किल्लत हो गई और सरकार के पास नई मुद्रा छापने का जरिया खत्म होने लगा। इस संकट से निपटने के लिए तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी. रूजवेल्ट ने एक ऐसा कठोर कदम उठाया, जिसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। 5 अप्रैल 1933 को राष्ट्रपति रूजवेल्ट ने एग्जीक्यूटिव आर्डर 6102 जारी किया। इस आदेश के तहत हर अमेरिकी नागरिक के लिए अपना अधिकांश सोना सरकार के पास जमा करना अनिवार्य कर दिया गया।

स्ट्रेट आफ हार्मुज में जहाजों की आवाजाही शुरू, कच्चे तेल की कीमतों में आई गिरावट

तेहरान

दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री तेल मार्ग, स्ट्रेट आफ हार्मुज में जहाजों की आवाजाही को लेकर बड़ी हलचल सामने आई है। ईरान ने दावा किया है कि इस रणनीतिक मार्ग से कुछ जहाजों को गुजरने की अनुमति दी गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, हाल के कुछ घंटों में लगभग 30 जहाजों ने इस जलडमरूमध्य को पार किया है। इनमें विशेष रूप से कुछ चीनी जहाजों को ट्रांजिट की अनुमति दी गई है, जिससे अंतरराष्ट्रीय शिपिंग ट्रैफिक में सक्रियता बढ़ी है।

इस घटनाक्रम का सीधा और सकारात्मक असर वैश्विक तेल बाजार पर पड़ा है। कच्चे तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका कम होने से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमतों में गिरावट दर्ज की गई। ब्रेंट क्रूड आयल फ्यूचर्स 73 सेंट (लगभग 0.7प्रतिशत) गिरकर 104.90 डालर प्रति बैरल पर आ गया। वहीं, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट फ्यूचर्स भी 20 सेंट की गिरावट के साथ 100.82 डालर प्रति बैरल पर बंद हुआ।

बाजार में यह गिरावट ऐसे समय में देखी गई है जब निवेशक अमेरिका में संभावित ब्याज दरों में बढ़ोतरी को लेकर पहले से ही चिंतित हैं। इस बीच, कूटनीतिक स्तर पर भी बड़ी प्रगति हुई है। व्हाइट हाउस के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बीच हुई बैठक में इस बात पर सहमति बनी है कि ऊर्जा के मुक्त प्रवाह के लिए स्ट्रेट आफ हार्मुज का खुला रहना अनिवार्य है। स्ट्रेट आफ हार्मुज वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है क्योंकि दुनिया के कुल तेल व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है। यहां किसी भी तरह का तनाव या रुकावट सीधे तौर पर वैश्विक सप्लाई चेन और वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित करती है। हालांकि ईरान द्वारा जहाजों को अनुमति दिए जाने से फिलहाल तनाव में कुछ कमी आई है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय अभी भी इस क्षेत्र की गतिविधियों पर पैनी नजर बनाए हुए है। जहाजों की आवाजाही सामान्य होने से तेल की कीमतों में और स्थिरता आने की उम्मीद है।

जिनपिंग की चेतावनी पर ताइवान का पलटवारः चीन ही क्षेत्रीय असुरक्षा का मूल कारण

बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के चीन दौरे के दौरान हुई द्विपक्षीय वार्ता में ताइवान का मुद्दा गर्माया हुआ है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने इस मामले को बेहद संवेदनशील बताकर अमेरिका को टकराव की चेतावनी दी, जिस पर ताइवान ने पलटवार कर चीन को ही क्षेत्रीय असुरक्षा का एकमात्र कारण बताया।

बीजिंग में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ अपनी बैठक के दौरान, शी ने कहा कि ताइवान मुद्दा चीन-अमेरिका संबंधों में सबसे महत्वपूर्ण है और इस मुददे को गलत तरीके से संभाला गया तब यह बहुत खतरनाक स्थिति पैदा कर सकता है। उन्होंने कहा कि ताइवान की स्वतंत्रता और क्रास-स्ट्रेट शांति आग और पानी की तरह एक-दूसरे के विपरीत हैं।

चीनी राष्ट्रपति ने चेतावनी दी कि अगर ताइवान के मुद्दे को ठीक से नहीं संभाला गया, तब दोनों देशों के बीच टकराव और यहां तक कि संघर्ष की स्थिति पैदा हो सकती है, जिससे पूरे द्विपक्षीय संबंध खतरे में पड़ जाएंगे। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ताइवान पर अपना दावा करती है और उसने कसम खाई है कि जरूरत पड़ने पर वह इसे जबरदस्ती अपने नियंत्रण में ले लेगी। लेकिन जिनपिंग के इस बयान पर ताइवान ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। अमेरिकी मीडिया के अनुसार, ताइवान कैबिनेट के प्रवक्ता मिशेल ली ने कहा, ताइवान स्ट्रेट और हिंद-प्रशांत इलाके में असुरक्षा का एकमात्र स्रोत चीन का सैन्य खतरा है। उन्होंने क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रक्षा क्षमताओं को लगातार बेहतर बनाने और प्रभावी संयुक्त निवारण को सबसे जरूरी कारक बताया।

गौरतलब है कि अमेरिका लोकतांत्रिक तरीके से काम कर रहे ताइवान के साथ मजबूत अनौपचारिक संबंध रखता है, लेकिन चीन के संभावित हमले की स्थिति में अमेरिकी सैन्य दखल पर वह जानबूझकर कुछ भी स्पष्ट नहीं कहता, जिसे रणनीतिक अस्पष्टता कहा जाता है। चीन के विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने भी सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर राष्ट्रपति शी की चेतावनी को दोहराया।

इस बीच, ट्रंप ने बीजिंग में ऐतिहासिक टेंपल आफ हेवन का दौरा कर यूनेस्को धरोहर स्थल और चीन की जमकर सराहना की, लेकिन ताइवान से जुड़े सवालों पर वे पूरी तरह मौन रहे। ताइवान के संवेदनशील मुद्दे के अलावा, ट्रंप और शी जिनपिंग ने अपनी बातचीत के दौरान व्यापार, तकनीक, मध्य पूर्व की स्थिति, यूक्रेन युद्ध और उत्तर कोरिया से जुड़े प्रमुख अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया। चीन ईरान का करीबी सहयोगी और ईरानी तेल का दुनिया का सबसे बड़ा खरीदार भी है, जो मध्य पूर्व पर उनकी चर्चा के महत्व को रेखांकित करता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में योजनाएं बनाकर काम करने से सफलता मिलेगी, लेकिन कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी और दिन भागदौड़ में व्यतीत होगा। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। पुराने कर्ज से छुटकारा मिल सकता है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। परिजन, दोस्त, रिश्तेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा। जमीन–जायदाद के मामले में पड़ने से बचें, अन्यथा कानूनी विवाद में फंस सकते हैं। आपका व्यवहार पार्टनर को खुशी देगा। तरक्की के नए मार्ग खुलेंगे।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कामकाज अच्छा चलेगा और धन लाभ के योग भी रहेंगे, लेकिन छोटी–छोटी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। शारीरिक रूप से थकान का अनुभव करेंगे। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा विवाद होने की संभावना रहेगी। सेहत सामान्य रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। लेन–देन से बचें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज का दिन मिश्रित फलदायी रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आकस्मिक धन लाभ के योग भी बन रहे हैं। नौकरी में मनचाहा स्थानांतरण या पदोन्नति की संभावना रहेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। दाम्पत्य जीवन भी सुखद रहेगा। क्रोध पर नियंत्रण रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहें। सामाजिक और धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। यात्रा पर जाने से बचें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। गृह–नक्षत्रों की स्थिति अनुकूल रहने से भाग्य–वृद्धि के योग बन रहे हैं। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी। नौकरी में तरक्की मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी, लेकिन सहयोगियों की मदद से कार्य सफल होंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति हो सकती है। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ दिन आनंदपूर्वक बीतेगा। सेहत भी अच्छी रहेगी। यात्रा पर जाने का आयोजन हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापारिक गतिविधि मध्यम रहेंगी और छोटी–छोटी परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। कार्यभार की भी अधिकता रहेगी, लेकिन सहकर्मियों की मदद से कार्यों में सफलता मिलेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। पैसों के लेन–देने और कोर्ट–कचहरी के कार्यों से दूर रहना बेहतर होगा। सेहत को लेकर सावधान रहें। विद्यार्थियों को सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज का दिन सामान्य रहेगा। व्यापार–धंधा मध्यम रहेगा और कार्यभार की अधिकता रहने से दिन भाग दौड़ में व्यतीत होगा। कार्यक्षेत्र में आशानुरूप सफलता नहीं मिलने से मन में व्यग्रता रहेगी। क्रोध पर नियंत्रण एवं वाणी पर संयम रखें, अन्यथा किसी विवाद में फंस सकते हैं। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं। ईश्वर भक्ति मन को शांति प्रदान करेगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन का सहयोग भी मिलेगा। धन व्यय की अधिकता रहेगी। सेहत का ध्यान रखें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। कारोबार अच्छा चलेगा और धन लाभ की स्थिति रहेगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में काम की अधिकता रहेगी और कार्य सफलता के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। शारीरिक और मानसिक रूप से थकान का अनुभव कर सकते हैं। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखना होगा। परिवार का माहौल आपके अनुकूल रहेगा, लेकिन ध्यान रहे कि आपकी बातों से किसी को ठेस न पहुंचे। सेहत को लेकर सतर्क रहें और वाहन चलाते समय सावधानी बरतें।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज का दिन अच्छा रहेगा। कारोबार विस्तार की योजनाएं बनाएंगे। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का भरपूर सहयोग मिलेगा, जिससे कार्य आसानी से पूरे होंगे। काम को लेकर किसी यात्रा पर जाना पड़ सकता है। रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। क्रोध पर नियंत्रण रखें। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा, लेकिन किसी बात को लेकर विवाद होने की भी आशंका रहेगी। विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है। सेहत का ध्यान रखें।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज का दिन सामान्य रहेगा। कार्यक्षेत्र में वातावरण आपके अनुकूल रहेगा और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा, लेकिन आशानुरूप कार्यों में सफलता नहीं मिलने से मन व्यथित रहेगा। व्यापार–धंधे में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। धार्मिक और आध्यात्मिक कार्यों के प्रति रुचि बढ़ेगी। परिवार का माहौल ठीक रहेगा, लेकिन वाणी पर नियंत्रण रखना होगा, वरना किसी से विवाद होने की आसंका रहेगी। वाहन चलाते समय सावधानी बरतें और खानपान का ध्यान रखें।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज का दिन शुभ फलदायी रहेगा। व्यवसाय में लाभ और नौकरी में तरक्की के योग बन रहे हैं। कारोबार विस्तार को लेकर योजनाएं शुरू कर सकते हैं। प्रॉपर्टी में निवेश लाभदायक सिद्ध होगा। कार्यभार की अधिकता रहेगी, लेकिन कार्यों में सफलता मिलने से आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन के साथ समय आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। परिजन–मित्रों के साथ किसी यात्रा या पिकनिक पर जा सकते हैं। सेहत भी बनी रहेगी।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज का दिन मिलाजुला रहेगा। व्यापार–धंधा अच्छा चलेगा और कारोबार विस्तार की योजनाएं बनेंगी, लेकिन नए कार्यों की शुरुआत करने से बचें, वरना बड़ा नुकसान होने की संभावना रहेगी। कार्यों में सफलता मिलने से धन लाभ होगा, अनावश्यक धन व्यय की भी अधिकता रहेगी। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। उधार लेन–देन से बचें। परिश्रम और प्रयासों से सभी कार्यों में सफलता मिलेगी। परिजन का भरपूर सहयोग मिलेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा। सेहत का ध्यान रखें।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज का दिन अच्छा रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलने से खुश रहेंगे। आय में वृद्धि के योग भी बन रहे हैं। हालांकि, कार्यभार की अधिकता रहेगी और कार्यों में सफलता के लिए कठिन परिश्रम करना पड़ेगा। परिवार का माहौल अच्छा रहेगा और परिजन और मित्रों का भी भरपूर सहयोग मिलेगा। जोखिम लेने से नुकसान उठाना पड़ सकता है, इसलिए निर्णय सोच–समझकर लें। बेरोजगारों को रोजगार के अवसर मिलेंगे। क्रोध पर नियंत्रण रखें। सेहत को लेकर सतर्क रहने की आवश्यकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 16 मई 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : ज्येष्ठ ,कृष्ण पक्ष
तिथि : अमावस्या रात्रि 01:33 तक
नक्षत्र : भरणी सायं 05:31 तक
योग : सौभाग्य प्रातः 10:25 तक
करण : चतुष्पाद 03:25 तक
चन्द्रराशि : मेष रात्रि 10:47 तक
सूर्योदय : 05:43, सूर्यास्त 06:41 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:38 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:45, सूर्यास्त 06:31 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:36, सूर्यास्त 06:31 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : शनैश्चरी देव–पितृ कार्य अमावस्या , वटसावित्री व्रत ,शनि जयंती, संत ज्ञानेश्वर जयंती

❊ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ❊

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

सेवा कार्यों से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार : शिवचरण मित्तल

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में शुक्रवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित कवर पार्क में नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को अन्न वितरण कर मानव सेवा का संदेश दिया गया।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए शिवचरण मित्तल ने कहा कि राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद जिस समर्पण और निस्वार्थ भावना के साथ लगातार सेवा कार्यों में जुटा हुआ है, वह वास्तव में प्रेरणादायक है। उन्होंने कहा कि यह हम सभी के लिए सौभाग्य की बात है कि हमें भी इस पुनीत सेवा कार्य में सहभागी बनने और समाज के जरूरतमंद लोगों की सहायता करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। सेवा से बढ़कर कोई धर्म नहीं होता और ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। उन्होंने कहा कि जब समाज के लोग एकजुट होकर मानवता की सेवा के लिए आगे आते हैं, तब जरूरतमंदों के चेहरों पर मुस्कान लाने का कार्य संभव हो पाता है। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद लगातार सेवा, सहयोग और संस्कारों की भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के बीच एक मिसाल प्रस्तुत कर रहा है।

कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, मनोज डालमिया, उमा डालमिया, उमाकांत जी गुप्ता, उर्मिला गुप्ता, जयप्रकाश सारड़ा, हरीश टोल–ाराम हिंदूजा, संजय गुप्ता, शिवचरण जी मित्तल, उर्मिला मित्तल सहित राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। सभी सदस्यों ने सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प भी व्यक्त किया।

पदयात्रा संस्कृति महती : मुनि कमलेश

बेंगलुरु, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्र संत मुनि कमलेश ने कहा कि लोकतंत्र में सभी के अधिकारों की रक्षा सरकार का प्रथम कर्तव्य है और पंढरपुर वारकरी संप्रदाय जैसे पद यात्राओं के लिए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा मुख्य मार्ग पर साढ़े तीन मीटर अलग रास्ता बनाए जाने का स्वागत किया। मुनि कमलेश ने पदयात्रा को हमारी आध्यात्मिक संस्कृति का प्राण बताते हुए कहा कि यह पर्यावरण के लिए आवश्यक, स्वास्थ्यवर्धक और आर्थिक दृष्टि से भी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि पंढरपुर के साथ–साथ अय्यप्पा स्वामी, तिरुपति बालाजी, स्वर्ण मंदिर, साईं बाबा शिरडी, वैष्णो देवी, रामदेवरा, कावड़ यात्रा, अजमेर शरीफ और नर्मदा जैसी अनेक स्थल पर पदयात्राओं का विशेष महत्व है। मुनि कमलेश ने संत समाज द्वारा सादगी, अहिंसा और देशभक्ति का संदेश फैलाने की प्रशंसा की और कहा कि संत आध्यात्मिक सैनिक हैं, उनकी सुरक्षा देश की सुरक्षा से बढ़कर है।उन्होंने सरकार से अनुरोध किया कि पंढरपुर की तरह पूरे देश के राजमार्गों पर पदयात्रियों के लिए उपयुक्त व्यवस्थाएं कराई जाएं ताकि संतों और पदयात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके। मुनि ने कहा कि पदयात्रा भावनात्मक एकता को मजबूत करती है, सरल जीवन का आदर्श प्रस्तुत करती है और स्वास्थ्य तथा प्रतिरक्षा प्रणाली को भी सुदृढ़ बनाती है।

कलेक्टर ने किया कोनापुर मक्का खरीद केंद्र का निरीक्षण

बांसवाड़ा, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर आशीष सांगवान ने बुधवार को बांसवाड़ा मंडल के कोनापुर गांव में मक्का खरीद केंद्र का दौरा कर खरीदी प्रक्रिया का निरीक्षण किया। उन्होंने किसानों से बातचीत कर वजन व नमी माप में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया और मैनेजरों को तौले गए मक्के के बोरे तुरंत गोदामों में भेजने के आदेश दिए ताकि किसानों को समय पर भुगतान सुनिश्चित हो सके। कार्यक्रम में एडीए अरुणा, डीसीओ राममोहन राव, बीसीसी सोसायटी सीईओ सुरेंद्र राव, चेयरमैन संग्राम नायक, एईओ ज्ञानेश्वर, सेक्रेटरी भरत, राजेश्वर गौड़, उप सरपंच बंजा भूषणम सहित किसान व अन्य मौजूद रहे।

मालिदास कार्यकर्ता गिरफ्तार, मुख्यमंत्री आवास पर धरने की तैयारी नाकाम

बांसवाड़ा, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। पुलिस ने बांसवाड़ा शहर में मालिदास के कुछ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया है। बताया गया कि हैदराबाद में शुक्रवार को इन कार्यकर्ताओं के एक समूह ने मुख्यमंत्री के आवास के सामने धरना देने की योजना बनाई थी, जिसके मद्देनजर किसी अप्रिय घटना को रोकने के लिए उन्हें पहले ही हिरासत में लिया गया।

कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे इंदिराम्मा शासन के दौरान तेलंगाना के लिए संघर्ष करने वाले साथियों का समर्थन कर रहे हैं और आगामी मांगों को लेकर सरकार पर दबाव बनाना चाहते हैं। उनका आरोप है कि कांग्रेस सरकार बनने के तीन साल बाद भी सरकार कार्यकर्ताओं की उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि रेवंत रेड्डी ने 2 जून तक उनके साथ किए वादे पूरे नहीं किए तो वे और कड़े कदम उठाएंगे।गिरफ्तार किए गए नेताओं में तेलंगाना एक्टिविस्ट्स फोरम कामारेड्डी जिला अध्यक्ष उदुथा गंगाधर गुप्ता और मंडल अध्यक्ष गंजीवर चंदू शामिल हैं।

अब 'फील द जेल' म्यूजियम

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

जेल का नाम सुनते ही लोगों के मन में डर, सख्ती और बंद दीवारों की तस्वीर उभर आती है। लेकिन अब हैदराबाद में एक ऐसा अनोखा म्यूजियम शुरू किया गया है, जहां आम लोग खुद महसूस कर सकेंगे कि जेल के अंदर की जिंदगी कैसी होती है।

फील द जेल नाम का यह विशेष अनुभव केंद्र लोगों को केवल जेल दिखाएगा ही नहीं, बल्कि कैदियों के जीवन, सुधार और पुनर्वास की पूरी प्रक्रिया से भी परिचित कराएगा।

चंचलगुडा सेंट्रल जेल में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने मंगलवार को फील द जेल अनुभव केंद्र और नए जेल म्यूजियम का उद्घाटन किया।

यह पहल स्टेट इंस्टीट्यूट ऑफ करेक्शनल एडमिनिस्ट्रेशन (सिका) में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य लोगों को जेल जीवन की वास्तविकता से परिचित कराना और भारत की जेल व्यवस्था में हुए बदलावों तथा सुधार कार्यक्रमों की जानकारी देना है।

जेल की कोठरी में मिलेगा वास्तविक अनुभव

राज्यपाल ने फील द जेल कार्यक्रम के तहत तैयार की गई विशेष जेल कोठरियों का निरीक्षण भी किया। यहां आने वाले लोग कुछ समय के लिए वही माहौल महसूस कर सकेंगे, जैसा कैदियों को जेल के भीतर झेलना पड़ता है।

सोशल मीडिया पर वायरल हो रही तस्वीरों में जेल के कमरों की झलक दिखाई दे रही है। इन कमरों में साधारण बिस्तर, स्टील के बर्तन और अलग से बना छोटा स्नानघर भी रखा गया है, ताकि लोग जेल की वास्तविक परिस्थितियों को करीब से समझ सकें।

म्यूजियम में दिखेगा जेल व्यवस्था का इतिहास

यह नया जेल म्यूजियम केवल जेल जीवन का अनुभव ही नहीं कराएगा, बल्कि जेलों के इतिहास से भी लोगों को परिचित कराएगा।

म्यूजियम में निजाम काल की जेल व्यवस्था, नागार्जुन सागर बाँध निर्माण में कैदियों के योगदान तथा प्रसिद्ध हस्तियों से जुड़ी जेल कोठरियों को भी प्रदर्शित किया गया है।

यहां कवि दासरथी कृष्णमाचार्युलू और भक्त कंचेर्ला गोपन्ना से संबंधित विशेष जानकारी भी उपलब्ध कराई गई है।

इसके अलावा आधुनिक जेल सुधार कार्यक्रमों, कैदियों को दिए जा रहे कौशल प्रशिक्षण, जेल उद्योगों और कैदियों द्वारा तैयार उत्पादों को भी म्यूजियम में प्रदर्शित किया गया है।

गोशामहल विधायक टी. राजा सिंह ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इस अवसर पर स्थानीय जनता एवं अन्य उपस्थित थे।

कामारेड्डी जिले की बांसवाड़ा म्युनिसिपल काउंसिल की शुक्रवार की बैठक में को–ऑप्शन मेंबर चुने गए। चार कांग्रेस नॉमिनी में से कसुला रोहित, कमर सुल्ताना गौस और उल्लव्वा को सर्वसम्मति से चुन लिया गया, जबकि मोहम्मद मजीद मुजू का पद वोटिंग के माध्यम से तय किया गया।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस समारोह में मुख्य अतिथि होंगे किशन रेड्डी

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)।

स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा आयोजित हिन्दी पत्रकारिता दिवस समारोह में केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया है।

यह समारोह शनिवार, 30 मई को नरेंद्र भवन में आयोजित किया जाएगा। मंच की ओर से केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री जी किशन रेड्डी को औपचारिक निमंत्रण दिया गया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में उपस्थित रहने का आश्वासन दिया। केंद्रीय मंत्री के निवास स्थान पर स्वतंत्रता सेनानी पंडित

गंगाराम स्मारक मंच के अध्यक्ष भक्त राम, मंत्री श्रुतिकांत भारती, कोषाध्यक्ष प्रदीप जाजू तथा ऋषि राम ने पहुंचकर उन्हें समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का निमंत्रण दिया।

हिन्दी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर आयोजित इस समारोह में एक हिन्दी समाचार पत्र तथा एक हिन्दी लेखक को सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम शनिवार, 30 मई को सायं 5 बजे नरेंद्र भवन में आयोजित होगा।

मंच की ओर से सभी हिन्दी प्रेमियों से आग्रह किया गया है कि वे अपने परिवार एवं इष्ट मित्रों सहित कार्यक्रम में उपस्थित होकर इसे सफल बनाएं।

आवारा कुत्तों ने हिरण पर किया जानलेवा हमला

आसिफाबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोमरंभीम जिला कागज़नगर मंडल के वंजिरी ग्राम पंचायत क्षेत्र में महाजनगुड़ा गांव के पास गुरुवार को एक दर्दनाक घटना घटी। आवारा कुत्तों के झुंड ने जंगल से बाहर आए एक हिरण पर अचानक हमला कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्तों ने हिरण को घेरकर बुरी तरह काटा, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई। ग्रामीणों ने घटना पर दुख व्यक्त करते हुए वन विभाग से आवारा कुत्तों की संख्या पर नियंत्रण और वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। वन विभाग अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की घटनाएं हाल के दिनों में बढ़ रही हैं और वन्यजीव संरक्षण के लिए विशेष निगरानी की आवश्यकता है। यह घटना ग्रामीणों में चिंता का विषय बन गई है, क्योंकि वन्यजीव अक्सर गांवों के आसपास दिखाई देते हैं और आवारा कुत्तों के हमले से उनकी जान पर खतरा मंडराता रहता है।

हैदराबाद–जयपुर एक्सप्रेस में लगी आग, दो एसी कोच जलकर खाक

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो):

हैदराबाद–जयपुर स्पेशल एक्सप्रेस में शुक्रवार को हैदराबाद के नामपल्ली रेलवे स्टेशन पर आग लगने से अफरा–तफरी मच गई। आग ट्रेन के थ्री–टियर एसी कोच के इ1 और इ2 डिब्बों में लगी, जिसके बाद स्टेशन परिसर में हड़कंप मच गया। घटना उस समय हुई जब ट्रेन शाम 7 बजे हैदराबाद से जयपुर के लिए रवाना होने की तैयारी में थी।

आग लगने से अफरा–तफरी, तीन दमकल गाड़ियों से काबू

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रेन के कोचों से अचानक धुआं निकलता दिखाई दिया, जिसके कुछ ही देर बाद आग की लपटें उठने लगीं। स्टेशन पर मौजूद यात्रियों और रेलवे कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही रेलवे सुरक्षा बल, स्टेशन प्रशासन और दमकल विभाग की टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं। आग बुझाने के लिए दमकल विभाग की तीन गाड़ियों को लगाया गया। फायर कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे दूसरे डिब्बों तक फैलने से रोक दिया। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, समय रहते कार्रवाई होने के कारण एक बड़ा हादसा टल गया।

राहत की बात यह रही कि घटना के समय प्रभावित कोचों में कोई यात्री मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा टल गया। रेलवे कर्मचारियों की सतर्कता के चलते यात्रियों को तुरंत सुरक्षित बाहर निकाला गया और स्थिति को नियंत्रण में लाने में मदद मिली। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग एसी कोच के अंदर लगी थी, लेकिन इसके पीछे की असली वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाई है।

रेलवे और दमकल विभाग की टीमें आग लगने के कारणों की जांच कर रही हैं। तकनीकी खराबी, शॉर्ट सर्किट या अन्य कारणों को लेकर जांच की जा रही है। रेलवे अधिकारियों का कहना है कि घटना की विस्तृत जांच के आदेश दे दिए गए हैं और प्रभावित कोचों का निरीक्षण किया जाएगा। साथ ही यह भी देखा जाएगा कि सुरक्षा मानकों में कहीं कोई चूक तो नहीं हुई।

शी से छोटे ट्रंप क्यों ?

तस्वीरों, कैमरा एंगल और सोफा पर छिड़ी बहस

नयी दिल्ली, 15 मई (एजेंसियां)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की लंबाई 6 फीट 3 इंच यानी लगभग 190 सेंटीमीटर बताई जाती है, जबकि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की लंबाई करीब 5 फीट 11 इंच यानी लगभग 180 सेंटीमीटर मानी जाती है। दुनिया के दो बड़े नेताओं की लंबाई पर चर्चा सामान्य तौर पर भले ही अजीब लगे, लेकिन ट्रंप के हालिया चीन दौरे के बाद यह विषय सोशल मीडिया पर जबरदस्त बहस का मुद्दा बन गया है। दरअसल, शी जिनपिंग ट्रंप से लगभग चार इंच छोटे बताए जाते हैं, लेकिन चीन यात्रा के दौरान वायरल हुई तस्वीरों में कई लोगों को दोनों नेताओं की लंबाई में बहुत कम अंतर दिखाई दिया। कुछ तस्वीरों में तो शी जिनपिंग लगभग ट्रंप के बराबर नजर आए।

ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में खिंची तस्वीरों में दोनों नेता लगभग समान ऊंचाई के दिखाई दिए। इसी बराबरी ने सोशल मीडिया पर नई–नई थ्योरी और चर्चाओं को जन्म दे दिया।

यह सोफा जरूर खास तौर पर बनवाया गया होगा। जिस सोफे पर शी जिनपिंग बैठे थे, वह साफ तौर पर ट्रंप के सोफे से ऊंचा था, जबकि ट्रंप उनसे करीब 10 सेंटीमीटर लंबे हैं। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी छोटी–छोटी बातों में भी रणनीति अपनाने से नहीं चूकती।कई यूजर्स का कहना है कि सोफा और बैठने की व्यवस्था इस प्रकार की गई थी कि ट्रंप लंबे होने के बावजूद शी जिनपिंग के सामने कम लंबे दिखाई देंचीनी राष्ट्रपति की कुर्सी पर छोटा कुशन रखकर ऊंचाई बराबर दिखाई गई। बाद में ट्रंप ने वह कुशन हटवा दिया, जिससे बैठे हुए वे चीनी राष्ट्रपति से छोटे नजर आने लगे।

बता दें कि चीन दौरे के दौरान ट्रंप ने शी जिनपिंग की लंबाई की तारीफ भी की थी।

कैसे करनी चाहिए आरती

पूजा के अन्त में आरती की जाती है। पूजन में जो त्रुटि रह जाती है, आरती से उसकी पूर्ति होती है। पूजन मन्त्रहीन और क्रियाहीन होने पर भी आरती कर लेने से उसमें सारी पूर्णता आ जाती है । आरती करने का ही नहीं, आरती देखने का भी बडा पुण्य होता है। जो धूप और आरती को देखता है और दोनों हाथों से आरती लेता है, वह भगवान् विष्णु के परमपत को प्राप्त होता है।

साधारणत: पाँच बत्तीयों से आरती की जाती है, इसे ' पंचप्रदिप' भी कहते है। एक सात या उससे भी अधिक बत्तीयों से भी आरती की जाती है। कपूर से भी आरती होती है। कुमकुम, अगर, कपूर धुत और चन्दन, पाँच बत्तीयों अथवा दीए की (रुई और घी की) बत्तियाँ बनाकर शंख, घंटा आदि बजाते हुआ आरती करनी चाहिए। आरती उतारते समय सवर्प्रथम भगवान् की प्रतिमा के चरणों में उसे चार बार घुमाएँ, दो बार नाभिदेश में, एक बार मुखमण्डल पर और सात बार समस्त अंगों पर घुमाए। यथार्थ में आरती, पूजन के अन्त में इष्ट देवता की प्रसन्नता हेतु की जाती है। इसमें इष्टदेव को दीपक दिखाने के साथ ही उनका स्तवन तथा गुणगान किया जाता है।

संध्या वंदन

संध्या वंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। संधिकाल में ही संध्या वंदन की जाती है। वैसे संधि 5 वक्त (समय) की होती है, लेकिन प्रातःकाल और संध्याकाल- उक्त दो समय की संधि प्रमुख है अर्थात सूर्य उदय और अस्त के समय। वेदों के अनुसार इस समय मंदिरमें आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है।

संध्योपासना के 5 प्रकार हैं- (1) प्रार्थना, (2) ध्यान, (3) कीर्तन, (4) यज्ञ और (5) पूजा-आरती। व्यक्ति की जिस में जैसी श्रद्धा है वह वैसा करता है। लेकिन इन पांचों में किसका ज्यादा महत्व है, यह भी जानना जरूरी है।

यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है, इससे समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व है। हर एकादशी का अपना विशिष्ठ नाम व महत्व धर्म ग्रंथों में लिखा है। इसी क्रम में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस एकादशी का फल सभी एकादशियों से बढकर है। इस दिन जो उपवास रखते हैं, उन्हें 10 हजार वर्षों की तपस्या के बराबर फल प्राप्त होता है व उनके सारे पापों का नाश हो जाता है। जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। मनुष्य को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, मृत्यु के बाद उसे मोक्ष भी प्राप्त हो जाता है। इस व्रत की विधि इस प्रकार है-

व्रत विधि वरुथिनी एकादशी की सुबह स्नान आदि करने के बाद शुद्ध होकर संयमपूर्वक उपवास करना चाहिए। रात्रि जागरण करते हुए भगवान मधुसूदन यानी श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी पूरी विधि के साथ करते हुए विष्णु सहस्त्रनाम का जाप और उनकी कथा सुननी चाहिए। व्रत के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को व्रती (व्रत करने वाला) को एक बार हविष्यान्न (यज्ञ में अर्पित अन्न) का भोजन करना फलदायी होता है। व्रत के अगले दिन यानी द्वादशी को ब्राहमणों को भोजन करवाना चाहिए। उसके बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।

ये है वरुथिनी एकादशी व्रत की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा नदी के किनारे राजा मांधाता राज करते थे। एक बार वे जंगल में तपस्या कर रहे थे, उसी समय एक भालू आया और उनके पैर खाने लगा। मांधाता तपस्या करते रहे। उन्होंने भालू पर न तो क्रोध किया और न ही हिंसा का सहारा लिया। पीडा असहनीय होने पर उन्होंने भगवान विष्णु को स्मरण किया। तब भगवान विष्णु ने वहां उपस्थित हो उनकी रक्षा की। पर भालू द्वारा अपने पैर खा लिए जाने से राजा को बहुत दु:ख हुआ। भगवान ने उससे कहा- हे वत्स दु:खी मत हो। भालू ने जो तुम्हें काटा था, वह तुम्हारे पूर्व जन्म के बुरे कर्मों का फल था। तुम मथुरा जाओ और वहां जाकर वरुथिनी एकादशी का व्रत रखो। तुम्हारे पैर फिर से वैसे ही हो जाएंगे। राजा ने आज्ञा का पालन किया और पुन: सुंदर अंगों वाला हो गया।

हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। इसी तरह इस माह वरुथिनी एकादशी है जिसके बारें में माना जाता है कि सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। वह इस दिन प्रात: स्नान करके भगवान को स्मरण करते हुए विधि के साथ पूजा करें और उनकी आरती करनी चाहिए साथ ही उन्हें भोग लगाना चाहिए। इस दिन भगवान नारायण की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही ब्राहमणों तथा गरीबों को भोजन या फिर दान देना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस व्रत को करने से समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है।

सीता जी से सीखिए गृहस्थी का मैनेजमेंट

त्रेतायुग में श्रीराम और सीता का चरित्र सबसे उत्तम और आदर्श माना गया है। जिसका संपूर्ण उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है। जिसका अनुसरण यदि वर्तमान में भी किया जाए तो हरेक व्यक्ति का दांपत्य जीवन सुखमय हो सकता है।

ऐसे में सीता जी की इन 6 बातों को यदि जिंदगी में शामिल किया जाए, तो दांपत्य जीवन सुंदर बनाया जा सकता है।

चेहरे पर संकोच :

श्रीराम के चेहरे पर संकोच के के भाव देखते ही समझ सीता जी समझ गईं कि राम, केवट को कुछ भेंट देना चाहते हैं, लेकिन उनके पास देने के लिए कुछ नहीं था। यह बात समझते ही सीता ने अपनी अंगूठी उतारकर केवट को देने के लिए आगे कर दी।

श्रीरामचरितमानस के इस प्रसंग में उल्लेखित है कि पति और पत्नी के बीच ठीक इसी प्रकार की समझ होनी चाहिए। वैवाहिक जीवन में दोनों की आपसी समझ जितनी मजबूत होगी, वैवाहिक जीवन उतना ही ताजगीभरा और आनंददायक बना रहेगा।

वन में रहे साथ :

सीता जी और राम जी वन में साथ रहे उनकी यह बात इंगित करती है कि पति-पत्नी गृहस्थी की धुरी होते हैं। इनकी सफल गृहस्थी ही सुखी परिवार का आधार होती है। अगर पति-पत्नी के रिश्ते में थोडा भी दुराव या अलगाव है तो फिर परिवार कभी खुश नहीं रह सकता। परिवार का सुख, गृहस्थी की सफलता पर निर्भर करता है।

सीता का समर्पण:

श्रीरामचरित मानस में एक प्रसंग है। जब श्रीराम और सीता ने विवाह के बाद पहली बार बात की तो राम ने सीता को वचन दिया कि वे जीवनभर उन के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उनके जीवन में कभी कोई दूसरी स्त्री नहीं आएगी। सीता ने भी वचन दिया कि हर सुख और दुख में वे साथ रहेंगी। श्रीराम और सीता ने पहली बातचीत में भरोसे और समर्पण का वादा किया।

श्रीराम का वनवास गमन:

जब श्रीराम को वनवास जा रहे थे तब वह चाहते थे सीता जी मां कौशल्या के पास ही रुक जाएं। जबकि सीता श्रीराम के साथ वनवास जाना चाहती थीं। कौशल्या भी चाहती थीं कि सीता वनवास न जाए। इस विषय पर सीता की इच्छा और श्रीराम, कौशल्या की इच्छा अलग-अलग थी। आज के समय में सास, बहू और बेटा, इन तीनों के बीच मतभेद होते हैं तो परिवार में तनाव बढ जाता है, लेकिन रामायण में श्रीराम के धैर्य, सीताजी और कौशल्याजी की समझ से सभी मतभेद दूर हो गए।

ऐसे समझी राम के मन की बात:

केवट की नाव में जब सीता ने श्रीराम के चेहरे पर संकोच के भाव देखे तो सीता ने तुरंत ही अपनी अंगूठी उतारकर उस केवट को भेंट में देनी चाही, लेकिन केवट ने अंगूठी नहीं ली। केवट ने कहा कि वनवास पूरा करने के बाद लौटते समय आप मुझे जो भी उपहार देंगे मैं उसे प्रसाद समझकर स्वीकार कर लूंगा।

सीता में थे ये सभी गुण:

स्त्री में ऐसे कई श्रेष्ठ गुण होते हैं जो पुरुष को अपना लेना चाहिए। प्रेम, सेवा, उदारता, समर्पण और क्षमा की भावना स्त्रियों में ऐसे गुण हैं, जो उन्हें देवी के समान सम्मान और गौरव प्रदान करते हैं।

सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याए दूर होती है

सम्मोहन कृष्णा मन्त्र। श्री कृष्ण का यह एक दुर्लभ स्वरुप है। इस स्वरुप में राधा और कृष्णा एक साथ एक ही रूप में जुडे हुए है। शिव पारवती के अर्धनारीश्वर रूप से मिलता जुलता यह स्वरुप है। इस चाबी के साथ ही सम्मोहन कृष्णा मंत्र का जाप किया जाता है।

सम्मोहन कृष्णा मंदिर मोहनर, तमिल नाडु में है तथा मंत्र निम्नलिखित है -

II श्रि सम्मोहन गोपल मन्थ्रम् II
क्रिस्श्नम् कमलपथ्राक्षम् धिव्याभर्न भूशिथम् I
थ्रिबन्कि ळलिथाकारम् अथिसुन्थर मोहनम् II
बाकम् धक्षिनम्पुरुशम् अन्यथ् स्थ्रे रूपिनम् थधा I
सन्कम् छक्रम् सान्कुसन्च्ज पुश्पभानम्छ पन्कजन् II
इक्षुसापम् वेनुवाध्यम्छ धारयन्थम् पुजाश्तकै:I
स्वेधगन्थानु लिप्थान्कम् पुश्पवस्थ्र थ्रकुज्वलम् II
सर्व कामार्थ्थ सिध्यर्थम् मोहनम् क्रिश्नमास्त्रये //

सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याए दूर होती है , मनचाहा जीवन साथी प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में सद्भाव बना रहता है।

ये शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है

पारद शिवलिंग पूजन विधि एवं साधना घर में पारद शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है। दुकान, ऑफिस व फैक्टरी में व्यापारी को बढाने के लिए पारद शिवलिंग का पूजन एक अचूक उपाय है। शिवलिंग के मात्र दर्शन ही सौभाग्यशाली होता है। इसके लिए किसी प्राणप्रतिष्ठा की आवश्कता नहीं हैं। पर इसके ज्यादा लाभ उठाने के लिए पूजन विधिक्त की जानी चाहिए। सर्वप्रथम शिवलिंग को सफेद कपडे पर आसन पर रखें। स्वयं पूर्व-उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ जाए। अपने आसपास जल, गंगाजल, रोली, मोली, चावल, दूध और हल्दी, चन्दन रख लें। सबसे पहले पारद शिवलिंग के दाहिनी तरफदीपक जला कर रखो। थोडा सा जल हाथ में लेकर तीन बार निम्न मन्त्र का उच्चारण करके पी लें। प्रथम बार ऊँ मुत्युभजाय नम: दूसरी बार ऊ नीलकण्ठाय: नम: तीसरी बार ऊँ रूद्राय नम: चौथी बार ऊँ शिवाय नम: हाथ में फूल और चावल लेकर शिवजी का ध्यान करें और मन में ऊँ नम: शिवायक्क का 5 बार स्मरण करें और चावल और फूल को शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करते रहे। फिर हाथ में चावल और पुष्प लेकर ऊँ पार्वत्यै नम:क्क मंत्र का उच्चारण कर माता पार्वती का ध्यान कर चावल पारा शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करें। फिर मोली को और इसके बाद बनेऊ को पारद शिवलिंग पर चढा दें।

इसके पश्चात हल्दी और चन्दन का तिलक लगा दे। चावल अर्पण करे इसके बाद पुष्प चढा दें। मीठे का भोग लगा दे। भांग, धतूरा और बेलपत्र शिवलिंग पर चढा दें। फिर अन्तिम में शिव की आरती करे और प्रसाद आदि ले लो। जो व्यक्ति इस प्रकार से पारद शिवलिंग का पूजन करता है इसे शिव की कृपा से सुख समृद्धि आदि की प्राप्ति होती है। भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है। शुक्रवार के दिन किसी स्वच्छ पात्र में पारद-पारस गुटिका स्थापित कर दें, फिर एक सौ आठ कमल के ताजे पुष्प पहले से ही मंगा कर पास रख लें फिर एक कमल का पुष्प हाथ में लें और निम्न मंत्र का ग्यारह बार उच्चारण कर, कमल का पुष्प पारद-पारस गुटिका पर चढा दें। प्रयोग सम्पन्न होने पर उन कमल की पंखुडियों को पूरे घर में बिखरे दें। अभाववश कमल के पुष्प की जगह गुलाब का पुष्प भी प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र इस प्रकार है - ऊँ ऐं ऐं श्रीं श्रीं हीं हीं ऊँ इस प्रकार श्रावणमास में यह प्रयोग सात दिन तक करने पर व्यापार में आश्चर्यजनक वृद्धि होने लगती है और जीवन में आकस्मिक एवं अतुलनीय धन प्राप्त होता है। इस अभिषेक से प्राप्त जल अनेक बीमारियों को नष्ट करने वाला होता।

भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है।

इस बारिश सेहत का कुछ ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम के तुरंत बाद बारिश का मौसम आना जैसे बंजर जमीं पर पानी की बूंद गिरने जैसा होता है। गर्मी के बाद बारिश सबको अजीब सा सुकून देता है। बारिश में लोग भीगना पसंद है। मगर ज्यादा तर बीमारियां बारिश के आने के बाद आती हैं। तो किस तरह से इस बारिश के मौसम में रखें अपने सेहत का ख्याल आपको बतातें हैं। देश में जहां कई जगहों पर बारिश शुरू हो चुकी है वहीं कई कोनो में लोग अभी बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। तो इस तरह से सभी को मानसून एन्जॉय करने के साथ इसके साथ आने वाली बीमारियों का भी ख्याल रखना चाहिए। क्यों की मानसून जरूर ठंडक लाता है मगर साथ में वह अपने बहुत सारी बीमारियां भी लाता है।

खानपान का रखें ध्यान: बारिश के दिनों में बाहर का खाना सबको बहुत अच्छा लगता है मगर वहीं खाना पेट की बिमारियों को जन्म देता है। बारिश में गलत खाना खाने से पीलिया, मलेरिया, टायफाइड, पेट व आंतों संबंधी बीमारियां, खांसी, जुकाम, जोड़ों में दर्द, त्वचा में इंफेक?शन, बुखार और फ्लू जैसी सकती है। इस तरह से इस बारिश जो भी आप खाते है उसे अपनी सेहत के अनुसार खाएं।

तुलसी और कड़ी पत्ते का प्राकृतिक क्लींजर

कड़ी पत्ते और तुलसी दोनों में एंटी-आक्सीडेंट होते हैं। जो आपकी त्वचा को इंफेक्शन और मुंहासों से बचाते हैं। साथ ही यह आपकी त्वचा को कोमल व नर्म बनाने के साथ पिग्मेंटशन (झांइयों) और झुरियों को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और मॉश्चराइजिंग गुण भी होते हैं जिसे त्वचा पर लगाने से त्वचा में निखार आने लगता है।

रेड बर्थमार्क के कारण, निदान और इलाज

बर्थमार्क्स यानी जन्मजात निशान त्वचा पर मौजूद बदरंग निशान होते हैं। कई नवजात शिशुओं में लाल अथवा कुछ अन्य प्रकार के निशान होते हैं। आमतौर पर ये निशान जन्म के कुछ सप्ताहों के भीतर ही नजर आ जाते हैं। ये निशान त्वचा के करीब मौजूद रक्त वाहिनियों द्वारा बनते हैं। इन निशानों के बनने की बड़ी वजह त्वचा में पिग्मेंटशन के कारण रक्तवाहिनियों का अधिक निर्माण होता है।

कारण

आमतौर पर इन निशानों का मुख्य कारण किसी को नहीं पता। और साथ ही इन निशानों को होने से रोकने के लिए ही कुछ किया जा सकता है। बर्थमार्क्स के कारकों के बारे में भले ही अधिक जानकारी न हो, लेकिन इतना तो साफ है कि वाहिकीय समस्याओं से होने वाले बर्थमार्क्स अनुवांशिक नहीं होते। जानकार मानते हैं कि इसके पीछे त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करने वाले स्थानिक कारण अधिक उत्तरदायी होते हैं।

पोर्ट वाइन स्टेन

इन निशानों की मुख्य वजह रक्तवाहिनियों की चौड़ाई निर्धारित करने वाली प्रक्रिया में असंतुलन का होना है। परिणामस्वरूप, इस क्षेत्र में निरंतर प्रवाहित होने वाला रक्त लाल अथवा बैंगनी हो जाता है। पोर्ट वाइन स्टेन इसके अलावा स्ट्रग-वेबर-सिंड्रोम और क्लिपल ट्रेनायूने सिंड्रोम के कारण भी हो सकता है।

निदान

रेड बर्थमार्क्स के निदान की प्रक्रिया इस बात पर निर्भर करती है कि आखिर ये निशान नजर कैसे आते हैं। डॉक्टर इनका इलाज करने से पहले इनकी अच्छी तरह जांच करते हैं। बर्थमार्क्स की गहरी जांच करने के लिए डॉक्टर बॉयोप्सी, सीटी स्कैन और एमआरआई भी करने की सलाह दे सकता है।

इलाज

अधिकतर बर्थमार्क्स किसी प्रकार की परेशानी खड़ी नहीं करते और उन्हें किसी इलाज की जरूरत नहीं होती। हालांकि, कुछ रेड बर्थमार्क्स से परेशानी हो सकती है। कुछ निशान तो कैंसर का रूप भी ले सकते हैं। रेड बर्थमार्क्स बच्चे के थोड़ा बड़े होने के साथ ही गायब भी हो जाते हैं। बहुत कम निशान ही रक्तवाहिनियों के ट्यूमर में परिवर्तित हो सकते हैं। इन्हें हेमेन्गिओमस कहा जाता है। कुछ निशान ऐसे भी होते हैं, जो ठीक नहीं होते और स्थाई रूप से साथ रहते हैं।

हेमेन्गिओमस को इलाज करवाने की जरूरत तब पड़ती है, जब इनका असर आपके लुक पर पड़ता हो। इसके साथ ही अगर इससे आपको भावनात्मक तनाव अथवा दर्द होता हो, तो भी आपको इसका इलाज करवाना चाहिए। इतना ही नहीं अगर हेमेन्गिओमस के आकार, स्वरूप अथवा रंग में किसी प्रकार के बदलाव का आभास होने पर भी इलाज करवाया जाना चाहिए। हेमेन्गिओमस यदि बच्चे की आंख के करीब हो, तो उसका इलाज जरूर करवाना चाहिए, क्योंकि इसका असर उसके देखने की क्षमता पर पड़ सकता है।

बर्थमाक्स के आकार पर निर्भर करता है कि इसके इलाज में किस प्रकार की इलाज पद्धति को अपनाया जाए। इसके लिए लेजर ट्रीटमेंट से लेकर कॉस्मेटिक के अन्य तरीके भी आजमाए जा सकते हैं। इसके अलावा बर्थमार्क्स के निशान को छोटा करने क लिए दवाओं अथवा इंजेक्शन का भी प्रयोग किया जा सकता है।

बहुत ही दुर्लभ मामलों में बर्थमार्क्स का संबंध किसी अन्य बीमारी से होता है। लेकिन, कुछ मामलों में देखा गया है कि लिवर, फेफड़े, पेट अथवा अंत्राशय की बीमारियों के फलस्वरूप भी बर्थमार्क्स हो सकते हैं। यदि ऐसी कोई समस्या नजर आए, तो आपको डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

क्या 30 साल के बाद भी बढ़ सकती है लंबाई?

टिप्स

- योग के सही मुद्रा एक योग्य योग प्रशिक्षक की मदद से सीखें।
- कई स्वास्थ्य केन्द्र, योग केंद्र और सामुदायिक कॉलेज योग शिक्षा प्रदान करते हैं।
- लंबाई बढ़ाने का दावा करने वाले प्रोडक्ट के बारे में पूरी जानकारी लें।
- ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि, सप्लीमेंट की मदद से किसी भी वयस्क की लंबाई को स्थायी रूप से बढ़ाया जा सकता है।

एक बार हड्डियां के बढ़ना रूकने के बाद, लंबाई को बढ़ाने की सीमा तय हो जाती है। फिर लंबाई को बढ़ना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि स्ट्रेचिंग की मदद से अपने पॉश्चर में सुधार कर अपनी लंबाई बढ़ा सकते हैं।

लड़कियों की लंबाई 11.5 वर्ष और लड़कों की लंबाई 13.5 वर्ष तक ही बढ़ती है। डॉक्टर के अनुसार, लड़कों को लड़कियों की तुलना में हड्डियों की ग्रोथ बंद होने से पहले लंबाई बढ़ाने का दो साल का लंबा समय मिलता है। लेकिन वयस्कों में लंबाई बढा़ने के लिए स्ट्रेच एक अच्छा आइडिया है, क्योंकि यह रीढ़ की हड्डी में संकोचन को कम करता है। स्ट्रेचिंग से आपको पॉश्चर में सुधार करने और लंबाई की सीमा बढ़ाने में मदद मिलती हैं।

स्टेप 1

ताड़ासन को पर्वत योग मुद्रा भी कहते हैं। इस स्ट्रेच योग को करने के लिए सबसे पहले जमीन पर दरी बिछाकर सीधे खड़े हो जाएं। अपने दोनों पैर को आपस में मिलाकर और दोनों हथेलियों को अपने बगल में रखें फिर पूरे शरीर को स्थिर रखें और दोनों पैरों पर अपने शरीर का वजन सामान रखें। उसके बाद दोनों हथेलियों की अंगुलियों को मिलाकर सिर के ऊपर ले जाएं। हथेलियों सीधी रखें और सांस भरते हुए अपने हाथों को ऊपर की ओर खींचिए, जिससे आपके कंधों और चेस्ट में भी स्ट्रेच आएगा। इसके साथ ही पैरों की एड़ी को भी ऊपर उठाएं और पैरों की अंगुलियों पर शरीर का संतुलन बनाए रखिए। इस स्थिति में कुछ देर रहें। इस योगाभ्यास करते समय में पूरे शरीर में उपयुक्त रूप से स्ट्रेच महसूस होता है। योग जर्नल वेबसाइट के अनुसार यह मुद्रा आपको रीढ़ की हड्डी को सीधा करने में मदद करती है। सीधा खड़ा होना, गुरुत्वाकर्षण के प्रभाव का विरोध कर आपकी लंबाई को 30 की उम्र के बाद भी बढ़ता है।

स्टेप 4

क्लॉस या होम एक्सरसाइज वीडियो के माध्यम से योग या पिलेट्स करें, जिससे आपके पूरे शरीर का स्ट्रेच हो सके। योग या पिलेट्स को नियमित करने अच्छी मुद्रा को एक आदत बनाने में मदद मिलती है और मसल्स को मजबूती मिलती है जिससे आपकी रीढ़ और अंगों को उचित एलाइनमेंट मिलती है। नियमित रूप से स्ट्रेचिंग रीढ़ की हड्डी पर संकोचन को कम करने में मदद करता है जिससे आप 30 साल की उम्र के बाद भी लंबाई बढ़ा सकते है। हालांकि इस बात के कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है।

स्टेप 2

भुजंगासान को कोबारा पोज भी कहते हैं। इस आसान में चेहरे पर स्ट्रेच महसूस करते हुए अपनी उंगालियों को कंधों की तरफ और कोहनी को अपनी साइट में रखते हैं। साथ ही अपने शरीर के निचले हिस्से पर दबाव बनाए रखते हैं। अपनी बाहों को सीधा रखते हुए शरीर के ऊपरी हिस्से को ऊपर की तरफ और निचले हिस्से को जमीन पर रखते हैं। ऊपरी हिस्से को तब तक ही उठाते हैं, जितना की आप आराम से उठा सकें। अपनी रीढ़ में स्ट्रेच महसूस करें। सांस छोड़ते और 15 की गिनती करते हुए धीरे-धीरे अपने ऊपरी हिस्से को नीचे लाएं। इससे आपके चेस्ट और पेट की मसल्स में स्ट्रेच होगा। इसको नियमित करने से लंबाई बढाई जा सकती है। इस मुद्रा को नियमित रूप से करने लंबाई बढ़ाने में मदद मिलती है क्योंकि इससे आप बैठते, उठते और खड़े होते समय रीढ़ की हड्डी लंबा बनाये रखने में मदद मिलती है।

स्टेप 3

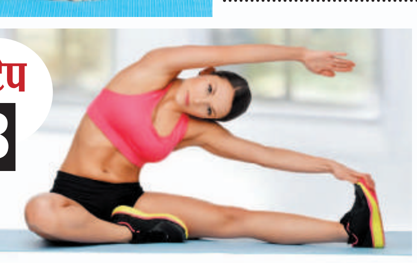

शॉवर लेने के बाद भी नियमित रूप से स्ट्रेच करें क्योंकि इस समय आपकी मसल्स गर्म होती है। पांच मिनट एक ही जगह चलने के बाद धीरे-धीरे अपने दोनों हाथों को हिलाएं और पैरों को ढीला छोड़कर तनाव को रिलीज करें। फिर एक समय में एक हाथ को ऊपर की तरफ स्ट्रेच करें। अब अपने पैर की उंगलियों से लेकर हिप्स और कंधे तक बॉडी की एक साइड को स्ट्रेच करें। फिर दूसरी तरफ से ऐसा ही करें और तीन से पांच बार दोहराएं।

स्किन के लिए वरदान है एक कप चाय

ज्यादातर हम सभी के दिन की शुरूआत एक कप चाय से होती है। चाय से थकान दूर होती है और ताजगी आ जाती है। दिन भर की थकान को दूर करने के लिए भी एक कप चाय मिल जाए तो क्या ही बात। लेकिन अक्सर चाय और कॉफी को सेहत के लिए नुकसानदायक माना जाता है। कहा जाता है ज्यादा चाय पीने से काले हो जाते हैं, लेकिन ये सही नहीं है। चाय स्वास्थ्यवर्धक भी होती है। ये आपको ताजगी देने के साथ-साथ खूबसूरती बढ़ाने में भी मदद करती है, क्योंकि इसमें प्रचुर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं।

स्किन बनाए हेल्दी

हेल्दी स्किन यानी नम त्वचा। शरीर में नमी बनाए रखने के लिए पर्याप्त लिक्विड लेना जरूरी है। इसमें सभी तरह की चाय शामिल हो सकती है, क्योंकि गर्मी के दिनों में शरीर को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। लिक्विड लेने से स्किन फ्रेश रहती है और पानी की कमी नहीं होती है।

ग्रीन टी

अगर आपकी स्किन रूखी और बेजान हो गई है तो ठंडी ग्रीन टी अपने चेहरे पर छिड़कें। ये एक बेहतरीन मॉइस्चराइजर का काम करती है। इससे आपकी स्किन तरोताजा हो जाएगी और चेहरा साफ व ग्लोइंग लगेगा।

डार्क सर्कल

दरअसल चाय में कैफीन होता है, जो आपके ब्लड वेसल को सिकुड़ने में मदद करता है। नींद पूरी न होने या अन्य कारणों से अगर आप की आंखों के नीचे डार्क सर्कल्स पड़ गए हैं या सूजन आ गई है तो टी बैग इसे सही करने में आपकी मदद करेगा। उसे फ्रिज में ठंडा होने के लिए रख दें। ठंडा होने पर उसे आंखों के नीचे रखें। इससे आंखों की थकान दूर होती है।

पैरों की बदबू से छुटकारा

पैरों में बदबू आने पर अगर आप डीओ का इस्तेमाल करती है तो ऐसा न करें। इसके लिए आप उबली हुई ब्लैक टी के मिश्रण में अपने पैर डुबाएं। ये एंटी बैक्टीरियल होती है, जो आपके पैरों में आ रहे पसीने को रोकती है। इससे पैरों में बदबू नहीं आती है।

बाल बनाए घने

ब्लैक टी बाल गिरने की समस्या से निजात दिलाती है। अगर आप अपने बालों को घना करना चाहती हैं तो उन्हें ब्लैक टी और ग्रीन टी से धोएं। वहीं ग्रीन टी बालों को बढ़ने में मदद करती है। ठंडी की हुई चाय को बालों पर डालें और उसे 10 मिनट तक रखें। इसके बाद अपने बालों को शैंपू और कंडीशनर से धो लें।

तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं बल्कि एक जरूरत

...तो कितने 'टैक स्मार्ट' हैं आप

आज की दुनिया का हर पहलू तेजी से इंटरनेट से जुड़ता जा रहा है। सोशल नैटवर्किंग वेबसाइट्स की लोकप्रियता भी इनमें शामिल हो चुकी है। ऐसे में कंपनियों का आधुनिक तकनीकों तथा रुझानों से भली प्रकार अवगत कर्मचारियों की तलाश करना स्वाभाविक हो गया है।

ऐसे कर्मचारियों को अधिक महत्व

जानकार कहते हैं कि इन दिनों संस्थान तकनीकी रूप से सक्षम कर्मचारियों का महत्व समझते हैं और वे अपने यहां नियुक्तियों के लिए आवेदन करने वाले कर्मचारियों में संबंधित कौशल की अपेक्षा भी रखते हैं। कंपनियां मानती हैं कि कर्मचारियों में तकनीकी समझ को ग्रहण करने की कुदरती खूबी होनी चाहिए तभी वे भविष्य में कंपनी में या कामकाज में होने वाले तकनीकी विकास के साथ कदम से कदम मिला कर कम्पनी के हित में कार्य कर सकेंगे। वैसे भी हर कंपनी अपनी प्रतियोगी कंपनी से आगे रहने की कोशिश करती है, जिसके लिए उसके कर्मचारियों में गहन तकनीकी ज्ञान होना अनिवार्य हो जाता है। इतना ही नहीं, बहुराष्ट्रीय कंपनियों में तो यह कौशल और भी जरूरी है।

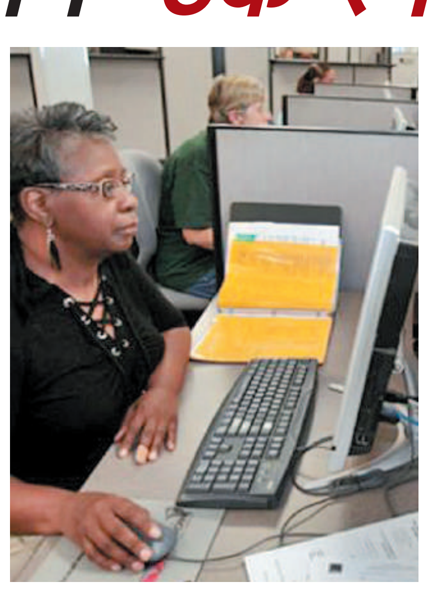

बेहतर ढंग से दे सकते हैं अंजाम...

आज के दौर में तकनीकी दक्षता कौशल ही नहीं, एक जरूरत बन चुकी है। यह भी माना जाता है कि आज के दौर में अच्छा प्रदर्शन तथा करियर में तरक्की के लिए तकनीकी दक्षता बेहद महत्वपूर्ण है। तकनीकी रूप से सक्षम व्यक्ति अपने काम को और अधिक बेहतर ढंग से अंजाम दे सकता है जो उसके साथ-साथ कम्पनी के लिए भी लाभदायक स्थिति साबित होती है। यह सवाल भी उठ सकता है कि भला कोई कंपनी किस तरह से किसी के टीएसक्यू का आकलन लगा सकती है। इसके लिए इंटरव्यू के दौरान पूछे जाने वाले सवालों से ही प्रार्थी की तकनीकी दक्षता तथा तकनीकों से उसके लगाव के बारे में काफी कुछ पता चल सकता है। अंत में निष्कर्ष यही निकलता है कि आज के प्रतियोगी दौर में सफल होना है तो युवाओं को नवीनतम तकनीक के प्रति सजग रहते हुए अपने 'टैक-स्मार्ट क्वोशन्ट' को उम्दा बनाए रखना चाहिए।

ब्रेन फूड बनाएगा आपके दिमाग को और तेज

आमतौर पर हमेशा हमारा जोर ऐसे खाने पर रहता है, जिससे हम अपने दिमाग को और भी तेज बना सकें। ऐसे में हम ड्राई फ्रूट्स खाने पर ज्यादा जोर देते हैं। इसके अलावा दूध का भी लोग खूब इस्तेमाल करते हैं। मगर शायद आपको नहीं मालूम कि दिमाग के लिए सबसे ज्यादा फायदेमंद कौन सी चीज होती है? तो आइए आज हम आपको बताते है उस ब्रेन फूड के बारे में, जिससे आप अपने दिमाग को और भी तेज बना सकते हैं।

डीजेनरेशन को कम करता है

यदि भोजन की दिखावट और यह शरीर के लिए क्या करता है, इन दोनों में कोई संबंध है तो अखरोट जिसे ब्रेन फूड कहा जाता है, वह इस मामले में सबसे पहले आता है। विशेषज्ञों के अनुसार मानवीय दिमाग को उच्च क्वालिटी फैट्स जैसे ओमेगा थ्री फैटी एसिड्स की जरूरत होती है ताकि यह सही ढंग से काम कर सके। अखरोट में नाड़ी-तंत्र की रक्षा करने वाले कई यौगिक शामिल होते हैं जैसे विटामिन ई, फोलेट, मैलाटोनिन, ओमेगा-3 फैटी एसिड्स तथा एंटी ऑक्सीडैंट्स। यह सब उम्र बढ़ने के साथ-साथ कोग्नीटिव लाइन की डीजेनरेशन को कम करने के लिए जाने जाते हैं।

बढ़ाता है मैलाटोनिन का स्तर

इनके साथ ही मैगनीका, कॉपर, आयरन, फास्फोरस, मैगनीशियम तथा कैल्शियम भी अखरोटों में पाए जाते हैं जो रक्त में मैलाटोनिन के स्तर को बढ़ाने में सहायक होते हैं। मैलाटोनिन का स्तर शरीर में निद्रा को नियंत्रित करने वाले हार्मोन्स का मुख्य कारक है। अच्छी नींद यकीनन अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है। इस बारे में जानकार कहते हैं। अधिकतर मेवों की तरह अखरोट कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम करने तथा हृदय के स्वास्थ्य को सुधारने में सहायक होता है। प्रतिदिन 3 या 4 अखरोटों का सेवन आपके शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इन्हें रात भर भिगो कर रखा जाए और फिर इनका सेवन किया जाए।

रेसिपी

मैंगो केक

आइए बनाएं कुकर में मैंगो केक

अब आम का सीजन है तो मैंगो केक खाने का मन तो करेगा ही। पर लाइट नहीं आ रही ओवन कैसे चलेगा। ओफ्हो परेशानी क्या है हम बताते हैं कैसे बनाएं प्रेशर कुकर में मैंगो केक।

सामग्री

एक बड़ा प्रेशर कूकर जिसमें बेकिंग पैन समा जाए, एक बेकिंग पैन, 1 बटर पेपर, मैदा 1 कप, आम की प्यूरी आधा कप सा फिर एक टेबल स्पून मैंगो सीरप, कन्डेन्स्ड मिल्क 1/2 कप, पाउडर चीनी आधा कप, दूध आधा कप, मक्खन 1/3 कप, काजू कटे हुए 2 टेबल स्पून, किशमिश 2 टेबल स्पून, बेकिंग पाउडर1छोटी चम्मच, बेकिंग सोडा 1/4 छोटी चम्मच, आप आम को काट कर उसका पल्प निकाल कर और उसे फेंट कर भी प्यूरी बना सकते हैं।

विधि

मैदा में बेकिंग पाउडर और बेकिंग सोडा डालकर मिक्स कर लीजिए और 2 बार अच्छी तरह छान लीजिए। दूसरे बड़े प्याले में मक्खन, आम का पल्प/प्यूरी और कन्डेन्स्ड मिल्क डालकर अच्छी तरह फैट कर मिक्स कर दीजिए, पाउडर चीनी मिलाकर और अच्छी तरह मिक्स कर लीजिए। काजू और किशमिश के डंठल हटाकर कपड़े से पोंछ लीजिए। जिस कन्टेनर में केक बेक उसमें बटर या घी लगाकर चिकना कर लीजिए। बटर पेपर बर्तन के तले के आकार का काट लीजिए और तले में पेपर डालकर उसके ऊपर भी थोड़ा बटर डालकर चिकना कर लीजिए। आम का पल्प, कन्डेन्स्ड मिल्क में मैदा और बेकिंग पाउडर मिश्रण को डालकर अच्छी तरह गुठलियां खत्म होने तक मिलाइए। मिश्रण में दूध भी अच्छी तरह मिला दीजिए। काजू और किशमिश भी मिला दीजिए। ग्रीज किया हुआ केक कन्टेनर लीजिए। इसमें बर्तन में थोड़ा घी डालिए। फिर थोड़ी सी मैदा डालकर बर्तन को इस तरह हिलाइए कि उसके ऊपर पतली सी मैदा की परत बन जाए। उसमें मिश्रण डालिए और खटखटा कर एक सार कर लीजिए। अब क्योंकि कुकर में केक बनाने के लिए केक कन्टेनर का तला कुकर के तले से नहीं लगना चाहिए नहीं तो केक नीचे से जल सकता है। इसके लिए कुकर के अन्दर तले में एक कटोरी नमक फैला देते है। नमक गरम होकर ओवन की तरह तापमान भी बनाए रखता है। कुकर के अन्दर एक कटोरी नमक डालने के बाद इसे तेज आग पर दो मिनट के लिए रख दीजिए और केक कन्टेनर को पहले से गरम किए हुए कुकर में रखिए। कुकर के ऊपर ढक्कन लगाकर बन्द कर दीजिए। ढक्कन पर सीटी मत लगाइए। केक को बिल्कुल धीमी आग पर 40-50 मिनट तक पकाइए। इसके बाद केक को चैक कर लीजिए। केक के अन्दर चाकू डालने से मिश्रण चाकू पर लग कर आ रहा है तो केक को और बेक कीजिए। कुछ देर बाद दोबारा टैस्ट कीजिए केक में चाकू गड़ा कर देखिए यदि चाकू से केक नहीं चिपकता तो आपका केक बन गया है। कुकर को केक कन्टेनर सहित अच्छी तरह ठंडा होने दीजिए। ठंडा होने पर केक के किनारों से चाकू घुमाकर केक को बर्तन के किनारों से अलग कर लीजिए अब हल्के से ठोक कर केक को प्लेट में निकाल लीजिए। लीजिए आपका प्रेशर कूकर मैंगो केक तैयार है।

संपादकीय

युद्ध संकट हमारी दहलीज पर

प्रधानमंत्री मोदी ने अपना काफिला कम कर उदाहरण पेश किया है। बुधवार को दो वीडियो सामने आए। एक में काफिले में मात्र दो कारें थीं और दूसरे वीडियो में 4 कारें दिखाई दीं। यह किफायत नहीं, जोखिम है। प्रधानमंत्री से ऐसी कोई अपेक्षा और शिकायत नहीं थी। प्रधानमंत्री एसपीजी के सुरक्षा-कवच में रहते हैं। उस सुरक्षा का अपना प्रोटोकॉल होता है, लिहाजा काफिले में 15 या 20 कारें हैं, इस पर सवाल उठाना ही बेमानी है। प्रधानमंत्री की सुरक्षा से किसी भी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की नजीर का अनुसरण रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, सडक़ परिवहन मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने किया है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और बिहार के 'भगवा मुख्यमंत्री' सम्राट चौधरी अब भी 19-20 कारों के काफिले के साथ घूमते नजर आए हैं। बहरहाल उन्हें भी जल्द ही सद्बुद्धि आ जाएगी। काफिलों की किफायत और अन्य व्यवस्थाएं स्थायी होनी चाहिए, भेड़चाल या ढोंग के मायने बेहद खतरनाक होंगे। बचत प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायकों आदि तक ही अपरिहार्य नहीं होनी चाहिए। सरकारों में सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक स्तर के आईएएस, आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग सरकारी वाहन दिए गए हैं। कटौती उनमें बहुत जरूरी है। वे सभी 2-4 किमी दूर के सरकारी आवासों से दफ्तर तक आते हैं और फिर घर लौटते हैं। सरकारी वाहनों की ऐयाशी और भौकाल खत्म किए जाने चाहिए। ऐसे अधिकारियों को एक विशेष बसनुमा वाहन से दफ्तर लाया जाए और शाम को घर छोड़ा जाए। यह संवैधानिक प्रोटोकॉल नहीं है कि सभी अफसर 'महाराज' की तरह सुविधाएं भोगें। यदि देश में पेट्रोल-डीजल का संकट है, तो किफायत अपरिहार्य है। आपातस्थिति के लिए तो छूट हमेशा बनी रही है। दरअसल ये अधिकारी ही हमारी व्यवस्था के नीति-निर्माता हैं, लिहाजा निरंकुश-से हैं। बहरहाल प्रधानमंत्री मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन बैठकों की अपील की है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तरह कुछ मुख्यमंत्रियों ने इस व्यवस्था को लागू करने के आदेश भी जारी करवा दिए हैं, तो ये आला अफसर भी अमल करें। यदि प्रधानमंत्री की पूरी अपील को स्वीकार कर लागू किया जाए, तो साल भर में 11.5 लाख करोड़ रुपए की बचत हो सकती है। यह बहुत बड़ी राशि है। यदि काफिला छोटा कर तेल बचाया जाता रहा, तो साल भर में करीब 91,250 लीटर डीजल बचेगा। इस तरह 1 करोड़ रुपए की बचत की जा सकेगी। यह शोशेबाजी, रुतबेबाजी अब छोड़ देनी चाहिए, क्योंकि ईरान युद्ध से उपजे संकट भारत की दहलीज तक आ गए हैं। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने एक सार्वजनिक मंच से कहा है कि यदि ईरान युद्ध जारी रहा और लंबा खिंचा, तो सरकार को पेट्रोल-डीजल के खुदरा दाम बढ़ाने पड़ेंगे। रसोई गैस का सिलेंडर भी महंगा होगा, क्योंकि ये सभी आयातित हैं। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी भी बड़े दुखी अंदाज में खुलासा कर रहे हैं कि देश की तेल कंपनियों को 1000 करोड़ रुपए हररोज का औसतन घाटा झेलना पड़ रहा है। युद्ध के 75 दिनों में यह घाटा 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। निश्चित है कि यदि कच्चे तेल की कीमतें इसी तरह बढ़ती रहीं, तो उन्हें अनदेखा नहीं किया जा सकता। बुधवार को कच्चे तेल के दाम 108 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए थे। हालांकि युद्ध के इस अंतराल में 98 देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ चुके हैं। 40 देशों को तेल से जुड़े प्रोटोकॉल लागू करने पड़े हैं। अमरीका, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, रूस समेत वियतनाम, फिलीपींस, बांग्लादेश, श्रीलंका, थाईलैंड आदि देशों को पेट्रो उत्पादों की राशनिंग करनी पड़ी है और कई प्रोटोकॉल लागू करने पड़े हैं। भारत ने इन 75 दिनों में यह बोझ अपनी जनता पर पडऩे नहीं दिया है, यह बहुत महत्वपूर्ण है। अब संकट बढ़ता जा रहा है, तो शुरुआत बचत से की जा रही है। बचत के ऐसे आह्वान लालबहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी, डा. मनमोहन सिंह सरीखे प्रधानमंत्रियों ने भी किए थे। अब आईएमएफ के मानकों के मुताबिक, भारत अभी गंभीर संकट में नहीं है, करीब 11 माह के आयात के लिए विदेशी मुद्रा पर्याप्त है, लेकिन डॉलर की तुलना में 'रुपया' 96 के करीब पहुंच चुका है, आयात के लिए 34,000 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान करना पड़ा है, लिहाजा सावधान होना तो जरूरी है।

प्रधानमंत्री की सुरक्षा से किसी भी किस्म का समझौता नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री की नजीर का अनुसरण रक्षा मंत्री, गृह मंत्री, सडक़ परिवहन मंत्री और भाजपा शासित राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों ने किया है, लेकिन पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और बिहार के 'भगवा मुख्यमंत्री' सम्राट चौधरी अब भी 19-20 कारों के काफिले के साथ घूमते नजर आए हैं। बहरहाल उन्हें भी जल्द ही सद्बुद्धि आ जाएगी। काफिलों की किफायत और अन्य व्यवस्थाएं स्थायी होनी चाहिए, भेड़चाल या ढोंग के मायने बेहद खतरनाक होंगे। बचत प्रधानमंत्री, मंत्री, मुख्यमंत्रियों, सांसदों, विधायकों आदि तक ही अपरिहार्य नहीं होनी चाहिए। सरकारों में सचिव, अतिरिक्त सचिव, संयुक्त सचिव, निदेशक स्तर के आईएएस, आईपीएस अधिकारियों को अलग-अलग सरकारी वाहन दिए गए हैं। कटौती उनमें बहुत जरूरी है। वे सभी 2-4 किमी दूर के सरकारी आवासों से दफ्तर तक आते हैं और फिर घर लौटते हैं। सरकारी वाहनों की ऐयाशी और भौकाल खत्म किए जाने चाहिए। ऐसे अधिकारियों को एक विशेष बसनुमा वाहन से दफ्तर लाया जाए और शाम को घर छोड़ा जाए। यह संवैधानिक प्रोटोकॉल नहीं है कि सभी अफसर 'महाराज' की तरह सुविधाएं भोगें। यदि देश में पेट्रोल-डीजल का संकट है, तो किफायत अपरिहार्य है।

भाजपा की जीत के तात्कालिक कारण और उसके परिणाम क्या हैं, इसकी चर्चा सब जगह हो रही

बंगाल और असम की जीत के अर्थ

पश्चिमी बंगाल विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की सुनामी जीत हुई है, अब अपने आप में यह कोई खबर नहीं है। इस चुनाव और इसके परिणाम को बूझने के लिए तात्कालिक विश्लेषण भी हो रहे हैं और ऐतिहासिक विश्लेषण भी। भाजपा की जीत के तात्कालिक कारण और उसके परिणाम क्या हैं, इसकी चर्चा सब जगह हो रही है। इसलिए यहां उस पर माथापच्ची करने की शायद जरूरत नहीं है। हम यहां केवल ऐतिहासिक संदर्भ में इसका विश्लेषण करेंगे। इसके लिए हमें बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में जाना होगा। 1905 में ब्रिटेन ने बंगाल का विभाजन किया था। इस विभाजन में बंगाल और असम को एक भोगौलिक ईकाई मान कर उसके दो हिस्से किए थे। एक हिस्सा पश्चिमी बंगाल जो मोटे तौर पर आज का पश्चिमी बंगाल ही था और दूसरा हिस्सा पूर्वी बंगाल जिसमें मोटे तौर पर आज का बांग्लादेश और असम की ब्रह्मपुत्र घाटी, सुरमा घाटी के सिलहट और कछार क्षेत्र, मेघालय, त्रिपुरा, नागा व मिजोरम क्षेत्र शामिल था। आज के बांग्लादेश और असम का नाम पूर्वी बंगाल रखा गया था। पूर्वी बंगाल की राजधानी ढाका बनाई गई थी। यह कहने की जरूरत नहीं है कि इस तथाकथित पूर्वी बंगाल में उन लोगों का बहुमत था जिनके पूर्वज सदियों पहले एटीएम (अरब-तुर्क-मुगल) शासन काल में अपनी सनातन परंपराएं त्याग कर विदेशी शासकों के मजहब इस्लाम में ही दीक्षित हो गए थे। अब वे भारत के देसी मुसलमान थे। लार्ड कर्जन इसे मुस्लिम प्रदेश ही कहते थे। उन्होंने एटीएम के मुस्लिम जमींदारों को समझा दिया था कि मुगल सत्ता खत्म होने के बाद नई राजनीतिक व्यवस्था में उनका अपना एक प्रदेश बन जाएगा। लेकिन अलग मजहब के बावजूद सम्पूर्ण बंगाल में इस विभाजन का सभी ने इतना विरोध किया कि ब्रिटेन को 1911 में इस विभाजन को रद्द करना पड़ा। बंगाल और असम पुनः अपने पुराने स्वरूप में स्थापित हुए। लेकिन क्या ब्रिटिश सरकार ने अपनी विभाजन की योजना त्याग दी? शायद नहीं। अलबत्ता उसे इतना समझ आ गया कि देसी मुसलमानों ने अभी अपने पुरखों से स्वयं को आंतरिक रूप से छोड़ा नहीं है। दूसरा उन्होंने अभी एटीएम मूल के मुसलमानों को सामाजिक व सांस्कृतिक जीवन में अपना मार्गदर्शक नहीं स्वीकारा है। ये दोनों कारक विभाजन की

भाजपा की जीत के तात्कालिक कारण और उसके परिणाम क्या हैं, इसकी चर्चा सब जगह हो रही है। इसलिए यहां उस पर माथापच्ची करने की शायद जरूरत नहीं है। हम यहां केवल ऐतिहासिक संदर्भ में इसका विश्लेषण करेंगे। इसके लिए हमें बीसवीं शताब्दी के प्रथम दशक में जाना होगा। 1905 में ब्रिटेन ने बंगाल का विभाजन किया था। इस विभाजन में बंगाल और असम को एक भोगौलिक ईकाई मान कर उसके दो हिस्से किए थे। एक हिस्सा पश्चिमी बंगाल जो मोटे तौर पर आज का पश्चिमी बंगाल ही था और दूसरा हिस्सा पूर्वी बंगाल जिसमें मोटे तौर पर आज का बांग्लादेश और असम की ब्रह्मपुत्र घाटी, सुरमा घाटी के सिलहट और कछार क्षेत्र, मेघालय, त्रिपुरा, नागा व मिजोरम क्षेत्र शामिल था। आज के बांग्लादेश और असम का नाम पूर्वी बंगाल रखा गया था। पूर्वी बंगाल की राजधानी ढाका बनाई गई थी।

ब्रिटिश रणनीति के रास्ते के मुख्य अवरोधक थे। इनको किसी तरह रास्ते से हटाना था। इसके लिए उन्होंने बंग-भंग के तुरंत बाद 1905 में ढाका में मुस्लिम लीग की स्थापना कर दी और विभाजन को समाप्त कर दिया। इससे बंगाल के इतिहास का एक अध्याय तो समाप्त हुआ लेकिन दूसरा शुरू हो गया। बंगाल में 1937 से 1942 तक (6 साल) कृषक प्रजा पार्टी के अबुल कासिम फजलुल्लाह हक और 1943 से 1947 (लगभग चार साल) तक मुस्लिम लीग के ख्वाजा निजामुद्दीन और हुसैन शहीद सुहराबर्दी प्रधानमंत्री रहे। फजलुल्लाह हक और उसकी पार्टी की मोटे तौर पर किसी से तुलना करनी हो तो पंजाब में दीनबंधु छोटू राम की यूनियनिस्ट पार्टी से की जा सकती है। पंजाब में मुस्लिम लीग के खिलाफ यूनियनिस्ट पार्टी की स्थापना सिकन्दर हयात खान, खजिर हयात टिवाना जैसे देसी मुसलमानों ने सर छोटू राम के साथ मिलकर की थी। यूनियनिस्ट पार्टी ने मुस्लिम लीग के खिलाफ मजहब से निरपेक्ष रहकर सभी किसानों का संगठन किया और चुनाव में कांग्रेस और मुस्लिम लीग दोनों को परास्त किया। यह पार्टी विभाजन के खिलाफ थी। इस पार्टी ने पंजाब में मुस्लिम लीग के प्रभाव को बहुत देर तक रोके रखा था। मुस्लिम लीग के पीछे एटीएम मुसलमान थे। असम में 1937 से 1947 तक के दस साल में से सात साल मुस्लिम लीग के मोहम्मद सादुल्लाह प्रधानमंत्री रहे। सादुल्लाह मुस्लिम लीग के थे। उन्होंने सात साल असम में ग्रोव मोर फूड अभियान की छाया में ग्रोव मोर मुस्लिम चलाया। इसके तहत बंगाल से मुसलमानों को लाकर असम में बसाया गया। 1946 तक आते आते असम में बहुत से जिले खासकर सिलहट मुस्लिम बहुल हो गए। 1947 में विश्व युद्ध के चलते ब्रिटेन के लिए यहां रहना मुश्किल हो गया। जाने से पहले वे बंगाल के पुराने काम को निपटा लेना चाहते थे। उनकी मंशा पूरा बंगाल और असम पाकिस्तान के हवाले करना था। उधर कांग्रेस को सत्ता पा लेने की जल्दी थी। मुस्लिम लीग कांग्रेस की इस कमजोरी को समझ गई थी। 1947 में असम में मुख्यमंत्री मुस्लिम लीग के ही थे। ब्रिटेन की योजना असम पाकिस्तान को देने की थी। कांग्रेस इससे निरपेक्ष थी। तब असम के कांग्रेसी नेता गोपीनाथ बरदोलाइ के प्रयास से असम पाकिस्तान जाने से बच गया। बंगाल में मुख्यमंत्री मुस्लिम लीग के सुहारबर्दी थे। उनकी सरकार ने बंगाल से हिंदुओं को निकालने के लिए डायरेक्ट एक्शन चलाया जिसमें सरकारी सहायता से कुछ दिनों में ही हजारों हिंदू मारे गए। अलबत्ता जब विभाजन की बात चली तो मुस्लिम लीग पूरा बंगाल पाकिस्तान में लाने के लिए कटिबद्ध थी। मुस्लिम के कुछ लोगों ने बंगला अस्मिता के नाम पर बंगाल को अलग देश बना दिए जाने का राग अलापना शुरू कर दिया। ताज्जुब तो तब हुआ जब कांग्रेस का एक धड़ा भी इस राग में शामिल हो गया। योजना यही थी कि अलग बंगाल बन जाएगा तो कुछ अरसे बाद मजहब के नाम पर पाकिस्तान में शामिल हो जाएगा। यह श्रेय डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को जाता है कि उन्होंने कहा कि बंगाल को जनसंख्या के लिहाज से विभाजित किया जाना चाहिए। इसी कारण बंगाल का पश्चिमी भाग भारत में रह गया। लेकिन क्या इस विभाजन के बाद एटीएम ने अपनी योजना त्याग दी? इसका उत्तर न में है। 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद इस योजना को पुनः चालू किया गया। एटीएम को पूर्वी बंगाल का पाकिस्तान के कब्जे से निकल जाना पच नहीं रहा था। 1971 में पुरानी योजना नए रूप में चालू हुई। बांग्लादेशी मुसलमानों को अवैध रूप से पश्चिमी बंगाल और असम में भेजा जाने लगा। यह काम जमायते इस्लामी के एजेंट करते थे। यह संगठन सरहद के दोनों ओर है। पिछले पांच दशकों में असम के अनेक जिलों में इन बांग्लादेशी अवैध मुसलमानों के चलते हिंदू अल्पसंख्यक हो गए हैं। बंगाल के बांग्लादेश की सीमा से लगते जिलों में तो मुसलमानों की आबादी 79 फीसदी तक हो गई है। असम और पश्चिमी बंगाल में कांग्रेस और सीपीएम वोटों के लालच में उन्हें भारतीय दस्तावेज मुहैया करवाती हैं। ममता बनर्जी के शासन में यह गति और तेज हो गई। अमरीका की मदद से बांग्लादेश की सत्ता कुछ साल मोहम्मद युनूस के हवाले कर दी। उसने परोक्ष रूप से सत्ता जमायते इस्लामी को दे रखी थी। वहां हिंदुओं को या तो मारा जाने लगा या फिर मतांतरित किया जाने लगा। अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों की बाढ़ सी आ गई। इधर ममता की सरकार ममता से उनको संभालने का काम करती रही। नारे लगने लगे कि असम और पश्चिमी बंगाल अब बांग्लादेश के साथ मिल कर ग्रेटर बंगाल बनाएंगे और यह ग्रेटर बंगाल एक नया इस्लामी देश बनेगा। लेकिन असम और बंगाल के चुनाव परिणामों ने इस अश्वमेध को रास्ते में रोक लिया। रोकने वाले लव और कुश शुभेंदु अधिकारी और हेमंत विश्व शर्मा हैं। जय मां काली। जय मां कामाख्या देवी।

देश | दुनिया से

ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों के 'दिल्ली-विमर्श' के निहितार्थ

ब्रिक्स (BRICS) के विदेश मंत्रियों की दो दिवसीय दिल्ली बैठक ने दुनिया को कई महत्वपूर्ण राजनीतिक, आर्थिक और सामरिक संदेश दिए हैं, जिनके कूटनीतिक निहितार्थ को समझने की जरूरत है। अन्यथा शेष दुनिया को अमेरिकी-यूरोपीय दादागिरी (नाटो सैन्य गठबंधन) के दुनियावी दांवपेंचों से निजात मिलनी मुश्किल है। लिहाजा, इस बैठक में मुख्य रूप से वैश्विक शक्ति-संतुलन, अमेरिकी प्रतिबंध नीति, पश्चिम एशिया संकट, वैश्विक व्यापार व्यवस्था और "ग्लोबल साउथ" की भूमिका पर जोर दिखाई दिया। देखा जाए तो नई दिल्ली में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों का जमावड़ा लगा हुआ है। दो दिनों का यह 18वां शिखर सम्मेलन ऐसे समय हो रहा है, जब दुनिया कई मोर्चे पर अस्थिरता से गुजर रही है। ब्रिक्स के सदस्य देश - ईरान और यूएई सीधे तौर पर इस हलचल में शामिल है। ऐसे में यह जुटान पूरी दुनिया के लिए अहम हो जाती है। इस अहम बैठक में भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर, रूस के विदेश मंत्री सर्जेइ लावरोव और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची जैसे नेताओं के दूरदर्शिता भरे बयान विशेष चर्चा में रहे। जिसके दुनियावी मायने बेहद अहम हैं। जिस तरह से कूटनीतिक सम्मेलन के पहले ही दिन जयशंकर ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के खिलाफ लगाए जाने वाले एकतरफा प्रतिबंधों का जिक्र किया, जो सबसे ज्यादा विकासशील देशों को नुकसान पहुंचाते हैं। स्वाभाविक तौर पर उनका इशारा अमेरिका है, क्योंकि डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ नीतियों की वजह से दुनिया को बहुत ज्यादा नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं, ईरान मामले में भी गतिरोध की वजह बहुत हद तक वॉशिंगटन की अव्यवहारिक मांगें है। ब्रिक्स के बड़े मंच से उठी आवाज का असर ज्यादा होगा। विदेश मंत्री एस जयशंकर का उद्घाटन भाषण मौजूदा चुनौतियों का सही खाका खींचता है। पश्चिम एशिया पर मंडराता युद्ध का खतरा, ऊर्जा संकट, सप्लाई चेन में रुकावट और जलवायु परिवर्तन ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को एक नए मोड़

पर ला खड़ा किया है। तमाम देशों की अर्थव्यवस्था को मंदी में फंसने का डर सता रहा है। ऐसे में जैसा कि विदेश मंत्री ने कहा, विकासशील देशों ने ब्रिक्स से यह उम्मीद लगाई है कि यह मंच स्थिरता कायम करने में सकारात्मक भूमिका अदा करेगा। इसके कतिपय निहितार्थ इस प्रकार हैं- पहला, एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था को चुनौतीः बैठक का सबसे बड़ा संदेश यह था कि दुनिया अब केवल अमेरिका-केन्द्रित व्यवस्था पर निर्भर नहीं रहना चाहती। ब्रिक्स देशों ने "मल्टीपोलर वर्ल्ड" के दृष्टिगत बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। इसका अर्थ है कि वैश्विक निर्णयों में पश्चिमी देशों के साथ एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका की शक्तियों की भी बराबर भूमिका हो। दूसरा, अमेरिकी प्रतिबंधों और आर्थिक दबाव का विरोधः भारत, रूस, चीन और ईरान सहित कई देशों ने एकतरफा प्रतिबंधों को अंतरराष्ट्रीय व्यापार और संप्रभुता के खिलाफ बताया। विशेष रूप से एस जयशंकर ने कहा कि प्रतिबंध और दबाव कूटनीति का विकल्प नहीं हो सकते। यह संदेश सीधे तौर पर अमेरिका की प्रतिबंध नीति की आलोचना माना गया। तीसरा, डॉलर प्रभुत्व कम करने का संकेतः बैठक में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार बढ़ाने और वैकल्पिक भुगतान प्रणालियों पर भी चर्चा हुई। यह संदेश था कि ब्रिक्स देश डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं ताकि अमेरिकी आर्थिक दबाव का असर घटाया जा सके। चतुर्थ, पश्चिम एशिया संकट पर चिंताः ईरान-इज़राइल तनाव और समुद्री मार्गों की सुरक्षा बड़ा मुद्दा रहा। ब्रिक्स देशों ने रेड सी और होर्मुज़ जलडमरूमध्य जैसे मार्गों की सुरक्षा पर जोर दिया। दुनिया को यह संदेश दिया गया कि क्षेत्रीय युद्ध अब वैश्विक अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। हालांकि इस मंच के सामने भी चुनौती है। ईरान और यूएई के आपसी रिश्ते ठीक नहीं चल रहे। जबकि चीन ने अपने विदेश मंत्री को नहीं भेजा है। एक बात और, जब सम्मेलन की शुरुआत हुई, चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग तब ट्रंप की मेजबानी में व्यस्त थे। ब्रिक्स के सबसे बड़े विरोधी ट्रंप है। उन्हें लगता है कि यह मंच अमेरिकी हितों के खिलाफ खड़ा किया गया है। मेजबान होने के नाते यह भारत की जिम्मेदारी है कि यहां से निकला संदेश किसी के विरोध में नहीं, साझा हित में हो। भारत के पास सभी सदस्यों को करीब लाने और मौजूदा संकट का समाधान पेश करने का मौका है। पांचवां, ग्लोबल साउथ की राजनीतिक आवाजः बैठक में यह स्पष्ट हुआ किब्रिक्स स्वयं को केवल आर्थिक समूह नहीं, बल्कि विकासशील देशों की सामूहिक राजनीतिक आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के देशों की समस्याओं—जैसे खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा संकट और कर्ज—को वैश्विक एजेंडा में प्रमुखता देने की बात कही गई। छठा, संयुक्त राष्ट्र सुधार की मांगः भारत और ब्राजील ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और विकासशील देशों के अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता दोहराई। यह संदेश था कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बनी संस्थाओं में अब नई वैश्विक वास्तविकताओं के अनुसार बदलाव होना चाहिए। सातवां, ब्रिक्स के भीतर मतभेद भी सामने आएः हालांकि बैठक में एकजुटता दिखाई गई, लेकिन यह भी स्पष्ट हुआ कि सभी सदस्य अमेरिका-विरोधी नीति पर पूरी तरह एकमत नहीं हैं। भारत और ब्राजील जैसे देश पश्चिम के साथ संतुलित संबंध बनाए रखना चाहते हैं, जबकि रूस और ईरान अधिक आक्रामक रुख चाहते हैं।

आप का | नज़रिया

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक-परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे-बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है। लेकिन देखने में आता है कि जल्दी ही राजनीतिक बयानबाजी और कालांतर नौकरशाही की उदासीनता में बदल जाता है। यही वजह है कि महिलाएं इस भय को अपनी नियति मानकर जीने को अभिशप्त हैं। दिल्ली की जागरूक जनता को चाहिए कि वे नांगलोई की घटना को महज एक और गुजरती सुर्खी बनकर न रहने दें। उन्हें इसे ऐसे अपराधों को रोकने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ बनाना चाहिए। निस्संदेह, दिल्ली के अधिकारियों को निजी परिवहन संचालकों की व्यापक जांच-पड़ताल करनी चाहिए।

दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन-प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता-जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी-पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं।

कुछ | अलग

फेमिन में ड्यूटी...

ड्यूटी तो वे कर रहे थे, लेकिन वे संतुष्ट नहीं थे। सदैव परेशान रहना तथा अभावों से घिरे रहना ही हो पाता था इस ड्यूटी से। वे इनसे निजात चाहते थे। उन्हें पता लग गया था कि अच्छे लोगों की सरकार को तलाश है ताकि उन्हें अकाल पीड़ित क्षेत्रों में लगाया जा सके। वे भी उनकी सेवा करके इस जन्म को सार्थक कर लेना चाहते थे। परंतु फेमिन में ड्यूटी लगवाना आसान नहीं था। बड़ी एप्रोच की आवश्यकता थी। जिनकी ड्यूटी लगी थी, वे एक माह में ही टमाटर की तरह लाल हो गए थे। बस यही भाव उन्हें सालता था और वे सदैव इस बात के लिए प्रेरित रहने लगे थे कि उनकी ड्यूटी फेमिन में लग जाए। सुबह-सुबह ही आए मेरे घर और बोले- 'शर्मा कोई जुगाड़ बैठाओ।' मैंने पूछा- 'किस बात का?' वे बोले- 'यार मेरी ड्यूटी फेमिन में लगवा दो तो तुम्हारा अहसान जीवन भर नहीं भूलूंगा। मेरी हालत तो तुम जानते हो। हम लोग हर चीज के लिए मोहताज हैं। यदि अकाल पीड़ित क्षेत्र में ड्यूटी लग जाए तो बहती गंगा में हाथ मैं भी धो लूं।' 'लेकिन बि_ल भाई तुम्हारा तो मिशनरी सेवा भाव का कोई इतिहास ही नहीं रहा। कल कहीं से कोशिश कर-कराके तुम्हारी वहां ड्यूटी लगवा दी जाए तो तुम क्या कर पाओगे? वहां एक्चुएली वर्कर्स की आवश्यकता है। लोग पानी, चारा और अन्न की समस्या से जूझ रहे हैं। उन तक राहत सही रूप में पहुंचनी चाहिए।' बि_ल बोले- 'भाई शर्मा तुम भी कमाल करते हो। मैं वर्कर नहीं हूं, यह तुमने कैसे जाना? मैं पहले कई स्वयंसेवी संगठनों के लिए काम कर चुका हूं। अकाल इतना विकट है, मुझे भली प्रकार से पता है कि इस मुसीबत की घड़ी में मुझे पीड़ित लोगों के लिए क्या करना चाहिए।

दृष्टि | कोण

बड़ी मछलियों तक 'पेपर लीक कांड' की जांच पहुंचने के आसान कम?

नीट प्रश्नपत्र लीक मामले में धर पकड़ जारी है। पड़ताल का जिम्मा सीबीआई को सौंपा गया है। राजस्थान से कुछ आरोपी गिरफ्तार हुए हैं लेकिन जो आरोपी पकड़े गए हैं वह सियासत से संबंध रखते हैं। पुलिस अभिरक्षा में उनका सार्वजनिक रूप से मीडिया के कैमरों पर बोलना कि वह तो मोहरे मात्र हैं। खिलाड़ी तो कोई और ही हैं, वह बडे-बड़े स्तर के? आरोपियों के मुख से निकले ये शब्द निश्चित रूप से निष्पिक्ष जांच की उम्मीदों पर ग्रहण लगाने के लिए प्याप्त हैं। यहीं से मुकम्मल जांच की उम्मीदें टूटती दिखाई पड़ती हैं। साढ़े 22 लाख परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ हुआ इतना बड़ा खिलवाड़ भी क्या एक कहानी बनकर सरकारी फाइलों में सिमट जाएगा? करोड़ों लोग नीट परीक्षा लीक कांड की जांच को अब धूमिल होते देख रहे हैं। तसल्ली उन अभिभावकों को भी कर लेनी चाहिए जो न्याय की उम्मीद लिए बैठे हैं। निष्पक्ष जांच-पड़ताल की आस अब इसलिए भी नहीं की जा सकती क्योंकि पूरा सिस्टम जांच छोड़कर, बड़ी मछलियों को बचाने में ही जुटेगा। ऐसा इस बार नहीं, पिछले तकरीबन सभी पेपर लीक कांड़ों में हुआ। नीट दाखिला परीक्षा है, भर्ती की पूरी की पूरी परीक्षा भारत में लीक होने लगी हैं। बावजूद इसके केंद्रीय हुकूमत कोई ऐसा उपाय नहीं कर पा रही जिससे परीक्षार्थियों के भविष्य के साथ किया जाने वाला खिलवाड़ रूक सके। अखबार पिछले 7 वर्षों में यानी 2019 से लेकर 2026 मई तक, भारत में विभिन्न स्तरीय प्रतियोगी लगभग 70 परीक्षाओं के पेपर लीक हुए। आज तक किसी मामले की जांच न पूरी हुई और ना किसी मामले में न्याय हुआ। प्रत्येक मामलों में छोटे स्तर के कर्मचारी ही पकडे.गए जिन्हें कुछ महीनों बाद या एकाध वर्षों में जमानत मिल गई। सबसे पहले दाखिला परीक्षा कराने वाली एनटीए को उनकी जिम्मेदारियों से मुक्त कर देना चाहिए। एनटीए का कार्य इसलिए भी अब संतोषजनक नहीं क्योंकि वह पुराने तौर-तरीकों को अभी भी अपनाती है। अपने सिस्टम को रिफॉर्म भी नहीं करती। विश्व की प्रतिष्ठित भरोसेमंद परीक्षाओं से भी कुछ नहीं सीखती।

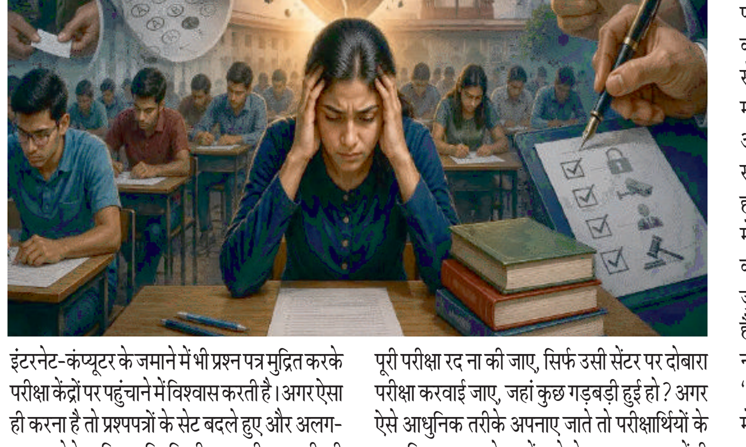

इंटरनेट-कंप्यूटर के जमाने में भी प्रश्न पत्र मुद्रित करके परीक्षा केंद्रों पर पहुंचाने में विश्वास करती है। अगर ऐसा ही करना है तो प्रश्पपत्रों के सेट बदले हुए और अलग-अलग होने चाहिए ताकि किसी तरह की गड़बड़ी की संभावनाएं न हो। अगर खुदा ना खास्ता कुछ हो भी, तो पूरी परीक्षा रद ना की जाए, सिर्फ उसी सेंटर पर दोबारा परीक्षा करवाई जाए, जहां कुछ गड़बड़ी हुई हो? अगर ऐसे आधुनिक तरीके अपनाए जाते तो परीक्षार्थियों के साथ खिलवाड़ न होता। केंद्र से लेकर राज्य सरकारें भी अच्छे से जानती हैं कि भारत में आयोजित होने वाली हर चौथी प्रतियोगी परीक्षा का पेपर का लीक होता है जिसमें पुलिस भर्ती और शिक्षा परीक्षाएं कुख्यात हैं जबकि, नीट परीक्षा नौकरी या भर्ती की परीक्षा नहीं होती, मेडिकल कॉलेजों में दाखिले के लिए आयोजित होती है उसमें भी सेंधमारी, हद है? गौरतलब है अगर पूर्ववर्ती पेपर लीक मामलों में सख्ती और स्वतंत्र-निष्पक्ष जांच हुई होती और आरोपियों के नाम सार्वजनिक किए गए होते और सजा के तौर पर उम्रकैद या मोटा हर्जाना वसूला गया होता, तो ऐसे कांड करने वाले भय खाते, डरते। भविष्य में गड़बड़ी करने से तौबा भी करते लेकिन लचीला कानून-प्रशासन का उदार रवैया और कमजोर सजा-जुर्माने से आरोपी तनिक भी नहीं डरते। एक कांड करते हैं, दूसरे की तैयारी में लगे होते हैं। फिलहाल मौजूदा नीट पेपर कांड पहला दोष तो परीक्षा कराने वाली संस्था 'नेशनल टेस्टिंग एजेंसी' यानी एनटीए का ही है। मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश की पात्रता परीक्षा नीट के सवाल लीक होने से पूरी परीक्षा रद्द करने की मजबूरी जितनी शर्मनाक है, उतनी ही चिंताजनक।

फीफा विश्व कप 2026 : जापान की प्रारंभिक टीम घोषित, मितोमा और मिनामिनो बाहर

टोक्यो

फीफा विश्व कप 2026 के लिए जापान ने अपनी प्रारंभिक 26 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। हालांकि टीम को बड़ा झटका तब लगा जब स्टार विंगर काओरू मितोमा चोट के कारण विश्व कप से बाहर हो गए। इसके अलावा अनुभवी फारवर्ड ताकुमी मिनामिनो को भी टीम में जगह नहीं मिली है।

जापान के मुख्य कोच हाजिमे मोरियासु ने शुक्रवार को टोक्यो में टीम की घोषणा करते हुए बताया कि मितोमा हैमस्ट्रिंग चोट से समय पर उबर नहीं पाएंगे। 28 वर्षीय मितोमा को पिछले सप्ताह प्रीमियर लीग में ब्राइटन की वाल्व्स पर 3-0 की जीत के दौरान चोट लगी थी।

कोच मोरियासु ने कहा, मेडिकल टीम का आकलन है कि टूर्नामेंट के दौरान उनके पूरी तरह फिट होने की संभावना नहीं है। वहीं, मोनाको के फारवर्ड ताकुमी मिनामिनो भी टीम से बाहर हैं। दिसंबर में उनके बाएं घुटने के एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट (एसीएल) में गंभीर चोट लगी थी। जापान को विश्व कप के ग्रुप एफ में नीदरलैंड्स, स्वीडन और ट्यूनीशिया के साथ रखा गया है। टीम अपने अभियान की शुरुआत 14 जून को टेक्सास के अर्लिंगटन में नीदरलैंड्स के खिलाफ करेगी।

मितोमा जापान के सबसे अहम खिलाड़ियों में शामिल हैं। उन्होंने मार्च में वेम्बली स्टेडियम में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैत्री मैच में विजयी गोल दागा था। इसके अलावा 2022 विश्व कप में जर्मनी और स्पेन के खिलाफ जापान की ऐतिहासिक जीत में भी उनकी बड़ी भूमिका रही थी।

चोटों से जूझ रहे अजाक्स के डिफेंडर ताकेहिरो टोमियासु को टीम में शामिल किया गया है, जबकि उन्होंने जून 2024 के बाद से जापान के लिए कोई मुकाबला नहीं खेला है।

इसके अलावा क्रिस्टल पैलेस के दाइची कामादा, लिवरपूल के वातारू एंडो और रियल सोसिएदाद के ताकेफुसा कुबो को भी टीम में जगह मिली है।

वाल्फ्सबर्ग के युवा खिलाड़ी केंटो शिओगाई भी पहली बार विश्व कप टीम में शामिल किए गए हैं। उन्होंने मार्च में स्काटलैंड के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय पदार्पण किया था।

जापान की प्रारंभिक टीम

गोलकीपरः ज़ायन सुजुकी, केइसुके ओसाको, टोमोकी हायाकावा

डिफेंडरः यूटो नागातोमो, शोगो तानिगुची, को इताकुरा, त्सुयोशी वतनाबे, ताकेहिरो टोमियासु, हिरोकी इतो, आयुमु सेको, युकिनारी सुगावारा, जुन्नोसुके सुजुकी

मिडफील्डर/फारवर्डः वातारू एंडो, जुन्या इतो, दाइची कामादा, कोकी ओगावा, दाइजेन माएदा, रित्सु दोआन, आयासे उएदा, आओ तनाका, केइतो नाकामुरा, काइशु सानो, ताकेफुसा कुबो, युइतो सुजुकी, केंटो शिओगाई, केइसुके गोटो।

न्यूज ब्रीफ

लगातार पांचवीं हार के बावजूद प्लेआफ की उम्मीद बरकरार, बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगेः ब्रैड हैडिन

धर्मशाला। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) को मुंबई इंडियंस (एमआई)

के खिलाफ हाई-स्कोरिंग मुकाबले में करीबी हार का सामना करना पड़ा, लेकिन टीम के सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने प्लेआफ की उम्मीदों को लेकर सकारात्मक रुख बनाए रखा है। एचपीसीए स्टेडियम, धर्मशाला में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 200/8 का मजबूत स्कोर खड़ा किया। शुरुआती झटकों के बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। हालांकि, मुंबई इंडियंस ने आखिरी ओवर में लक्ष्य हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया। यह पंजाब की लगातार पांचवीं हार रही, लेकिन टीम अब भी 13 अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर बनी हुई है। मैच के बाद सहायक कोच ब्रैड हैडिन ने टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि बल्लेबाजों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अच्छा संघर्ष दिखाया। उन्होंने कहा, मुझे लगा कि जिस तरह हम उस स्कोर तक पहुंचे, वह शानदार था। मुंबई ने शुरुआत में अच्छी गेंदबाजी की, लेकिन आखिर के ओवरों में हमारे बल्लेबाजों ने बेहतरीन हिटिंग की। हमें लगा था कि यह जीत दिलाने वाला स्कोर है। लंबे समय तक मैच हमारे नियंत्रण में था, लेकिन तिलक वर्मा ने बेहद खास पारी खेली। उनकी बल्लेबाजी शानदार थी और उसका श्रेय उन्हें देना होगा। हैडिन ने कहा कि टूर्नामेंट के इस चरण में दबाव स्वाभाविक है और टीम को बड़े मौकों पर बेहतर प्रदर्शन करना सीखना होगा। उन्होंने कहा, पूरा टूर्नामेंट दबाव से भरा होता है और इस समय यही आईपीएल क्रिकेट की असली चुनौती है। आपको बड़े मौकों और दबाव को संभालना आना चाहिए। हार से ड्रेसिंग रूम निराश है, लेकिन इस मुकाबले से कई सकारात्मक बातें भी सामने आई हैं। अब जरूरी है कि हम मजबूत वापसी करें। उन्होंने मौजूदा सीजन में बल्लेबाजी के बदलते मानकों का भी जिक्र किया।

निकहत जरीन राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए हुए ट्रायल्स में हारी

पटियाला। महिला मुक्केबाज निकहत जरीन राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों के लिए हुए ट्रायल्स में हार के

साथ ही बाहर हो गयी हैं। साल 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों की चैंपियन रही निकहत 51 किग्रा भार वर्ग के सेमीफाइनल में साक्षी चौधरी के हाथों 1-4 के विभाजित फैसले से हारीं। इस उलटफेर से वह दोनो ही बड़े टूर्नामेंटों से बाहर हो गयीं। निकहत की हार के अलावा, ट्रायल्स में कुछ और बड़े उलटफेर भी हुए। तीन बार के विश्व कप पदक विजेता हितेश गुलिया 70 किग्रा सेमीफाइनल में सुमित से हार गए, जबकि पूजा रानी 80 किग्रा में नैना से हारी। वहीं महिलाओं के 65 किग्रा सेमीफाइनल में एशियाई खेलों की कांस्य पदक विजेता परवीन हुड्डा ने अंकुशिता बोरो को हराया। ट्रायल में विजेता मुक्केबाज राष्ट्रमंडल खेलों से पहले शिविर के लिए चेकिया जाएंगे, जबकि दूसरे रैंक के मुक्केबाज 15 से 20 जून तक चीन के गुइयांग शहर में होने वाले विश्व मुक्केबाजी कप में हिस्सा लेंगे। भारतीय खेल प्राधिकरण साई ने हाल ही में भारतीय मुक्केबाजी महासंघ की पिछली मूल्यांकन आधारित प्रणाली को अपारदर्शी बताते हुए निलंबित कर दिया था। इस कदम ने महासंघ को ट्रायल-आधारित चयन प्रक्रिया पर लौटने के लिए मजबूर किया, एक ऐसा बदलाव जिसकी कई मुक्केबाजों ने सराहना की है।

आईपीएल सत्र के बाद जा सकती है ऋषभ सहित इन तीन खिलाड़ियों की कप्तानी

मुम्बई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 19 वें सत्र में खराब प्रदर्शन के करण तीन टीमों के कप्तानों की कुर्सी खतरे में नजर आ रही है। ये तीनो ही लगातार दो सत्र में कप्तानी करने के बाद भी असफल रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार ये तीन कप्तान है। लखनऊ सुपर जायंट्स के ऋषभ पंत, कोलकाता नाइट राइडर्स के अजिंक्य रहाणे और दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल। ऋषभ पंत : लखनऊ सुपर जायंट्स टीम सबसे पहले टूर्नामेंट से बाहर हो गयी है। टीम के कप्तान ऋषभ और उनकी टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। ऋषभ न तो रन बना पाये और न ही अपनी टीम को प्रेरित कर पाये। टीम केवल तीन मैच जीत पायी और प्लेआफ से बाहर हो गयी। ऋषभ ने अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाजी करने की कोशिश की, लेकिन वह दबाव में दिखे। उन्होंने 138 के स्ट्राइक-रेट से केवल 251 रन बनाए और 11 मैचों में सिर्फ नौ छक्के लगाए, जो आधुनिक टी20 मानकों से काफी नीचे है। उनके बल्ले की लय गायब दिखी और टीम संयोजन के कुछ फैसलों ने भी प्रशंसकों को हैरान कर दिया। अक्षर पटेल : वहीं दिल्ली कैपिल्स के कप्तान अक्षर पटेल भी कप्तान और खिलाड़ी दोनों के तौर पर प्रभावित नहीं कर पाये और 9 पारियों में 112.50 के स्ट्राइक-रेट से केवल 100 रन ही बना पाये हैं।

लखनऊ ने चेन्नई का काम किया खराब, 7 विकेट से हराया

लखनऊः इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का 59वां मुकाबला लखनऊ सुपर जायंट्स और चेन्नई सुपर किंग्स के बीच लखनऊ के इकाना क्रिकेट स्टेडियम में आज यानी 15 मई को खेला गया। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली लखनऊ ने इस मैच को 7 विकेट से अपने नाम कर लिया। 188 रन का टारगेट एलएसजी ने 16.4 ओवर में चेज कर लिया।

मिचेल मार्श ने खेली मैच विनिंग पारी

ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर मिचेल मार्श ने लखनऊ के लिए मैच विनिंग पारी खेली। उन्होंने 38 गेंद में 236.84 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करते हुए 90 रन ठोके। मार्श ने अपनी पारी में 9 चौके और 7 छक्के उड़ाए। हालांकि, वह अपने इस सीजन के दूसरे शतक से 10 रन से चूक गए। वह रन आउट हो गए थे। मार्श का साथ जोश इंग्लिस ने निभाया। उन्होंने 36 रन बनाए। निकोलस पूरन 17 गेंद में 32 रन बनाकर नाबाद रहे। उन्होंने अपनी पारी में 4 छक्के और 1 चौका लगाया। मुकुल चौधरी 13 रन बनाकर नॉट आउट रहे। अब्दुल समद 7 रन बनाकर आउट हो गए थे। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 1-1 विकेट स्पेंसर जॉनसन और मुकेश चौधरी ने लिए।

चेन्नई का प्लेऑफ का सेनेरियो

चेन्नई सुपर किंग्स ने अब तक 12 मैच खेले हैं, जिसमें से 6 में उनको जीत मिली है और 6 मुकाबलों में उनको हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में सीएसके के 12 अंक हैं। सीएसके को 16 अंक तक पहुंचने के लिए अपने बचे हुए दोनों मैच जीतने होंगे। साथ ही सीएसके चाहेगी कि पंजाब और हैदराबाद अपने बचे हुए 2-2 मैचों में से कम से कम 1 तो हार जाए, क्योंकि अगर पंजाब ने अपने 2 मैच और हैदराबाद ने अपने 2 मैच जीत लिए तो पंजाब 17 अंक तक पहुंच जाएगी जबकि हैदराबाद 18 अंक तक पहुंच जाएगी। आरसीबी और गुजरात तो 16 अंक तक पहुंच गए हैं और दोनों टीमों के अभी 2-2 मैच बाकी हैं।

कुछ ऐसी रही लखनऊ की पारी

इकाना क्रिकेट स्टेडियम में लखनऊ के खिलाफ टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई ने युवा बल्लेबाज कार्तिक शर्मा के अर्धशतक की बदौलत 5 विकेट के नुकसान पर 187 रन बनाए हैं। सीएसके की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टीम ने सैमसन, गायकवाड़ और उर्विल पटेल के रूप में शुरुआती 3 विकेट 7.2 ओवर में 52 रन पर गंवा दिए थे। सैमसन 20, गायकवाड़ 9 और पटेल 6 रन बनाकर आउट हुए।

कार्तिक शर्मा और डेवाल्ड ब्रेविस ने पारी को संभाला और चौथे विकेट के लिए 70 रनों की बेहद अहम साझेदारी की। चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे कार्तिक शर्मा ने 42 गेंदों पर 5 छक्कों और 6 चौकों की मदद से 71 रन की पारी खेली। डेवाल्ड ब्रेविस ने 16 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली।

पीजीए चैंपियनशिप 2026 : स्काटी शेफलर समेत सात खिलाड़ी पहले दौर के बाद संयुक्त बढ़त पर

न्यूटाउन स्क्वेयर (पेनसिल्वेनिया)

पीजीए चैंपियनशिप 2026 के पहले दौर में दुनिया के नंबर-1 गोल्फर स्काटी शेफलर समेत सात खिलाड़ी संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान पर रहे। एरोनिमिंक गोल्फ क्लब में खेले जा रहे इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में शुक्रवार को सभी खिलाड़ियों ने 3-अंडर 67 का स्कोर बनाया।

शेफलर के साथ मार्टिन कायमर, एल्ड्रिच पोटगिटर, स्टीफन जैगर, मिन वू ली, रियो हिसात्सुने और एलेक्स स्माली भी संयुक्त बढ़त पर हैं। किसी मेजर चैंपियनशिप में पहले दौर के बाद इतनी बड़ी संयुक्त बढ़त 1969 के बाद पहली बार देखने को मिली है।

कठिन मौसम, तेज हवाओं और ढलानदार ग्रीन्स के कारण खिलाड़ियों को काफी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहले दौर में 48 खिलाड़ी लीड से केवल तीन शाट पीछे रहे, जिससे प्रतियोगिता बेहद खुली नजर आ रही है।

स्काटी शेफलर ने अपने प्रदर्शन के दौरान दो लंबे बर्डी पुट लगाए और 17वें होल पर राहत मिलने का फायदा उठाकर पार बचाया। हालांकि उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा,

जब छह और खिलाड़ी आपके साथ बराबरी पर हों, तो क्या इसे सच में बढ़त कहा जा सकता है

फ्रांस के पूर्व पीजीए चैंपियन मार्टिन कायमर का प्रदर्शन सबसे बड़ा सरप्राइज रहा। लिव गोल्फ से जुड़े कायमर लंबे समय बाद किसी मेजर में शीर्ष खिलाड़ियों के बीच नजर आए। पैट्रिक रीड पहले दौर में बिना कोई बोगी लगाए 68 के स्कोर पर रहे। उनके साथ ज़ेंडर शाफ्ले और शेन लारी भी एक शाट पीछे हैं।

करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने की कोशिश में लगे जार्डन स्पीथ ने अंतिम तीन होल में दो बोगी कर 69 का स्कोर बनाया। वहीं जान रहम ने शानदार ईगल और बर्डी की मदद से वापसी करते हुए 69 का कार्ड खेला।

मास्टर्स चैंपियन रोरी मैक्लराय का दिन बेहद निराशाजनक रहा। उन्होंने अंतिम चार होल में लगातार चार बोगी कीं और 74 के स्कोर के साथ पहले दौर का अंत किया।

वहीं ब्रायसन डेशांबो को भी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने 76 का स्कोर बनाया और अब कट में जगह बनाने के लिए अगले दौर में बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टूर्नामेंट के दूसरे दौर में मुकाबला और भी रोमांचक होने की उम्मीद है।

थाईलैंड ओपन : सिंधु और लक्ष्य जीते, श्रीकांत व देविका बाहर हुए

बैंकाक। भारत की पी वी सिंधु और लक्ष्य सेन यहां खेले जा रहे थाईलैंड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गये हैं। वहीं किदांबी श्रीकांत और देविका सिहाग हार के साथ ही बाहर हो गये। छठी वरीयता प्राप्त सिंधु ने महिला एकल के दूसरे दौर में डेनमार्क की अमेली शूल्ज को केवल 28 मिनट में ही 21-13, 21-15 के सीधे गेम में हरा दिया। अब सिंधु का मुकाबला क्वार्टर फाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया की तीसरी रैंकिंग वाली जापान की अकाने यामागुची से होगा। वहीं पुरुष एकल में, सातवीं वरीयता प्राप्त लक्ष्य सेन ने चीनी खिलाड़ी झू शुआन चेन को सीधे गेम में 21-12, 21-13 से हरा दिया। अब क्वार्टर फाइनल में लक्ष्य का सामना दूसरी वरीयता प्राप्त थाईलैंड के कुंलावुत वितिदसर्न और उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा। इसके अलाव पुरुष युगल में भारत के सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने भी जीत के साथ ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया है। इस जोड़ी ने मलेशिया के ब्रायन जेरेमी और मुहम्मद हाइकल को 21-12, 21-19 से हराया।

सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया : प्रज्ञानानंद ने पहले दौर में फिरोजा के खिलाफ ड्रा खेला

रोमानिया

भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने सुपर शतरंज क्लासिक रोमानिया के पहले दौर में फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा के खिलाफ संघर्षपूर्ण मुकाबले में ड्रा खेला। ग्रैंड चेस टूर के पहले क्लासिकल टूर्नामेंट में खेला गया यह मुकाबला काफी रोमांचक रहा।

काले मोहरों से खेल रहे फिरोजा ने शुरुआती चरण में क्वीन गैंबिट डिक्लाइंड ओपनिंग अपनाई। शुरुआती दौर में कई छोटे मोहरों की अदला-बदली के बाद मुकाबला ड्रा की ओर बढ़ता नजर आ रहा था, लेकिन प्रज्ञानानंद ने जटिल स्थिति बनाने का फैसला किया। उन्होंने मजबूत सेंटर के बदले फिरोजा को क्वीन साइड पर जुड़े हुए पास्ड प्यादे लेने दिए।

मध्य खेल में फिरोजा ने शानदार चालें चलीं और भारतीय खिलाड़ी के किंग साइड पर दबाव बना दिया। हालांकि स्थिति इतनी जटिल थी कि दोनों खिलाड़ियों के लिए सर्वश्रेष्ठ चालें ढूंढना आसान नहीं था।

35वीं चाल में हुई एक गलती के बाद मुकाबला रूक और प्यादों के एंडगेम में पहुंच गया, जहां प्रज्ञानानंद एक प्यादा पीछे होने के बावजूद ड्रा बचाने में सफल रहे। अंततः 60 चालों तक चले मुकाबले का परिणाम ड्रा रहा।

अन्य मुकाबलों में फ्रांस के मैक्सिम वाशिये-लग्राव और नीदरलैंड्स के अनीश गिरी के बीच भी मुकाबला ड्रा पर समाप्त हुआ। गिरी को कुछ मौकों पर बढ़त मिलती दिखी, लेकिन उन्होंने सुरक्षित खेलते हुए 32 चालों में ड्रा स्वीकार कर लिया।

रोमानिया के डिएक बोगदान-डेनियल ने विश्व चैम्पियनशिप चुनौतीकर्ता जावोखिर सिंदारोव के खिलाफ आसान ड्रा हासिल किया। वहीं अमेरिका के फैबियानो करूआना और नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फारेस्ट के बीच मुकाबला भी बराबरी पर छूटा।

दिन का पांचवां मुकाबला अमेरिका के वेस्ली सो और जर्मनी के विंसेंट कीमर के बीच खेला गया, जो 56 चालों के बाद ड्रा पर समाप्त हुआ। इस तरह पहले दौर के सभी मुकाबले ड्रा रहे।

10 खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे इस नौ दौर के टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 3.5 लाख अमेरिकी डालर है, जिसमें विजेता को 1 लाख अमेरिकी डालर दिए जाएंगे।

हीरो हाकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ी पंजीकरण शुरू, भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों को मिलेगा मौका

नई दिल्ली

हाकी इंडिया ने हीरो हाकी इंडिया लीग 2027 के लिए खिलाड़ियों के पंजीकरण प्रक्रिया की आधिकारिक शुरुआत कर दी है। खिलाड़ी नीलामी सितंबर 2026 में आयोजित की जाएगी, जबकि पंजीकरण 15 मई 2026 को सुबह 11 बजे से शुरू हो चुका है। 2024-25 सीजन में लीग की सफल वापसी और 2025-26 संस्करण की लोकप्रियता के बाद आगामी सीजन को और अधिक भव्य बनाने की तैयारी की जा रही है। जनवरी 2027 में आयोजित होने वाली हीरो हाकी इंडिया लीग में भारत समेत दुनिया के कई प्रमुख हाकी देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

हाकी इंडिया के अनुसार पुरुष और महिला दोनों वर्गों में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के लिए पंजीकरण खुले हैं। यह लीग विश्व हाकी में अपनी मजबूत पहचान बना चुकी है और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का

बड़ा मंच प्रदान करती है।

पुरुष वर्ग के पात्र देश - भारत, नीदरलैंड, बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, अर्जेंटीना, जर्मनी, स्पेन, आयरलैंड, फ्रांस, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मलेशिया और जापान।

महिला वर्ग के पात्र देश - भारत, नीदरलैंड, अर्जेंटीना, बेल्जियम, चीन, स्पेन, इंग्लैंड, जर्मनी, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चिली, अमेरिका, आयरलैंड, स्काटलैंड और जापान।

पंजीकरण से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी

- पंजीकरण प्रारंभः 15 मई 2026, सुबह 11:00 बजे
- पंजीकरण की अंतिम तिथिः 24 जुलाई 2026, मध्यरात्रि

पिछले सीजन में हीरो हाकी इंडिया लीग में 1000 से अधिक खिलाड़ियों ने नीलामी के लिए पंजीकरण कराया था। इनमें 500 से ज्यादा भारतीय पुरुष खिलाड़ी, 350 भारतीय महिला खिलाड़ी और 240 से अधिक विदेशी खिलाड़ी शामिल थे। इससे लीग की बढ़ती लोकप्रियता और वैश्विक आकर्षण का अंदाजा लगाया जा सकता है। पिछले संस्करण में महिला वर्ग का खिताब एसजी पाइपर्स ने जीता था, जबकि पुरुष वर्ग में वेदांता कलिंगा लांसर्स चैंपियन बना था।

हाकी इंडिया के अध्यक्ष डा. दिलीप तिर्की ने कहा, हीरो हाकी इंडिया लीग ने खुद को विश्व हाकी के सबसे रोमांचक मंचों में फिर से स्थापित किया है। पिछले सीजनों में खिलाड़ियों और दर्शकों का शानदार उत्साह देखने को मिला। हमें उम्मीद है कि 2027 संस्करण और भी बड़ा और प्रतिस्पर्धी होगा।

वहीं, हाकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, पिछले संस्करणों की सफलता ने लीग को नई पहचान दी है। खिलाड़ियों की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि उन्हें इस मंच पर भरोसा है। यह लीग न केवल विश्वस्तरीय हाकी को बढ़ावा देती है, बल्कि भारतीय हाकी के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

हीरो हाकी इंडिया लीग 2027 में एक बार फिर दुनिया भर के उभरते और स्थापित खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते नजर आएंगे, जिससे भारतीय हाकी को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ बंद हुए थे। हालांकि डाउ जान्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान तेजी का रुख बना रहा। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर गिरावट का रुख बना हुआ है।

टेक्नोलाजी स्टाक्स में आई तेजी के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार मजबूती का रुख बना रहा, जिसकी वजह से वाल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में बंद होने में सफल रहे। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 370.26 अंक यानी 0.75 प्रतिशत की मजबूती के साथ 50,063.46 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.77 प्रतिशत उछल कर 7,501.24 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 232.88 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की बढ़त के साथ 26,635.22 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 116.02 अंक यानी 0.23 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 49,947.44 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की मजबूती के साथ 10,372.93 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह से सीएसी इंडेक्स ने 0.92 प्रतिशत की छलांग लगा कर 8,082.27 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 319.45 अंक यानी 1.31 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,456.26 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से छह के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक मामूली तेजी के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। इंडोनेशिया के स्टाक एक्सचेंज में छुट्टी होने की वजह से जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में कोई हलचल नहीं है। गिफ्ट निफ्टी 0.25 प्रतिशत की तेजी के साथ 23,789.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.12 प्रतिशत की बढ़त के साथ 4,183.06 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, निक्केई इंडेक्स 794.05 अंक यानी 1.27 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,860 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 238.04 अंक यानी 0.90 प्रतिशत लुढ़क कर 26,151 अंक के स्तर तक आ गया है। कोस्पी इंडेक्स में जबरदस्त कमजोरी दर्ज की गई है। फिलहाल यह सूचकांक 275.66 अंक यानी 3.45 प्रतिशत टूट कर 7,705.75 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 252.67 अंक यानी 0.61 प्रतिशत फिसल कर 41,499.08 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

न्यूज ब्रीफ

टोयोटा ने रखा हर साल एक लाख गाड़ियां बनाने का लक्ष्य

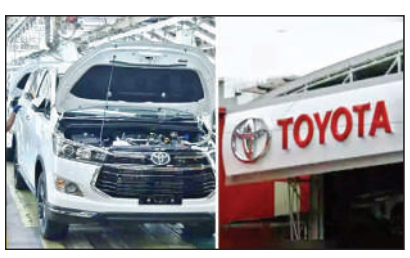

नई दिल्ली। भारत में टोयोटा मोटर कार्पोरेशन अपनी नई फैक्ट्री स्थापित करने जा रही है। जापानीज कंपनी टोयोटा यह प्लांट महाराष्ट्र के बिडकिन औद्योगिक क्षेत्र में लगाया जाएगा। इस प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता एक लाख गाड़ियों की होगी। कंपनी ने उम्मीद जताई है कि इस नए संयंत्र में वर्ष 2029 की पहली छमाही से उत्पादन शुरू हो जाएगा। टोयोटा के अनुसार, इस फैक्ट्री में स्टैम्पिंग, वेल्डिंग, पेंटिंग और असेंबली जैसे सभी प्रमुख विनिर्माण कार्य किए जाएंगे। विशेष रूप से, यहां एक नए एसयूवी माडल का निर्माण भी होगा। कंपनी का मानना है कि यह नया प्लांट भारत और आसपास के बाजारों में वाहनों की बढ़ती मांग को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस बीच, टोयोटा भारतीय बाजार में अपनी नई पीढ़ी की फार्च्यूनर और हाइलक्स को उतारने की तैयारी में भी जुटी है। नई फार्च्यूनर में ज्यादा शार्प डिजाइन, नई एलईडी हेडलाइट्स और एक चौड़ी ग्रिल देखने को मिलेगी। इसके इंटीरियर में दो 12.3 इंच की स्क्रीन, कनेक्टेड कार तकनीक, 360 डिग्री कैमरा और एडीएएस फीचर्स जैसे आधुनिक फीचर्स दिए जा सकते हैं। टोयोटा का दृढ़ विश्वास है कि भारत आने वाले वर्षों में उसके लिए एक महत्वपूर्ण मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात केंद्र के रूप में उभरेगा। टोयोटा कंपनी की इस महत्वाकांक्षी परियोजना से लगभग 2800 लोगों को प्रत्यक्ष रोजगार मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिलेगा।

रेनो जल्द लांच करेगी नई एसयूवी रेनो ब्रिजर

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रेनो कंपनी अपनी नई काम्पैक्ट एसयूवी रेनो ब्रिजर को लान्च करने की

तैयारी में है, जिसे अनौपचारिक रूप से मिनी डस्टर के नाम से भी जाना जा रहा है। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह नई एसयूवी अपने सेगमेंट में माइलेज के मामले में एक नया बेंचमार्क स्थापित कर सकती है, क्योंकि इसमें नया 1.2 लीटर हाइब्रिड इंजन दिए जाने की संभावना है, जो 30 किलोमीटर प्रति लीटर से अधिक का प्रभावशाली माइलेज देने में सक्षम होगा। यह अत्याधुनिक 3-सिलेंडर इंजन विशेष रूप से मिलर साइकिल तकनीक पर आधारित होगा, जिसे उसकी बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी और कम उत्सर्जन के लिए जाना जाता है। रेनो ने इस तकनीक का उपयोग पहले अपनी डेसिया डस्टर में सफलतापूर्वक किया है, और अब इसे भारतीय बाजार के लिए अनुकूलित किया जा रहा है। माना जा रहा है कि यही उन्नत तकनीक नई ब्रिजर को उत्कृष्ट माइलेज प्रदान करने में मदद करेगी, जिससे यह पर्यावरण के अनुकूल भी बनेगी। इसके अलावा, रेनो ने संकेत दिया है कि दिवाली 2026 तक रेनो डस्टर हाइब्रिड को भी लान्च किया जा सकता है। इसमें 1.8 लीटर पेट्रोल इंजन और दो इलेक्ट्रिक मोटर्स का संयोजन होगा, जो मिलकर लगभग 160 बीएचपी की शक्तिशाली आउटपुट पैदा करेगा। रेनो भारतीय एसयूवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए एक नई 7-सीटर एसयूवी, रेनो बोरियल, पर भी काम कर रही है। यह एसयूवी भारतीय बाजार में टाटा सफारी और महिंद्रा एक्सयूवी 7ओ जैसे स्थापित खिलाड़ियों को कड़ी टक्कर देगी।

नई लग्जरी एसयूवी रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी लान्च

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में लैंड रोवर ने अपनी नई लग्जरी एसयूवी रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी लान्च कर दी

है। यह माडल रेंज रोवर स्पोर्ट के लिमिटेड एसवी एडिशन टू वेरिएंट से नीचे रखा गया है। इसकी कीमत करीब 30 लाख रुपये कम है। कंपनी ने इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 2.05 करोड़ रुपये तय की है। कंपनी ने इसकी बुकिंग शुरू कर दी है, जबकि डिलीवरी अगस्त 2026 से शुरू होने की संभावना है। दमदार इंजन, शानदार डिजाइन और हाई-टेक फीचर्स के चलते यह एसयूवी लान्च होते ही चर्चा में आ गई है। कंपनी के अनुसार नई रेंज रोवर स्पोर्ट एसवी खासतौर पर भारतीय ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इसमें भारत के लिए विशेष पेंट आप्शन दिए गए हैं, जिनमें सैटिन ग्रीन, मैट आरेंज, ग्लास ब्लू, मैट वायलेट और ग्लास टील जैसे रंग शामिल हैं। इन कलर्स के साथ ब्लैक रूफ और 22 इंच के फोर्ज्ड अलाय व्हील्स इसे बेहद आकर्षक लुक देते हैं। एसयूवी के बाहरी हिस्से में एसवी बैजिंग, चार एग्जास्ट पाइप, ब्लैक आउट पिलर्स, स्पोर्टी ग्रिल और स्टाइलिश रियर स्पाइलर दिया गया है। कंपनी का दावा है कि यह एसयूवी केवल 3.8 सेकंड में 0 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है।

दुनिया पर मंदी की आंशका : बड़े अर्थशास्त्रियों की बड़ी चेतावनी, अमेरिका में मंदी आना तय

भारत को लेकर अर्थशास्त्रियों की मिलीजुली राय

नई दिल्ली

बीते एक सप्ताह में दुनिया की शीर्ष वित्तीय संस्थाओं और जाने-माने अर्थशास्त्रियों ने वैश्विक आर्थिक मंदी को लेकर गंभीर चेतावनियां की हैं। अमेरिका की आक्रामक टैरिफ नीतियां, बढ़ता व्यापार युद्ध, कमजोर होता उपभोक्ता खर्च और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) में अत्यधिक निवेश से बने संभावित बुलबुले के फटने का डर इसके प्रमुख कारण हैं। इन विशेषज्ञों का मानना है कि जहां अमेरिका में मंदी का जोखिम सबसे अधिक है, वहीं भारत सहित दुनिया के अन्य देश भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। इस संबंध में सबसे बड़ी चेतावनी मेरिल लिंच के प्रसिद्ध फोरकास्टर गैरी शिलिंग की तरफ से आई है। यह वही शख्स हैं, जिन्होंने 1969-70 की आर्थिक मंदी की सटीक भविष्यवाणी की थी। शिलिंग ने हाल ही में एक साक्षात्कार में कहा है कि 2026 के अंत तक अमेरिकी मंदी करीब तय है। उनके मुताबिक, तीन बड़े खतरे सामने उभर रहे हैं, जिसमें पहला, एक स्थिर आवास बाजार जहां खरीदार और विक्रेता दोनों सुस्त पड़े हैं, दूसरा, कार्पोरेट पूंजीगत खर्च (कैपेक्स) में तेज गिरावट, और तीसरा, अमेरिका में कमजोर होता उपभोक्ता वर्ग इसका प्रमुख कारण है। शिलिंग ने कहा, शेयर बाजार बहुत महंगा है और जल्द ही बड़ा करेक्शन आने की पूरी आशंका है। उनके अलावा, अरबपति निवेशक लियोन कूपरमैन ने भी शिलिंग के विचारों से सहमति जताकर कहा कि बाजार बहुत ऊंचे मूल्यांकन पर है और कई समस्याएं एक साथ मुंह बाए खड़ी हैं। वहीं जेपी मार्गन ने पहले वैश्विक मंदी की 60 प्रतिशत संभावना जाहिर की थी, इस अब घटाकर 40 प्रतिशत किया गया है, लेकिन उन्होंने काफी डाउनसाइड रिस्क अभी भी बने रहने की चेतावनी दी है। मैकिंजी के ताजा वैश्विक सर्वे का नतीजा और भी चौंकाने वाला है, जिसमें करीब 70 प्रतिशत बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स ने मंदी के किसी न किसी स्वरूप को सबसे संभावित माना है। इसमें से 61 प्रतिशत ने मांग में कमी से पैदा होने वाली मंदी की आशंका जाहिर की है, जिसका अर्थ है कि बढ़ती अनिश्चितता उपभोक्ताओं का भरोसा तोड़ सकती है। मार्गन स्टेनली के मुख्य वैश्विक अर्थशास्त्री सेथ कारपेंटर ने भी कहा है कि आर्थिक नुकसान शुरू हो चुका है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर टैरिफ अप्रैल के अपने शीर्ष स्तर पर वापस जाते हैं, तब अमेरिका और पूरी दुनिया मंदी में चली जाएगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी वैश्विक विकास दर का अनुमान 2024 के 3.3 प्रतिशत से घटाकर 2026 में 3.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताकर कहा है कि जोखिम नीचे की तरफ झुके हुए हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा - इसतरह के वैश्विक परिदृश्य में सवाल उठता है कि भारत की अर्थव्यवस्था पर इसका क्या असर होगा विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत की अर्थव्यवस्था मुख्यतः घरेलू मांग पर आधारित होने के कारण वैश्विक मंदी की सीधी चपेट में आने से बचेगी। डेलाइट इंडिया के अनुसार, भारत 2026 में 6.5 से 7 प्रतिशत की दर से वृद्धि करता रहेगा और वह दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। हालांकि, बैंक आफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री की चेतावनी को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। उनके मुताबिक, भारत रुपये की तेज अस्थिरता से जरूर प्रभावित होगा। जब अमेरिका और यूरोप जैसी बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में मंदी आती है, तब निवेशक उभरते बाजारों से पूंजी खींच लेते हैं, जिसके परिणामस्वरूप रुपया कमजोर पड़ता है, शेयर बाजार में उठापटक होती है और आयात होने वाले कच्चे माल, विशेषकर कच्चा तेल, महंगे हो जाते हैं, जो अंततः महंगाई को हवा दे सकते हैं। एक बड़ा सेक्टोरल खतरा भारतीय आईटी उद्योग के सामने है। एक रिपोर्ट बताती है कि भारतीय आईटी सेक्टर मुख्य रूप से अमेरिका और यूरोप जैसे पश्चिमी बाजारों पर निर्भर है। यदि इन देशों की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है और सेवाओं की मांग घटती है, तब इसका सीधा असर भारत पर पड़ेगा। नए प्रोजेक्ट्स मिलने कम हो जाएंगे, कंपनियां अपने बजट में कटौती करेंगी और युवाओं के लिए नौकरियों के अवसर भी सिमट सकते हैं। आईटी के अलावा, कपड़ा, टेक्सटाइल और मैन्युफैक्चरिंग जैसे वे तमाम उद्योग भी दबाव महसूस करेंगे, जो अपना माल विदेशों में बेचते हैं। हालांकि, भारत के पास इस संभावित संकट से निपटने के लिए मजबूत साधन भी मौजूद हैं। मोदी सरकार द्वारा बुनियादी ढांचे (इंफ्रास्ट्रक्चर) पर किया जा रहा भारी निवेश और भारतीय रिजर्व बैंक की संभाली हुई नीतियां एक सुरक्षा कवच का काम करेंगी। इसके बावजूद, यदि वैश्विक आर्थिक हालात और अधिक बिगड़ते हैं, तब भारत की कुल विकास दर (जीडीपी) में 0.3 से 0.5 प्रतिशत तक की गिरावट देखने को मिल सकती है।

7सीज एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने एआई-पावर्ड गेमिंग और डिजिटल कंटेंट क्रिएशन में किया विस्तार

हैदराबाद : 7सीज एंटरटेनमेंट लिमिटेड ने ए.आई.-पावर्ड गेम डेवलपमेंट और सिनेमाई कंटेंट निर्माण में अपने रणनीतिक विस्तार की घोषणा की है। इस कदम से कंपनी भारत में ए.आई.-संचालित गेमिंग इनोवेशन को अपनाने वाली शुरुआती कंपनियों में शामिल हो गई है।

कंपनी गेम डिज़ाइन, यूआई/यूएक्स, 3डी कैरेक्टर क्रिएशन, परिवेश जेनरेशन, एनिमेशन, वॉइस जेनरेशन, ऑटोमेटेड टेस्टिंग और मल्टीलिंगुअल कंटेंट प्रोडक्शन में ए.आई. को शामिल कर रही है। कंपनी के प्रवक्ता एल.एम. शंकर ने कहा, ए.आई. तेज़ डेवलपमेंट, बेहतर विज़ुअल्स, स्मार्ट गेमप्ले और इमर्सिव स्टोरीटेलिंग के ज़रिए गेमिंग को बदल देगा।

कंपनी के अनुसार, ए.आई. को अपनाने से डेवलपमेंट की समय-सीमा तेज़ हुई है, साथ ही यथार्थवाद, दक्षता, स्केलेबिलिटी और इमर्सिव प्लेयर अनुभवों में भी सुधार हुआ है। वैश्विक ए.आई. गेमिंग बाज़ार के 2025 में लगभग 4.3 बिलियन से बढ़कर 2033 तक 51 बिलियन अमरीकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। ए.आई. वीडियो इंडस्ट्री के भी 2030 तक 42 बिलियन अमरीकी डॉलर का आंकड़ा पार करने की उम्मीद है।

अपने विस्तार रोडमैप के हिस्से के रूप में, कंपनी क्रिसमस की छुट्टियों से पहले कई नए और अपग्रेड किए गए गेमिंग टाइटल्स रिलीज़ करने की योजना बना रही है। इनमें 'ढऑशर्रीऑश घळपस' - एक महत्वाकांक्षी ओपन-वर्ल्ड एक्शन-एडवेंचर स्ट्रेटेजी गेम शामिल है, जिसमें इमर्सिव एक्सप्लोरेशन, रणनीतिक गेमप्ले, गतिशील वातावरण और ए.आई.-बेहतर स्टोरीटेलिंग है। 'क्रेऑॉश्रिर ठीीह' अगली पीढ़ी का कार रेसिंग गेम है, जिसे असली जैसी रेसिंग फ़िज़िक्स, एडवांस्ड AI विरोधी सिस्टम और शानदार रेसिंग अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भोजशाला ...

जिन पर संस्कृत व्याकरण के नियम अंकित हैं और जिन्हें फर्श में बिछा दिया गया था।

देवी सरस्वती को समर्पित था मंदिर

यह भवन एक प्राचीन मंदिर के स्थान पर खड़ा है, जो संभवतः उसी मंदिर का अवशेष है जिसे यहां मिले नाट्य शिलालेख में जिक्र किया गया है, वह मंदिर देवी सरस्वती को समर्पित था और जिसे धारनगरी के चौरासी चौकों का आभूषण कहा गया है। दो स्तंभों पर संस्कृत के विभक्ति-प्रत्ययों का संक्षिप्त सार सर्प के आकार आकृति में उत्कीर्ण है, जिसे इसी कारण 'सर्पबन्धी' कहा गया। रॉयल एशियाटिक सोसाइटी की 1904 की पत्रिका में धार एंड मांडू शीर्षक अध्याय के अनुच्छेद दख में भोजशाला का उल्लेख है। वहां लिखा है कि कमाल उल दीन की क़ब्र से सटी यह मस्जिद स्थानीय हिंदू समुदाय में 'राजा भोज का मदरसा' के नाम से जानी जाती है। वर्तमान रूप में यह आसपास की इमारतों के समकालीन है, लेकिन इसकी समस्त सामग्री हिंदू मंदिरों से ली गई प्रतीत होती है। मुख्य सारणी के ऊपर अनुष्टुप छंद के दो संस्कृत श्लोक उत्कीर्ण हैं; पहले में उदयादित्य और नरवर्मन तथा दूसरे में केवल उदयादित्य का नाम आता है। ये दोनों राजा, धार पर शासन करने वाले राजा भोज के लगभग तत्काल उत्तराधिकारी थे।

इन श्लोकों का आशय यह है कि राजा उदयादित्य और नरवर्मन की तलवारें चारों वर्णों और वर्णमाला के अक्षरों दोनों की समान रूप से रक्षा के लिए सदैव तत्पर थीं; यह स्तंभ लेख कवियों और राजाओं को संतोष देने के लिए उदयादित्य ने स्थापित कराया। इसके अतिरिक्त, मस्जिद की फर्श में लगी काली शिलाओं पर आज भी अनेक स्थानों पर प्राचीन शिलालेखों के अवशिष्ट चिह्न देखे जा सकते हैं, जिन्हें मुस्लिम विजेताओं ने लगभग पूरी तरह मिटा दिया।

5 अरब डॉलर...

भागीदार के रूप में भूमिका को स्वीकार किया और भविष्य में एक व्यापक ऊर्जा साझेदारी के लिए नई पहलों को बढ़ावा देने पर सहमति व्यक्त की।

इस यात्रा के सबसे ठोस परिणामों में से एक यह है कि संयुक्त अरब अमीरात की संस्थाओं ने भारत में कुल 5 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की है। एमिरेट्स एनबीडी भारत के आरबीएल बैंक में 3 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी, अबू धाबी निवेश प्राधिकरण (एडीआईए) भारत के नेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर और निवेश कोष (एनआईआईएफ) के साथ प्राथमिकता वाली इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी, और इंटरनेशनल होल्डिंग कंपनी भारत की सम्मान कैपिटल में 1 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगी। विदेश मंत्रालय ने इन प्रतिबद्धताओं को भारत के विकास के प्रति संयुक्त अरब अमीरात की ''निरंतर और दीर्घकालिक प्रतिबद्धता'' का प्रतीक बताया है।

इस यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच सामरिक रक्षा साझेदारी के लिए एक रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए गए। यह दोनों पक्षों द्वारा स्थिर और मजबूत रक्षा संबंधों के रूप में वर्णित संबंधों को संस्थागत रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस रूपरेखा के तहत, भारत और यूएई ने रक्षा औद्योगिक सहयोग को गहरा करने, इनोवेशन और एडवांस टेक्नोलॉजी पर सहयोग करने, प्रशिक्षण और संयुक्त अभ्यासों का विस्तार करने और समुद्री सुरक्षा, साइबर रक्षा और सुरक्षित संचार एवं सूचना आदान-प्रदान को मजबूत करने पर सहमति व्यक्त की।

टेक्नोलॉजी, जहाज निर्माण और व्यापार

ऊर्जा और रक्षा के अलावा, इस यात्रा में कई अन्य क्षेत्रों में भी समझौते हुए। भारत की सीडीएसी और यूएई के जी-42 के बीच साझेदारी में 8 एक्सफ़्लॉप सुपर कंप्यूटर क्लस्टर स्थापित करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए, जो द्विपक्षीय टेक्नोलॉजी सहयोग में एक महत्वाकांक्षी कदम है। कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड और दुबई के ड्राईडॉक्स वर्ल्ड से जुड़े दो समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए - एक वाडीनार में अपतटीय निर्माण सहित जहाज मरम्मत क्लस्टर स्थापित करने के लिए, और दूसरा समुद्री और जहाज निर्माण उत्कृष्टता केंद्र के साथ एक त्रिपक्षीय समझौता, जिसका उद्देश्य जहाज मरम्मत में कौशल विकास करना है ताकि भारत को समुद्री पेशेवरों के केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके। मैत्री के जरिए बढ़ी मित्रता दोनों नेताओं ने मैत्री का उपयोग करके वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर के संचालन का भी स्वागत किया।

मैत्री डिजिटल ढांचा है, जो दोनों पक्षों के सीमा शुल्क और बंदरगाह अधिकारियों को जोड़ता है और इसका उद्देश्य माल ढुलाई को सुव्यवस्थित करना, लागत कम करना और दोनों देशों के बीच ट्रांजिट समय को कम करना है। भारत-यूएई व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते ने इन घोषणाओं के लिए एक बैकअप की तरह काम किया है। यात्रा की समाप्ति पर पीएम मोदी ने राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को गर्मजोशी भरे आतिथ्य के लिए धन्यवाद दिया और उन्हें जल्द से जल्द भारत आने का निमंत्रण दिया। अबू धाबी से प्रधानमंत्री अपने यूरोपीय दौरे के लिए रवाना हुए, जिसके बाद वे नीदरलैंड, स्वीडन, नॉर्वे और इटली का दौरा करेंगे और 20 मई को नई दिल्ली लौटेंगे।

21 जून को...

कि सरकार आपके साथ है। हम नहीं चाहते कि कोई पैसे देकर आपकी सीट छीन ले। ये जो भी घटना हो रही है, उससे हम बहुत चिंतित है।

शिक्षा मंत्री का कहना है कि नीट पेपर में गड़बड़ी ये एक सामाजिक चुनौती है। परीक्षा माफिया के खिलाफ सख्ती से सीबीआई जांच कर रही है। अगले साल से नीट यूजी की परीक्षा ओएमआर नहीं बल्कि कंप्यूटर बेस्ट टेस्ट यानी ऑनलाइन आयोजित किया जाएगा। साइबर क्राइम में भी चुनौती है लेकिन हमें सिस्टम पर भरोसा करना होगा। जिससे परीक्षा में नकल और अन्य गड़बड़ियों को रोका जाएगा। नीट की परीक्षा अब दोबारा जून में करवाई जाएगी।

फीस वापस, 14 जून तक नीट एडमिट कार्ड

शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि जब परीक्षा कैंसिल होने की जानकारी दी गई थी, उसी दिन एनटीए ने सूचना दी थी कि छात्रों की फीस वापस की जाएगी। आगे जो परीक्षा होगी, उसमें जीरो फीस होगी। विद्यार्थियों पर कोई आर्थिक बोझ ना आए यह हमारा दायित्व है। पेपर में जो छात्र शामिल होंगे वो अपना परीक्षा शहर चुन सकेंगे। यह अवसर छात्रों को मिलेगा। इसके लिए एक हफ्ता दिया जाएगा। परीक्षा का समय भी 15 मिनट बढ़ाने का फैसला लिया गया है। पेपर 2 बजे से शुरू होगा और 5.15 तक चलेगा। नई परीक्षा के लिए स्टूडेंट्स के एडमिट कार्ड 14 जून तक जारी हो जाएंगे। एनटीए इस पर डिटेल में जानकारी देगा।

पेपर लीक 2026 की शुरुआत कहां से?

नीट यूजी की परीक्षा 3 मई को देशभर में आयोजित की गई थी। इसके बाद पेपर लीक और परीक्षा में बड़े स्तर पर गड़बड़ी होने की जानकारी सामने आते ही इसकी जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंप दिया गया था। मामले की जांच चल रही है। एजेंसियों की तरफ से दावा किया गया कि नीट पेपर लीक की कथित तौर पर शुरुआत नासिक से हुई। इसके बाद राजस्थान, उत्तराखंड, केरल, समेत अन्य जगहों पर गेस पेपर पहुंचा। कड़ी निगरागी और सुरक्षा के इंतजाम के बाद भी पेपर लीक कैसे हुआ? इस जगह हर एंगल से जांच की जा रही है।

000000000000000000000

महँगाई...

भाव छलांग लगा गया। इम्पोर्ट ड्यूटी में वृद्धि की खबर आते ही, सोना 11,000 रुपये, तो चांदी 22,000 रुपये तक महंगी हो गई थी।

सोना-चांदी के बाद महंगाई का दूसरा बम दूध पर फूटा और अमूल से लेकर मदर डेयरी तक ने अपने पैकेज्ड दूध की कीमतों में इजाफा कर देश के लोगों को झटका दिया। अमूल दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई, तो इसके तुरंत बाद मदर डेरी ने भी अपने दूध के दाम दो रुपये बढ़ा दिए। ये नई कीमतें 14 मई से देशभर में लागू हो गईं।

महंगाई का तीसरा अटैक: पेट्रोल-डीजल के बढ़ गए दाम

दूध महंगा होने के बाद पेट्रोल-डीजल पर महंगाई का अटैक हुआ। शुक्रवार को तेल कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल की कीमतों में 3 रुपये प्रति लीटर का इजाफा कर दिया और नई कीमतें शुक्रवार 15 मई से देशभर में लागू हो गईं। ताजा इजाफे के बाद दिल्ली में पेट्रोल 3 रुपये महंगा होकर 97.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है, तो कोलकाता में ये 108.74 रुपये (3.29 रुपये महंगा), मुंबई में 106.68 रुपये (3.14 रुपये महंगा) और चेन्नई में 103.67 रुपये (2.83 रुपये) प्रति लीटर की दर से बिक रहा है। डीजल की बात करें, तो दिल्ली में ये अब 90.67 रुपये प्रति लीटर, जबकि कोलकाता में 95.13 रुपये, मुंबई में 93.14 रुपये और चेन्नई में 95.25 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

महंगाई का चौथा अटैक: सीएनजी की कीमतें भी बढ़ीं

न सिर्फ देश में पेट्रोल डीजल कीमतों में बढ़ोतरी की गई है, बल्कि सीएनजी ग्राहकों को भी बड़ा झटका लगा है। मुंबई के बाद अब दिल्ली में भी 15 मई से सीएनजी महंगी हो गई और इसकी कीमत 2 रुपये प्रति किलो तक बढ़ा दी गई। इस इजाफे के बाद दिल्ली में सीएनजी की कीमत 79.09 रुपये प्रति किलो हो गई है। मुंबई की बात करें, तो यहां भी एक दिन पहले सीएनजी 2 रुपये महंगी की गई थी और इसका दाम 82 रुपये से बढ़कर 84 रुपये हो गया था।

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शुक्रवार, 15 मई, 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

'भक्ति की लय' का भव्य आयोजन 23 को

लाइव भजन क्लबिंग में गूंजेंगे भक्ति और संगीत के सुर

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। सनातन धर्मप्रेमियों के सहयोग से ढहश उेपषर्श्रीशपलश द्वारा 'भक्ति की लय – लाइव भजन क्लबिंग' का भव्य आयोजन 23 मई, शनिवार को सायं 6 बजे से ऋग्नज्ञहरपर ऋर्ऒीपव में किया जाएगा। लव फॉर काऊ फाउंडेशन के ट्रस्टी रिद्धिश जागीरदार ने प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि इस अनूठे आध्यात्मिक उत्सव का आयोजन विजय सुराणा, डॉ. कल्याण नायक, चिकोटी प्रवीण, वीरा बाबू एवं चाडा अनीता रेड्डी के नेतृत्व में किया जा रहा है। कार्यक्रम में भजन जामिंग के लिए प्रसिद्ध दिल्ली का डशशश्रर ठेलज्ञ इरपव विशेष प्रस्तुति देगा। आयोजकों के अनुसार यह हैदराबाद की सबसे बड़ी भजन क्लबिंग होगी, जिसमें भक्ति, संगीत और युवा ऊर्जा का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।कार्यक्रम में प्रवेश पूर्णतः निःशुल्क रखा गया है।

कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से आयोजित बैठक में लव फॉर काऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत पटेल, ट्रस्टी मुकेश चौहान जैन सहित एन. गौतम राव, वेमुला अशोक, डॉ. कल्याण नायक, विजय सुराणा, चिकोटी प्रवीण, अभिषेक जगिनी, डॉ. जी. रविकुमार, बी. सुरेश, के. गणेश, रवि नायक, भभूतसिंह राजपुरोहित, वीराबाबू, तरुण मेहता, चाडा अनीता रेड्डी, प्रभा, वीणा सेवक, नीरज सुर–ाणा, डॉ. जी. समता, जी. सुभाषचंद्र, हरिश्वर रेड्डी एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

आयोजकों ने सभी भक्तों, विशेष रूप से युवा पीढ़ी से इस अविस्मरणीय शाम का हिस्सा बनने का आह्वान किया है।

उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में पारंपरिक भजनों को आधुनिक बीट्स और लाइव संगीत के साथ नई शैली में प्रस्तुत किया जाएगा, जिससे युवाओं को भक्ति और संस्कृति से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

अग्रवाल समाज तेलंगाना का भव्य समर कैंप संपन्न

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। असअॅरुरश्र डरारक्ष ढशश्ररपसरपर द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास एवं रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भव्य समर कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में बच्चों एवं अभिभावकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समर कैंप के अंतर्गत एबाकस प्रशिक्षण का विशेष आयोजन किया गया, जिसका संचालन प्रसिद्ध प्रशिक्षिका डॉ. सीमा जैन ने किया। उनके मार्गदर्शन में बच्चों को मानसिक गणना, एकाग्रता एवं स्मरण शक्ति बढ़ाने का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में लगभग 70 से 80 बच्चों ने भाग लेकर विभिन्न गतिविधियों में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व चेयरमैन मोनिका अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के समर कैंप बच्चों के मानसिक एवं सामाजिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होते हैं।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. दीपक अग्रवाल तथा कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

उन्होंने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के साथ रचनात्मक गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद बच्चों के लिए एबाकस प्रशिक्षण, खेलकूद, रचनात्मक गतिविधियां एवं मनोरंजक सत्र आयोजित किए गए। समर कैंप को सफल बनाने में रानी मित्तल, शीतल गुप्ता, शीतल अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, अर्चना एवं संगीता का विशेष योगदान रहा।

कार्यक्रम के अंत में बच्चों एवं अभिभावकों ने आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे आयोजन करने की अपेक्षा जताई।

मछली की दवा के वितरण में सहयोग करेगा अग्रवाल समाज

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना अग्रवाल समाज इस वर्ष भी हैदराबाद में आयोजित होने वाले प्रसिद्ध 'मछली प्रसादम' वितरण कार्यक्रम में सहयोग करेगा। तेलंगाना अग्रवाल समाज के कार्यवाहक अध्यक्ष नरेंद्र गोयल ने कहा कि बत्तिनी भाइयों द्वारा हर वर्ष मृगशिरा कार्ते के अवसर पर वितरित की जाने वाली मछली की दवा के आयोजन में समाज के सदस्य स्वेच्छा से भाग लेंगे और व्यवस्थाओं में सहयोग प्रदान करेंगे। शुक्रवार को 'मछली प्रसादम' वितरण को लेकर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नरेंद्र गोयल ने बताया कि सांस संबंधी बीमारियों, विशेष रूप से दमा से राहत के लिए हजारों लोग हर वर्ष यह दवा लेने आते हैं।उन्होंने कहा कि इस वर्ष वितरण कार्यक्रम 8 जून को प्रातः 8:30 बजे नुमाईश मैदान में शुरू होगा और 9 जून की रात तक लगातार जारी रहेगा। आयोजकों के अनुसार, सरकार द्वारा लोगों की सुविधा के लिए लगभग 32 से 34 विशेष काउंटर तथा 40 से अधिक कतारों की व्यवस्था की जा रही है। मत्स्य विभाग के अंतर्गत वितरण केंद्र पर मछली के बच्चों (फिंगरलिंग) की बिक्री की जाएगी तथा पूरे वितरण क्षेत्र की निगरानी पशु चिकित्सकों एवं मत्स्य विशेषज्ञों द्वारा की जाएगी।बैठक में मुन्नालाल अग्रवाल, अध्यक्ष एवं सलाहकार सुरेश अग्रवाल, गोपाल मोरे, उपाध्यक्ष सीए हरि गोविंद प्रसाद, सचिव सीमा जैन, कोषाध्यक्ष सीए रामगोपाल अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष आर.एन. गुप्ता, पूर्व अध्यक्ष सुरेश सिंघल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे। इसके अलावा बत्तिनी अमरनाथ गौड गौरी शंकर गौड़, चंद्रशेखर गौड़, शिवशंकर गौड़, संतोष गौड़, अरविंद गौड़ एवं अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

नए आरडीओ कैंप ऑफिस भवन का उद्घाटन, जनता-सेवा पर जोर

बांसवाड़ा, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। जुक्कल विधायक थोटा लक्ष्मी कांता राव ने ड्डक्र फंड से 50 लाख रुपये की लागत से बने नए आरडीओ कैंप ऑफिस बिल्डिंग का उद्घाटन किया।

विधायक ने अधिकारियों से जनता की समस्याओं को शीघ्रता से पहचानकर पारदर्शी और ईमानदार तरीके से समाधान करने का आग्रह किया और कहा कि सरकारी कार्यालय लोगों को सेवा देने वाले केंद्र होने चाहिए। उन्होंने नए आरडीओ रविंदर रेड्डी को बधाई दी और बांसवाड़ाजुक्कल के आठ मंडलों की समस्याओं पर विशेष ध्यान देने को कहा।

पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल ने जरूरतमंदों को बांटी पांच लाख की सामग्री

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट एवं अग्रवाल सेवा दल के संयुक्त तत्वावधान में शहर के 4 अनाथालयों, 1 दिव्यांग केंद्र एवं 1 सरकारी स्कूल में जरूरतमंदों की शिक्षा एवं सुविधा हेतु लगभग पांच लाख रुपए की उपयोगी सामग्री भेंट की गई।

चार अनाथालयों, दिव्यांग केंद्र और सरकारी स्कूल को मिली मदद

अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, ट्रस्ट के चेयरमैन श्री शरद ब पित्ती के मार्गदर्शन में मल्लापुर स्थित 'लाइफ ऑफ होप अनाथालय', सीताफलमंडी स्थित 'एस.आर.डी. रेनबो होम', वारासिगुड़ा स्थित 'अमनवेदिका गर्ल्स अनाथालय', बाइबल हाउस स्थित 'नाइटिंगेल होम फॉर बॉयज', रानीगंज स्थित 'औदैया होम फॉर डिसेबल्ड' एवं मेकला मंडी स्थित 'सरकारी यू.पी. स्कूल' को पांच लाख रुपए मूल्य के कम्प्यूटर सिस्टम, कैनन प्रिंटर, 32 इंच एलईडी टीवी, वाशिंग मशीन, वॉटर डिस्पेंसर, पंखे, अलमारी, मिक्सर ग्राइंडर, प्रेशर कुकर, गीजर, गैस चूल्हा, अहूजा साउंड सिस्टम, यू.वी. बैग फिल्टर, रैक, कुर्सियां, टीचर टेबल, सीसी कैमरा सेट, प्लेट, गिलास आदि सामग्री प्रदान की गई।

सामाजिक सेवा का संकल्प, आगे भी जारी रहेंगे कार्य

कार्यक्रम का समन्वय एवं सभी स्थलों का निरीक्षण श्री दीपक गुप्ता तथा ट्रस्ट कर्मचारी श्री रत्नम राजू द्वारा किया गया। संबंधित संस्थाओं की ओर से श्री राजेश, श्रीमती कलावती, सुश्री अनिता, सुश्री लक्ष्मी, श्रीमती वसंता एवं सुश्री स्वरूपा ने ट्रस्ट का आभार व्यक्त किया। अजित गुप्ता ने बताया कि ट्रस्ट तथा सेवा दल का उद्देश्य अनाथ, बेसहारा बच्चों, दिव्यांग जनों एवं सरकारी स्कूलों के छात्रों को शिक्षा व बेहतर जीवन शैली के लिए आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना है। संस्था द्वारा आगे भी सामाजिक सेवा के कार्य निरंतर जारी रहेंगे।

डॉ. श्वेता श्रीवास्तव को पीएचडी उपाधि

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। डॉ. श्वेता शीवास्तव, विभागाध्यक्ष, गणित एवं सांख्यिकी विभाग, आरबीवीअ–ारआर वूमेन्स कॉलेज को चैतन्या डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी, हैदराबाद द्वारा 'प्राकृतिक वृद्धि दरों के साथ सह–पारिस्थितिकी पर कुछ गणितीय मॉडलिंग का अध्ययन' विषय पर शोध के लिए पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है । प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार डॉ. श्वेता शीवास्तव ने उपरोक्त शोध कार्य प्रो. बी. हरि प्रसाद के मार्गदर्शन एवं पर्यवेषण में किया गया। डॉ. श्वेता शीवास्तव, गणित के क्षेत्र में 25 वर्षों से अधिक का गौरवपूर्ण अध्यापन एवं शोध अनुभव रखती हैं । उनके नाम अनेक प्रतिष्ठित शोध पत्र राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित हो चुके हैं । इसके अतिरिक्त उनके शोध कार्यों पर पेटेंट भी पंजीकृत हैं। वे एक प्रख्यात शिक्षाविद् एवं विषय विशेषज्ञ के रूप में जानी जाती हैं। विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठियों, सेमिनारों एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों में उन्हें मुख्य अतिथि, अतिथि वक्ता, गेस्ट ऑफ ऑनर तथा बोर्ड ऑफ स्टडीज़ सदस्य के रूप में आमंत्रित किया जाता रहा है।

सेवा और सहयोग की भावना से निरंतर आगे बढ़ रहा राधे-राधे ग्रुप : नंदकिशोर अग्रवाल

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 ए के पास राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजन में नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं सेवा भावना के साथ किया गया। कार्यक्रम में ग्रुप के सदस्यों एवं समाजसेवियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए जरूरतमंद लोगों को अन्न वितरण किया। सेवा कार्य के दौरान वहां मौजूद लोगों ने भी राधे-राधे ग्रुप द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की सराहना की।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए नंदकिशोर अग्रवाल ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद का उद्देश्य केवल अन्न वितरण करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

उन्होंने कहा कि जब सभी लोग मिलकर निस्वार्थ भाव से किसी जरूरतमंद की सहायता करते हैं तो समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

उन्होंने बताया कि ग्रुप पिछले लंबे समय से नियमित रूप से अन्न सेवा कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने का कार्य कर रहा है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, जगन गुप्ता, प्रीतिका अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, रविंद्र शर्मा, जय प्रकाश सारड़ा, संजय गोयल एवं किरण गोयल सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन उद्घाटित

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। तीन दिवसीय समर फैशन स्पेशल तथा लाइफस्टाइल एक्जीबिशन हाईलाइफ का भव्य उद्घाटन शुक्रवार दि. 15 मई को एचआईसीसी नोवोटेल में हुआ ।

नोवोटेल एचआईसीसी परिसर में समर फैशन स्पेशल एवं लाइफस्टाइल प्रदर्शनी के उद्घाटन परश हर की फैशन की दुनिया से जुड़े कई चेरे मौजू थे। प्रदर्शनी का उद्घाटन डॉ. चौधरी प्रीति रेड्डी उपाध्यक्ष मल्ला रेड्डी विश्वविद्यापीठ, अभिनेत्री श्रावंती चोकारोपु ने किया। समारोह में विभिन्न मॉडलों ने डिजाइनर परिधानों और आभूषणों का प्रदर्शन किया। हाईलाइफ प्रदर्शनी के आयोजक अबे डोमनिक ने उद्घाटन के बाद संवाददाताओं को बताया कि समर फैशन स्पेशल हाईलाइफ एक्जीबिशन में देशभर से 350 से अधिक डिजाइनर भाग लेर हे हैं।

प्रदर्शनी में विविध प्रकार के फैशन तथा जीवनशैली पर आधारित उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है। इनमें फैशन वियर, ब्राइडल वियर, लाइफस्टाइल वियर, डिजाइनर तथा फ्यूजन वियर, एसेसरीज, ज्वेलरी, होम डेकोर तथा आने वाले त्योहारों व मौसम के अनुकूल उत्पादों सहित अन्य विविध प्रकार की आकर्षक वस्तुएं शामिल हैं।।

रक्षा मंत्री ने सिरासपल्ली में बीडीएल की नई नौसेना प्रणाली निर्माण इकाई की आधारशिला रखी

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो): रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने आज आंध्र प्रदेश के अनाकापल्ली जिले के टी. सिरासपल्ली गांव में भारत डायनेमिक्स लिमिटेड (बीडीएल) की नई अत्याधुनिक नौसेना प्रणाली निर्माण इकाई (नेवल सिस्टम्स मैन्युफैक्चरिंग फैसिलिटी) की आधारशिला रखी। यह आगामी इकाई रक्षा क्षेत्र में 'आत्मनिर्भर भारत' के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने और भारत की स्वदेशी रक्षा निर्माण क्षमताओं को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। रक्षा मंत्रालय के तहत 1970 में स्थापित, बीडीएल भारत के प्रमुख रक्षा निर्माण उद्यमों में से एक और रणनीतिक व सामरिक हथियार प्रणालियों के लिए डीआरडीओ के एक प्रमुख उत्पादन भागीदार के रूप में उभरा है।

जन्मदिवस पर शिव भगवान अग्रवाल ने जताया आभार, राधे-राधे ग्रुप की अन्न सेवा बनी प्रेरणा

हैदराबाद, 15 मई (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने शिव भगवान अग्रवाल के जन्मदिवस के उपलक्ष्य में नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। सेवा कार्यक्रम में जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन वितरण किया गया तथा सभी ने बाबा श्याम का स्मरण करते हुए समाज सेवा के संकल्प को आगे बढ़ाने का संदेश दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित सदस्यों ने बाबा श्याम के जयकारों के साथ सेवा कार्य में उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा सभी ने मिलकर समाज में जरूरतमंदों की सहायता के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जगत नारायण अग्रवाल, अनिल धारशुवाले अग्रवाल, अरुण विजयवर्गीय, नीलम विजयवर्गीय, लता गोयल, महेश गोयल, मोहित अग्रवाल, रेनू शर्मा एवं पन्नालाल जी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

ामपल्ली स्थित नुमाईश मैदान (एग्जिबिशन मैदान) में रविवार, 31 मई को भारत भारती द्वारा सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम एवं लोक डायरो में पधारने हेतु केंद्रीय मंत्री जे. किशनरेड्डी, विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय सह मानद सचिव डॉ. सुरेंद्र जैन, जीतो संस्था के एपीएक्स सदस्य शिवराज लक्ष्मीचंद जैन, ज्वेलर्स के गौतम सेहलोत, प्रेस क्लब सोमाजिगुडा के रामचंद्र, भाजपा तेलंगाना महामंत्री एन. गौतम राव एवं अन्य भाजपा नेता आदित्य को आमंत्रित करते हुए संयोजक जसमत पटेल, चौहान मुकेश जैन, संजय घनाटे, आले भास्कर, मिनाक्षी जी एवं अन्य।

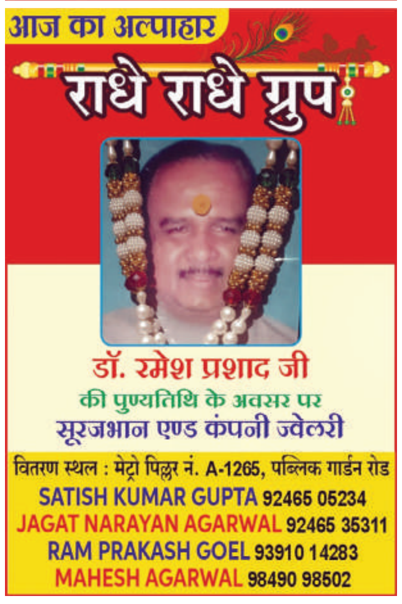

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.